{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 29 दिसम्बर 2025
पौस शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 97
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सीमेंट लदी मालगाड़ी नदी में गिरी

जमुई। बिहार के जमुई में सीमेंट लदी एक मालगाड़ी अचानक डिरेल हो गई। आसनसोल की ओर से झाझा जा रही अपलाइन मालगाड़ी के कुल 15 डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें से 10 डिब्बे रेलवे ब्रिज पर ही पलट गए, जबकि 5 डिब्बे नीचे बरुआ नदी में जा गिरी। हादसा पूर्व रेलवे के आसनसोल रेल मंडल अंतर्गत जसीडीह-झाझा रेलखंड पर शनिवार बरुआ नदी पर बने रेलवे ब्रिज संख्या 676 के पास रात करीब 11:40 बजे हुआ। हादसे के बाद पटना से हावड़ा जाने वाली रेल रूट करीब 10 घंटे से प्रभावित है। मुजफ्फरपुर से हावड़ा जाने वाली बाघ एक्सप्रेस को 16 स्टेशनों पर कैंसिल कर दिया गया है। 9 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है जबकि पटना-देवघर(63210) पैसेंजर को कैंसिल कर दिया गया है।

मौसम विभाग ने घने कोहरे को लेकर कई राज्यों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया

नइ दिल्ली। मौसम विभाग ने घने कोहरे को लेकर कई राज्यों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. रविवार को भी देश के 8 राज्यों में घना से बहुत घना कोहरा छाया रहा. भारत मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है. इन इलाकों में रविवार को कोहरे की घनी चादर छायी रही. आने वाले दिनों में भी कोहरे और ठंड की स्थिति देश के कई राज्यों में बनी रहेगी। भारत मौसम विभाग के ताज़ा पूर्वानुमान के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश में 30 दिसम्बर तक, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश में 31 दिसंबर तक रात/सुबह के घंटों में घना से बहुत घना कोहरा साथ ही हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में 31 दिसंबर और 01 जनवरी, पूर्वी मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश में 29 तक, जम्मू डिवीज़न में 30 तक, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में 31 दिसंबर तक, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा में 01 जनवरी तक रात/सुबह के समय में घना कोहरा छाए रहने की बहुत संभावना है।

यूजीसी नेट दिसंबर 2025 परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

नई दिल्ल। यूजीसी नेट दिसंबर 2025 की परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों के लिए ये महत्वपूर्ण खबर है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा के प्रवेश पत्र आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। जिन उम्मीदवारों ने इस पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन किया है, वे अब पोर्टल पर जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

भारत को दहलाने के लिए आतंकियों का ना 'पाक' प्लान लीक

सेना का घर घर तलाशी शुरु जम्मू कश्मीर में 30-35 आतंकियों के छिपे होने की आशंका

श्रीनगर। एजेंसी । पाकिस्तान एक बार फिर आतंकी साजिशों में सक्रिय होता नजर आ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई शायद वह भूल चुका है। यही वजह है कि वह दोबारा अपने नापाक इरादों को अंजाम देने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान आतंकियों की खेप भारत भेजने की फिराक में है। उसके आतंकी जंगलों में छिपकर सर्दियों का फायदा उठा रहे हैं। हालांकि, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को इसकी भनक पहले ही लग चुकी है। जम्मू-कश्मीर में 30 से 35 आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई गई है. इनपुट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर काम कर रही हैं. वहीं नए साल के मद्देनजर पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में सीसीटीवी फुटेज में लश्कर-ए-तैयबा (लेट) के दो संदिग्ध आतंकवादी देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है. फुटेज में कुलगाम जिले के खेवन का रहने वाला मोहम्मद लतीफ भट और उसका साथी डांगरपुरा बाज़ार की सड़कों पर घूमते हुए रिकॉर्ड हुए. बीती शाम से शुरू हुए इस ऑपरेशन में जम्मू कश्मीर पुलिस, सेना की क्विक रिएक्शन टीमें और सीआरपीएफ के जवान अनंतनाग का चप्पा-चप्पा खंगाल रहे हैं. अनंतनाग के डांगरपुरा, काज़ीबाग, दंतर और मट्टन इलाकों के घर-घर में रेड की जा रही है. इसके अलावा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

इनपुट के आधार पर टारगेट पर रेड

सुरक्षा दलों ने बीती शाम से ही इनपुट के आधार पर टारगेट पर रेड की है. साथ ही, अनंतनाग के डांगरपुरा, काज़ीबाग, दंतर और मट्टन इलाकों पर घर-घर तलाशी जारी रही, लेकिन आतंकवादी अभी भी फरार है. दक्षिण कश्मीर के जंगली और पहाड़ी इलाकों में भी आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए जा रहे हैं. अधिकारियों ने इन्हें संदिग्ध गतिविधियों के बारे में हालिया इनपुट के आधार पर रूटीन कार्रवाई बताया. हालांकि पुलिस और सुरक्षा जम्मू-कश्मीर में 30-35 आतंकियों के छिपे होने की आशंका एजेंसियां सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हाई अलर्ट पर हैं ।

लगातार नए आतंकियों की भर्तियां कर रहे आतंकी

सुरक्षा बलों को इनपुट मिला था कि पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहे आतंकी संगठन लगातार युवाओं को गुमराह कर नए आतंकियों की भर्ती कर रहे हैं. बीते दिनों ऐसी भी खबर सामने आई थी कि 29 नवंबर को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने रैली का आयोजन कर हमास आतंकियों को सम्मानित किया था. रैली में जैश-ए-मोहम्मद का टॉप कमांडर इलियास कश्मीरी के मंच पर शामिल होने की बात सामने आई थी. पहलगाम हमले में हमास के आतंकियों जैसा पैटर्न देखने को मिला था. खबरों के अनुसार, कई खुफिया इनपुट मिलने के बाद भारतीय सेना ने पीर पंजाल के दक्षिणी हिस्से में किश्तवाड़ और डोडा इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया है।

एक्शन मोड में भारतीय सेना

हालांकि, भारतीय सेना पूरी तरह एक्शन मोड में है और आतंकियों के मंसूबों क नाकाम करने की तैयारी कर चुकी है। पाकिस्तानी आतंकवादियों पर दबाव बना रखने के लिए सैनिकों ने बर्फ से ढकी पहाड़ ?यिों और दुर्गम जंगलों में अपनी तैनात बढ़ा दी है। ऑपरेशनल बढ़त बनाए रखने के लिए सर्दियों में युद्ध की विशेष ट्रेनिं प्राप्त यूनिट्स को भी तैनात किया गया है। पुलिस, सीआरपीएफ, एसओजी, वन गार्ड और वीडीजी के साथ मिलकर चलाए जा रहे संयुक्त अभियानों से इंटेलिजेंस का आदान-प्रदान बेहतर हुआ है और कार्रवाई की रफ्तार भी तेज हुई है।

स्थानीय स्तर पर समर्थन खत्म

खबरों के अनुसार, आतंकियों को अब स्थानीय स्तर पर समर्थन कम मिल रह है। इसी कारण उन्हें आबादी से दूर इलाकों में शरण लेनी पड़ रही है और रस जुटाने के लिए वे डराने-धमकाने का सहारा ले रहे हैं। सेना का मुख्य फोकस बन हुए आतंकी गुटों को अलग-थलग कर खत्म करने और उन्हें रिहायशी इलाकों घुसने से रोकने पर है।

पाकिस्तानी आतंकवादी जम्मू क्षेत्र के ऊंचे और मध्यम पहाड़ी इलाकों में छिपे हुए और गिरफ्तारी से बचने के लिए सर्द मौसम का सहारा ले रहे हैं। माना जा रहा है ये आतंकी सुरक्षा बलों से सीधे टकराव से बचने के लिए अस्थायी सर्दियों के ठिक तलाश रहे हैं। बर्फबारी और कड़ाके की ठंड की आड़ में वे भारत में घुसपैठ करना चाहते हैं।

नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली तैयार..20,000 जवान पर रहेगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष तैयारी की हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रहेगी।

हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकी कृत्य की योजना बनाने वालों को सजा दी - अमित शाह

नई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के दृढ़ निर्देश के बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का 5वां आतंकवाद-विरोधी सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान एनआईए ने शनिवार को भारत की आतंकवाद-विरोधी क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया। केंद्र सरकार ने सम्मेलन में आतंकवाद के किसी भी रूप के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराया और देश के आतंकवाद-विरोधी तंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधन में राज्यों को भारत की आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एकसमान आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) संरचना को शीघ्रता से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूरे देश में मजबूत, एकसमान और सुसंगत परिचालन क्षमता के बिना हम खुफिया जानकारी का उचित उपयोग और प्रभावी समन्वित जवाबी कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर सकते। अमित शाह ने पहलगाम और दिल्ली के लाल किले पर हुए आतंकी हमलों में विभिन्न एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों की सफल कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में इन एजेंसियों की गहन कार्रवाई ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इस जघन्य हमले में शामिल तीनों आतंकवादियों को सफलतापूर्वक ट्रैक करके मार गिराने का जिक्र करते हुए कहा कि यह पहली आतंकी घटना है जिसमें हमने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकी कृत्य की योजना बनाने वालों को सजा दी और ऑपरेशन महादेव के जरिए हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को मार गिराया।

मालगाड़ी के पटरी से उतरने से यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें, 9 ट्रेनें रद्द और 14 ट्रेनों के रूट में बदलाव

पटना। आसनसोल मंडल (पूर्व रेलवे) के लाहाबन-सिमुलतला स्टेशनों के मध्य किमी 344/05 के पास 27 दिसंबर को रात 11.25 बजे एक मालगाड़ी के 08 डिब्बे पटरी से उतर गए । इस कारण इस रेलखंड के अप एवं डाउन दोनों लाइनों पर रेल परिचालन बाधित हो गए हैं। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि सूचना मिलते हुए आसनसोल, मधुपुर एवं झाझा से एआरटी घटना स्थल के लिए रवाना हो गए थे एवं परिचालन पुनर्बहाल करने हेतु युद्धस्तर पर कार्य जारी है। इस बीच इस हादसे से रेल परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया और हावड़ा-पटना तथा हावड़ा-मुजफ्फरपुर रेल लाइन पर यात्री और मालगाड़ियों के परिचालन में बड़ा असर पड़ा। मुजफ्फरपुर से हावड़ा जाने वाली 13020 बाघ एक्सप्रेस को बरौनी से डायवर्ट किया गया और इसमें 16 स्टेशनों पर गाड़ी को रद्द कर दिया गया। वहीं, हावड़ा से मुजफ्फरपुर आने वाली 13019 बाघ एक्सप्रेस अंडाल और किऊल के बीच रद्द कर दी गई। इस कारण चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह में बड़ी संख्या में उत्तर बिहार के यात्री फंस गए और उन्हें पूरी रात स्टेशन पर बितानी पड़ी। रेलवे ने प्रभावित यात्रियों को सहायता प्रदान की। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस हादसे के बाद कुल 9 ट्रेनों को रद्द किया गया है। रद्द की गई ट्रेनों में 12369, 13105, 13030, 63571, 63574, 63297, 63298, 63572 और 63566 शामिल हैं। इसके अलावा 14 ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए गए। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया कि मालगाड़ी के डिब्बों के उतरने के कारण किसी प्रकार के यात्री या कर्मचारी की जान का नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि, परिचालन बाधित होने से आने-जाने वाले यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। उधर इस हादसे के कारण न केवल उत्तर बिहार बल्कि पूर्वी भारत के कई क्षेत्रों के यात्रियों की यात्रा प्रभावित हुई। विशेष रूप से जसीडीह स्टेशन पर बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए थे। रेलवे प्रशासन ने स्टेशन पर त्वरित राहत केंद्र स्थापित किया और प्रभावित यात्रियों के लिए पानी, भोजन और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर बोले मल्लिकार्जुन खड़गे

सत्ता कम हो सकती है, लेकिन रीढ़ सीधी है...

नई दिल्ली। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भाजपा और मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में खडगे ने कहा कि जो लोग कहते हैं कांग्रेस खत्म हो गई है, उन्हें यह समझना चाहिए कि कांग्रेस की सत्ता कम हो सकती है, लेकिन उसकी रीढ़ आज भी सीधी है। खडगे ने आगे कहा कि कांग्रेस ने कभी सत्ता के लिए सौदेबाजी नहीं की और न ही संविधान, धर्मनिरपेक्षता और गरीबों के अधिकारों से समझौता किया।

खडगे ने कहा, जो लोग कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो गई है, उन्हें मैं बताना चाहता हूं कि हमारे पास सत्ता कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ अभी भी सीधी है। हम सत्ता में न हों, लेकिन सौदेबाजी नहीं करेंगे। कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगा और न ही मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत फैलाई।

कांग्रेस जोडने का काम करती है

उन्होंने भजापा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस जोडने का काम करती है, जबकि भजापा तोडने की राजनीति करती है। कांग्रेस ने हमेशा धर्म को आस्था तक सीमित रखा, लेकिन कुछ लोगों ने धर्म को राजनीति का हथियार बना दिया। खडगे ने आरोप लगाया कि आज भाजपा के पास सत्ता है, लेकिन सच्चाई नहीं है। यही वजह है कि कभी आंकड़े छिपाए जाते हैं, कभी जनगणना रोकी जाती है और कभी संविधान बदलने की बातें की जाती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने कांग्रेस द्वारा बनाए गए संस्थानों को कमजोर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय संपदा के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन भी खतरे में है। खडगे ने कहा कि आरएसएस और भाजपा के कई नेताओं ने देश के संविधान, तिरंगा झंडा, अशोक चक्र और वंदे मातरम तक को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस-भाजपा नेताओं को समाज की प्रगति के लिए बनाए गए कानूनों से हमेशा विरोध रहा है और वे जनता के अधिकारों को कुचलने का काम कर रहे हैं। खडगे ने यह भी आरोप लगाया कि इन लोगों का स्वतंत्रता आंदोलन से कोई संबंध नहीं रहा है और आज ये जनता के अधिकार छीनने में लगे हैं।

खडगे ने किया यूपीए सरकार का जिक्र

खडगे ने यूपीए सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष रहने के दौरान और डॉ। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए जनता के अधिकारों को मजबूत करने वाले कई ऐतिहासिक कानून बनाए गए। इनमें सूचना का अधिकार कानून, शिक्षा का अधिकार कानून, खाद्य सुरक्षा कानून, मनरेगा, वन अधिकार कानून और भूमि अधिग्रहण कानून शामिल हैं।

कुछ ना कहना

अरावली पर्वत श्रृंखला पर सुप्रीम ने लिया स्वतः संज्ञान, आज होगी अहम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी । देश की सबसे प्राचीन और पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील अरावली पर्वत श्रृंखला को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखला की परिभाषा से जुड़े मुद्दों पर स्वत: संज्ञान (सुओ मोटो) लेते हुए एक विशेष याचिका दर्ज की है। इस मामले की सुनवाई 29 दिसंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी कारण सूची के अनुसार, इस सुओ मोटो रिट याचिका की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ करेगी।

कोर्ट ने यह कदम अरावली क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को देखते हुए अपने स्तर पर उठाया है। माना जा रहा है कि यह सुनवाई अरावली के भविष्य के लिए बेहद अहम होगी। इसी बीच, केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अवैध खनन पर लगाम लगाने और पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि अरावली क्षेत्र में किसी भी नई खनन लीज पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए।

इसके साथ ही, आईसीएफआरई को पूरे अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। यह योजना वैज्ञानिक आधार पर बनेगी और इसे जनता और सभी हितधारकों की राय के लिए सार्वजनिक किया जाएगा। मंत्रालय के योजना में पर्यावरणीय प्रभाव, क्षेत्र की वहन क्षमता, संवेदनशील और संरक्षण योग्य इलाकों की पहचान, साथ ही क्षतिग्रस्त क्षेत्रों के पुनर्वास और बहाली के उपाय शामिल होंगे।

कई जिलों में अनुसार, इस प्रदर्शन हुए जो खदानें पहले से चल रही हैं, उनके लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप सभी पर्यावरणीय नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर पाखंड और भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार अरावली की पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वहीं, राजस्थान के उदयपुर, जोधपुर, सीकर और अलवर समेत कई जिलों में अरावली में खनन को लेकर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के 20 नवंबर 2025 के आदेश को वापस लेने की मांग करते हुए आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है।

अरावली पर्वत श्रृंखला पर सुप्रीम ने लिया स्वतः संज्ञान

पर्यावरणविदों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश में केवल 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले भू-आकारों को अरावली पहाड़ी मानने की बात कही गई है, जिससे अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो सकता है।

इस बीच, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने %एक पत्ती अलवर के नाम% शीर्षक से पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अरावली पूरी तरह सुरक्षित है और सुप्रीम कोर्ट का फैसला पर्यावरण संरक्षण, अवैध खनन रोकने और विकास के बीच संतुलन बनाकर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि अलवर अरावली का अभिन्न हिस्सा है, जहां सरिस्का टाइगर रिजर्व और सिलीसेढ़ झील जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक और विरासत स्थल स्थित हैं।

अब सभी की निगाहें 29 दिसंबर को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं, जो अरावली के भविष्य की दिशा तय कर सकती है।

इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल आज

31 को फाइनल मैच के साथ प्रतियोगिता का होंगा समापन,भोपाल, गुना और सिवनी ने जीते मैच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में 24 दिसंबर से आयोजित इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट अब समापन की ओर है।जिसका क्वार्टर फाइनल मैच सोमवार से खेला जाएगा, तो वही 30 दिसंबर को सेमीफाइनल के बाद 31 दिसंबर को फाइनल मैच के साथ प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा। स्वर्गीय रमणिक लाल त्रिवेदी की स्मृति में जिला हॉकी संघ व प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता के पाँचवे दिन 28 दिसम्बर को 3 मैच सम्पन्न कराए गए। इसमें भोपाल, गुना व सिवनी ने मैच जीत दर्ज कर क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल मैच 29 दिसम्बर को खेला जाएंगा। क्वाटर फाइनल में जीत प्राप्त करने वाली चार टीमों के बीच 30 दिसम्बर को सेमी फाइनल मैच होगा। टूर्नामेंट का समापन 31 दिसम्बर को फाइनल मैच के साथ किया जाएगा।सोमवार को क्वाटर फाइनल का पहला मैच सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने टूर्नामेंट में लोगों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर खेल का लुत्फ उठाने की अपील की है।

सिवनी ने दर्ज की एकतरफा जीत

टूर्नामेंट के 5 वें दिन पहला मैच सुबह 11 बजे से भोपाल व इंदौर के बीच खेला गया। दोनों ही टीम के खिलाडियों ने शानदार खेल का

प्रदर्शन किया। इस मैच में भोपाल टीम 5-3 गोल से विजयी रही। दूसरा मैच गुना व उमरिया के बीच खेला गया। इसमें गुना टीम के खिलाडियों ने शुरू से ही बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुये उमरिया को 7-1 गोल से एकतरफा पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। वहीं तीसरा मैच सिवनी व नरसिंहपुर के मध्य खेला गया। इसमें सिवनी टीम के खिलाडियों ने शुरू से ही बढ़त बनाकर बेहतर खेल का प्रदर्शन कर 7-0 गोल से एकतरफा जीत प्राप्त कर क्वाटर फाइनल में जगह बनाई। मैच को देखने खेल प्रेमी दर्शकों की काफी भीड़ रही।

क्वाटर फाइनल में इनके बीच होंगी भिड़ंत

म.प्र इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट के 6 वें दिन सोमवार को 4 क्वाटर फाइनल मैच खेला जाएगा। इनमें पहला मैच सुबह 10 बजे से मंदसौर व सिवनी के बीच खेला जाएगा।वहीं दूसरा मैच 11:30 बजे ग्वालियर व बैतूल के मध्य एवं तीसरा मैच 1 बजे से होशंगाबाद बनाम भोपाल के बीच व अंतिम क्वाटर फाइनल मैच जबलपुर व गुना के बीच खेला जाएगा। उक्ताशय की जानकारी वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राजकुमार शांडिल्य व राजेश सेवईवार द्वारा दी गई।

मैच के सफल आयोजन में हॉकी म.प्र के उपाध्यक्ष विजय वर्मा, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, राधेलाल दवने, गोपाल धुर्वे, फिरोज खान, वामन उके, रमेश उके, उमेश मालाधारी, चीनु गंगवानी, तुषार मानकर, विशु मतेल, सौरभ बारिया, डिलनसिंह, सत्यम वर्मा सहित अन्य का सहयोग रहा है। इस टूर्नामेंट में खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने की है।

सिटी सेंटर इंग्लिश मीडियम स्कूल में आयोजित हुआ किड्ज़ आर्ट एंड साइंस एग्ज़ीबिशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के सिटी सेंटर इंग्लिश मीडियम स्कूल द्वारा छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा और नवाचार को सामने लाने के लिए किड्ज़ आर्ट एंड साइंस एग्ज़ीबिशन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बच्चों में विज्ञान, कला और नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। आयोजन में बच्चों के विज्ञान प्रोजेक्ट्स, आर्टवर्क, मॉडल प्रजेंटेशन और नवाचार प्रदर्शित किए गए, जो उनकी सीखने की क्षमता और रचनात्मक सोच को दर्शाते हैं। कार्यक्रम 28 दिसंबर को स्कूल परिसर में आयोजित किया गया, जिसकी शुरुआत दोपहर 3:30 बजे हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विशेष गढ़पाले आईएएस अधिकारी रहे, जिन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। स्कूल प्रशासन ने

बताया कि यह आयोजन न केवल बच्चों की प्रतिभा को उजागर करेगा, बल्कि अभिभावकों और स्थानीय समाज को भी बच्चों की उपलब्धियों से रूबरू कराएगा। सभी अभिभावकों, स्थानीय नागरिकों और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर बच्चों के उत्साह और नवाचार का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया गया। स्कूल की प्रिंसिपल सृष्टि अंगारे ने बताया कि इस आयोजन में लकी ड्रा के माध्यम से कुछ अभिभावकों को गेस्ट ऑफ़ ऑनर चुना गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्कूल के मुख्य गेट पर फीता काटकर की गई। सभी अतिथियों ने नन्हे-मुन्ने छात्रों से मिलकर उनके प्रोजेक्ट और विज्ञान मॉडल का अवलोकन किया। प्रिंसिपल सृष्टि अंगारे ने आगे बताया कि इस आयोजन में स्कूल के सभी बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को उनकी क्षमता के अनुसार प्रोजेक्ट बनाने का अवसर दिया गया ताकि उनकी रुचि विज्ञान और गणित जैसे विषयों में और अधिक प्रबल हो। उनका उद्देश्य बच्चों की इच्छानुसार प्रोजेक्ट बनाना और उनकी विज्ञान में रुचि बढ़ाना है।

ग्राम बसेगांव से 29 वर्षीय युवती लापता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बसेगांव से 29 वर्षीय युवती लापता हो गई। यह युवती भुमेश्वरी पिता स्वर्गीय शिखरचंद यादव 29 वर्ष अपने घर से चांगोटोला जाने निकली थी। किंतु घर नहीं लौटी। जिसकी चांगोटोला वाला पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

चांगोटोला पुलिस के मुताबिक ग्राम बसेगाव निवासी तुलेंद्र कुमार यादव खेती किसानी करते हैं। भुमेश्वरी यादव उनके रिश्ते में बहन लगती है। जिसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। भुमेश्वरी यादव के माता-पिता की 2 वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। सुरेंद्र कुमार यादव के साथ में ही भूमेश्वरी यादव रहती थी। 26 दिसंबर को तुलेंद्र कुमार यादव लकड़ी लाने के लिए जंगल गया था। घर में उनकी मां दुर्गावती यादव, पत्नी प्रभा यादव और भुमेश्वरी यादव के अलावा दो बच्चे थे। 11:00 बजे जब तुलेंद्र कुमार यादव घर आये उसे समय भूमेश्वरी यादव घर में नहीं थी। सुरेंद्र यादव ने अपनी पत्नी प्रभा यादव से पूछा कि भुमेश्वरी कहां है तब उन्होंने बताया कि भुमेश्वरी चांगोटोला जा रही हूं कहकर घर से निकली है। तब सुरेंद्र कुमार यादव ने भुमेश्वरी के मोबाइल पर फोन लगाया किंतु भुमेश्वरी का मोबाइल बंद बता रहा था।भुमेश्वरी शाम तक घर वापस नहीं लौटी तब गांव मोहल्ले एवं रिश्तेदारो के यहां पर उसकी तलाश किये। किंतु भूमेश्वरी का कहीं पता नहीं चला ।जिसका हुलिया रंग गेहूंआ, चेहरा गोल, कद 5 फीट है। वह घर से बदन पर काले कलर की कुर्थी,स्वयं की बैंक की पासबुक, एटीएम, छोटा पर्स एवं स्वयं को मोबाइल और एक नग सोने की नथनी लेकर निकली है। जिसके गुम होने की रिपोर्ट सुरेंद्र कुमार यादव ने चांगोटोला पुलिस थाना में की ।चांगोटोला पुलिस ने गुम इंसान 19/2025 कायम कर इस युवती की तलाश शुरू की है।

मेहताब सिंह मरावी को मातृ शोक

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर समीप ग्राम मोहबट्टा के कृषक मेहताब सिंह मरावी उर्फ बॉयो पंडा की माताश्री श्रीमती गलियारों बाई का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 28 दिसम्बर को निधन का समाचार सुन सगे संबंधी दूरस्थ ग्राम से परिवार वाले एवं सभी व नाते रिश्तेदार के सहित सैकड़ो लोग ग्राम मोहबट्टा मेहताब सिंह मरावी के घर पहुंच गएऔर शोक व्यक्त किये।मेहताबसिह की माता गलियारों बाई का जन्म ग्राम निकुंभ में हुआ था। जो मिलनसार व्यक्तित्व की महिला थी और वह सामाजिक धार्मिक कार्य में अग्रणी रही। मिलन एवं मधुर स्वभाव के कारण गलियारो बाई को क्षेत्र के लोग अच्छे रूप से भली भांति पहचानते थे। पिछले कुछ माह से गलियारो बाई अस्वस्थ चल रही थी। 27 दिसंबर की रात 3:00 बजे करीब गलियारो बाई ने अंतिम सांसे ली।28 दिसंबर को गलियारों बाई का अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया और शोक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गलियारों बाई ने अपने पीछे पुत्र मेहताब सिंह, पुत्री शांतिबाई एवं भरा पूरा परिवार छोड़ गई।

दीप ज्योति नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में आयोजित विधिक साहेता जागरूकता शिविर सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम और जिला विधिक सहायता अधिकारी जितेंद्र मोहन धुर्वे द्वारा दीप ज्योति नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर, केंद्र में भर्ती रहकर अपना इलाज कर रहे लोगो की जानकारी ली। श्री मरकाम ने चर्चा कर बताया कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है नशा ऐसी बुराई है जिससे कि इंसान का अनमोल जीवन समय से पहले मौत का शिकार हो जाता है नशीली पदार्थों के सेवन से व्यक्ति को शारीरिक मानसिक और आर्थिक हानियां पहुंचने के साथ ही इससे सामाजिक वातावरण भी

प्रदूषित होता है साथ ही जिला विधिक सहायता अधिकारी जितेंद्र मोहन धुर्वे द्वारा कहा गया कि नशा किसी प्रकार का भी हो व्यक्ति को विनाश की ओर ले जाता है इनके कारण परिवार तक टूट रहे हैं नशा एक ऐसी गंभीर बीमारी जिसका इलाज संभव है। यहां सिर्फ अपने माइंड पर डिपेंड करता है कि हमें क्या करना है क्या नहीं करना है नशा करने के बाद व्यक्ति अपराध कर बैठता है नशा करने के बाद सही गलत की समझ नहीं होती वही उन्ह भर्ती मित्रो के सवालो के जवाब देते हुए उन्हें कानूनी सलाह एवं अन्य जानकारियो से भी अवगत कराया है।

धर्म विरासतों के दीदार और अवलोकन के लिए पंचशील धम्म यात्रा रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश के विभिन्न राज्यों में स्थित धम्म विरासतों के दीदार और उन विरासतों का अवलोकन कर, सामाजिक बन्धुओ को उनकी जानकारी देने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी पंचशील धम्म यात्रा का आयोजन किया गया है। जो रविवार

28 दिसंबर को नगर के अंबेडकर चौक से विभिन्न धम्म विरासतो की जानकारी जुटाने रवाना हुई। 28 से 7 जनवरी तक आयोजित इस 10 दिवसीय धम्म यात्रा में सामाजिक बन्धुओ को बालाघाट से रांची, महू (इंदौर), औरंगाबाद , पुणे, भीमा कोरेगांव, महाड़, सत्याग्रह , कोल्हापुर गोवा, मुंबई, हैदराबाद, नागपुर, चिचोली और रामटेक सहित अन्य जगहों पर स्थित धम्म विरासतो में ले जाकर वहां की जानकारी दी जाएगी।दो बसों के माध्यम से रवाना हुई इस पंचशील धम्म यात्रा में जिले भर के करीब 80 यात्री रवाना हुए।जिनकी रवानगी के पूर्व सभी धम्म यात्रियों ने नगर के अंबेडकर चौक पहुंचकर संविधान रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका जय घोष किया और जय घोष के साथ ही बसों में सवार होकर यह पंचशील धम्म यात्रा अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई। पंचशील धाम यात्रा डायरेक्टर हंसराज भौतिक ने बताया की 7 जनवरी को यह यात्रा विभिन्न स्थलों से जानकारी एकत्रकर वापस नागपुर स्थित दीक्षाभूमि पहुंचेगी। जहां से वापस चिचोली और रामटेक सहित अन्य स्थानीय धम्म विरासत के अवलोकन के लिए धम्म यात्रियों को ले जाया जाएगा।जहा से यह यात्रा वापस बालाघाट पहुचेगी।जहा इस धम्म यात्रा का समापन होंगा।

गुरूदेव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल कायदी में आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गत दिवस राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस का कार्यक्रम गुरूदेव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल कायदी बालाघाट के सभागार में किया गया। जिला उपभोक्ता आयोग के न्यायिक सदस्य डॉ0 महेश चांडक के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमति हर्षा बिजेवार के विशिष्ट आतिथ्य, जी0एस0धुर्वे अपर कलेक्टर बालाघाट के विशेष आतिथ्य एवं शाला के प्राचार्य अंशुमन तिवारी की अध्यक्षता में शिविर सम्पन्न किया गया।इस कार्यक्रम के विशेष अतिथि उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट के संरक्षक सुरजीतसिंह छाबडा, लोचनसिंह देशमुख, उपभोक्ता संरक्षण समिति के अध्यक्ष संतोष असाटी, महामंत्री भीवाजी उके, कोषाध्यक्ष शिवशंकर तिवारी, गुरूदेव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डी0पी0 तुरकर, हम फाउंडेशन बालाघाट के जिलाध्यक्ष श्याम कौशल और ग्राम पंचायत कायदी के सरपंच जितेन्द्र नगरगडे रहे।सर्वप्रथम अतिथिगणों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।जहा स्वागत कार्यक्रम के उपरांत समिति के महामंत्री भीवाजी उके द्वारा उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट का इतिहास व समिति द्वारा निस्वार्थरूप से निशुल्क उपभोक्ताहित में किये गये कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।इसके पश्चात उपभोक्ताओं के अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में समिति के सुभाष गुप्ता, समिति के संरक्षक सुरजीतसिंह छाबडा, लोचनसिंह देशमुख द्वारा उपभोक्ता हित की जानकारी दी गई । कार्यक्रम को अपर कलेक्टर जी0एस0 धुर्वे, उपभोक्ता आयोग बालाघाट की न्यायिक सदस्य श्रीमति

हर्षा बिजेवार, उपभोक्ता आयोग के न्यायिक सदस्य डॉ0 महेश चांडक, कार्यक्रम अध्यक्ष अंशुमन तिवारी प्राचार्य व अन्य वक्ताओं द्वारा संबोधित करते हुये उपभोक्ताओं जागरूक रहने व अपने अधिकारों का उपयोग करने के संबंध में विस्तृत रूप से बताया गया।समिति की ओर से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथिगणों को सम्मानस्वरूप प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया गया।इस कार्यक्रम में कुशल एवं सफल मंच संचालन का कार्य उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट की मंत्री श्रीमति प्रीति बरखा काम्बले द्वारा किया गया। अंत में समिति अध्यक्ष संतोष असाटी द्वारा इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को सफल बनाये जाने हेतु समस्त अतिथिगणों सहित शाला के समस्त स्टाफ, उपभोक्ता संरक्षण समिति के सभी पदाधिकारीगणों व सदस्यों, हम फाउंडेशन के सदस्यों व अन्य समस्त उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुये कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा की गई।इस कार्यक्रम में उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट के अन्य पदाधिकारीगण सुरेश रंगलानी, डॉ0 गोपाल प्रसाद श्रीवास्तव, सुभाष गुप्ता, राजेश गांधी, प्रवीण दीक्षित, उदय सिंह मर्सकोले, संजीव जैन (चीनू), एडवोकेट जितेन्द्र जैन, दिलीप वडीचार, श्रीमति सरिता पिल्लई, हम फाउंडेशन के सर्वश्री सीताराम लिल्हारे, प्रेमचंद सेवईवार, गिरधारी जायसवाल, छोटेलाल पांचे, सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले, के0के0चैनानी, ऐजाज खान, सरफराज खान, श्रीमति गायत्री मेरावी, कु0 रूबी अली, श्रीमति खुर्शीद कुरैशी, श्रीमति रूबीना खान, आपूर्ति विभाग से सहायक आपूर्ति अधिकारी पहलवान सिंह वलाडी, सहायक आपूर्ति अधिकारी आकाश श्रीवास्तव, उत्सव वर्मा, मनोज श्रीवास्तव सहित गुरूदेव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकायें, छात्र छात्रायें सहित अन्य सम्मानीयजन उपस्थित रहे।

BEFORE THE NATIONAL COMPANY LAW TRIBUNAL
INDORE BENCH
CP 13 OF 2025
NOTICE OF RESTORATION OF THE COMPANY

By an order passed on December 12, 2025 by the Hon'ble NCLT, Indore Bench in the matter of CP13 of 2025 filed by Mr. Mukesh Sancheti, Member of the Company, the name of NMS Real Buildcon Private Limited is ordered to be restored in the Register of Companies maintained by the Registrar of Companies, Gwalior.

Date:
Place:

For, NMS Real Buildcon Private Limited
Mukesh Sancheti

दूसरी बार अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए रमेश पंचे

जिला मरारमाली समाज का चुनाव सम्पन्नद्व, 80 में से 79 मतदाताओं ने किया मतदान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार 28 दिसंबर को स्थानीय माता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास भवन बूढ़ी में जिला मरारमाली समाज जिला अध्यक्ष का चुनाव संपन्न कराया गया।मतदान प्रणाली से संपन्न कराए गए इस चुनाव में 80 में से 79 मतदाताओं ने अपना मताधिकार का प्रयोग कर किया।जहां सामाजिक बंधुओ ने एक बार फिर से रमेश पंच के हाथों में अध्यक्ष पद की कमान सौंपी है। जिन्होंने पुन: अध्यक्ष बनाए जाने पर समाज का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने समाज संगठन को एकजुट करने, समाज को मजबूत बनाने, सबको साथ लेकर चलने और सामाजिक उत्थान के कार्यों को करने की बात कही है।अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी जे.एल.खरे, सहायक निर्वाचन अधिकारी जी.एल. सिंघनधुपे, बी.एल.कावरे, के.सी. बाहेश्वर एवं उदयसिंह पंचेश्वर द्वारा सम्पन्न कराई गई।

दूसरी बार समाज के अध्यक्ष निर्वाचित हुये रमेश पंचे

जिला मरार माली समाज के जिलाध्यक्ष निर्वाचन में रमेश पंचे ने दूसरी बार सफलता प्राप्त की है। इसके पूर्व सितंबर 2022 को हुये निर्वाचन में भी उन्होने जीत हासिल की थी। समाज में जिलाध्यक्ष का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है और तीन वर्ष बाद चुनाव कराये जाते है। वर्ष 2022 के पश्चात वर्ष 2025 के अंतिम माह में हुये निर्वाचन में रमेश पंचे को दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

श्रीमती करूणा तिलक कावरे और रमेश पंचे के बीच हुआ निवार्चन

जिला मरारमाली समाज के अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार 28 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से प्रारंभ किया गया।जहा अध्यक्ष पद के लिए जिलाध्यक्ष पद के लिये कार्यवाहक जिलाध्यक्ष रमेश पंचे एवं श्रीमती करूणा तिलक कावरे ने नामांकन जमा किया। नामांकन जांच पश्चात फार्म उठाने के लिए समय दिया गया। लेकिन तय समय बीत जाने तक दोनों प्रत्याशियों में से किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन नहीं उठाया। इसके पश्चात निर्वाचन अधिकारियों द्वारा दोनों प्रत्याशियों को समाज के समक्ष अपना-अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया। इसके उपरांत मतदान प्रणाली के तहत वोटिंग कराई गई। जिसमें रमेश पंचे को अधिक मत प्राप्त हुये। इसनिर्वाचन में जिले के 10 विकासखंडो के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों एवं जिला प्रतिनिधियों द्वारा मतदान किया गया। एक-एक विकासखंड से 8-8 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस निर्वाचन में कुल 80 मतदाता थे। जिसमें से वारासिवनी विकासखंड के एक मतदाता ने अनुपस्थिति के कारण अपना मतदान नही किया। शेष सभी 79 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होने के पश्चात मतों की गणना की गई। जिसमेंरमेश पंचे को अधिक मत प्राप्त होने के कारण निर्वाचन अधिकारी ने उन्हे जिला मरारमाली समाज का अध्यक्ष घोषित कर प्रमाण पत्र दिया।

प्राप्त मतों की नही की गई घोषणा

उधर संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया शांतीपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के बाद वोटो की गणना की गई।जिंसमे किस प्रत्याशी को कितने वोट मिले, इसकी सार्वजनिक घोषणा नही की गई और निर्वाचन अधिकारी ने इसका कारण बताते हुये कहा कि समााजिक चुनाव होने के कारण वोटो को सार्वजनिक करने की जरूरत नही है और यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। रमेश पंचे के जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी ने उन्हे शुभकामनाएं प्रदान की। जहां अंत में पुन: अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए जिला अध्यक्ष रमेश पंचे ने सामाजिक बन्धुओ को संबोधित करते हुए सभी का आभार जताया, इसके उपरांत चुनाव समापन की घोषणा की गई।

समाज के समुचित उत्थान के लिये कार्य करेगें-रमेश पंचे

जिला मरारमाली समाज के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष रमेश पंचे ने बताया कि समाज के समुचित उत्थान के लिये सबके साथ मिलकर कार्य करेगें। उन्होने कहा कि समाज को मुख्य धारा में लाने के लिये अभी बहुत कार्य करना बाकि है। पिछले कार्यकाल में हमने सामाजिक उत्थान के लिये अनेक कार्य किये है और उन कार्यो में हमे सफलता भी मिली है। अब नये सिरे से सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक कार्य किया जावेगा। अपने पिछले तीन वर्षीय कार्यकाल की उपलब्धियों के संदर्भ में उन्होने कहा कि माता सावित्री बाई फुले कन्या छात्रावास का निर्माण एवं सामाजिक बालिकाओं को यहां की रहने की सुविधा प्रारंभ की गई है। इसी तरह निःशुल्क कोचिंग के माध्यम से अनेक बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये तैयार किया गया और बच्चे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल भी हुये है। सामाजिक ढांचा को मजबूत करने के लिये सदस्यता अभियान को महत्व दिया गया और सभी ब्लाकों में हजारो की संख्या में सदस्य बनाये गये। उन्होने त्रिस्तरीय चुनाव की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि पहले ग्राम समितियों का गठन किया गया। तत्पश्चात ब्लाक समितियों के निर्वाचन हुये और आज जिलाध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न हुआ है। उन्होने इस चुनाव में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वालों के प्रति आभार जताया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 29 दिसंबर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

धापेवाड़ा में नदी में बनाया गया अस्थायी पुल किया गया ध्वस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम धापेवाड़ा क्षेत्र में वैनगंगा नदी पर अवैध रूप से रेत खनन के उद्देश्य से बनाए जा रहे अस्थायी पुल को खनिज विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए ध्वस्त कर दिया गया।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि खनिज रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन को सुगम बनाने के लिए धापेवाड़ा में वैनगंगा नदी पर अस्थायी पुल का निर्माण किया जा रहा था। सूचना मिलते ही खनिज अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर तत्काल कार्रवाई की गई और निर्माणाधीन पुल को हटाया गया है।

खनिज विभाग द्वारा संबंधित एमडीओ (माइनिंग डिलीवरी ऑर्डर धारक) को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि यदि भविष्य में रेत के अवैध खनन या परिवहन के उद्देश्य से किसी भी प्रकार का अस्थायी पुल या संरचना बनाई जाती है, तो इसकी तत्काल सूचना खनिज अमले को दी जाए। साथ ही नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पेंशन के नाम पर मजाक: वेतन 92 हजार और पेंशन मात्र 5 हजार

आजाद अध्यापक संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर की बैठक, 2 जनवरी को होगा बड़ा आंदोलन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा स्थानीय मोती गार्डन में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संघ के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर गंभीरता से चर्चा की। संघ पदाधिकारियों ने सरकार की नीतियों पर असंतोष जताते हुए कहा कि शिक्षक वर्ग की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। बैठक में संघ पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में उनकी प्रमुख मांगें ग्रेजुएशन वेतनमान एवं पेंशन व्यवस्था से संबंधित हैं, जिन पर अब तक सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजना को लागू किए जाने से शिक्षक भविष्य को लेकर चिंतित हैं। संघ की स्पष्ट मांग है कि नई पेंशन योजना को समाप्त कर शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाए।

आजाद अध्यापक संघ ने अपनी वर्षों से लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का ऐलान कर दिया है। इसी क्रम में 28 दिसंबर को स्थानीय मोती गार्डन में संगठन की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से शिक्षक, संगठन पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में शिक्षकों की समस्याओं, शासन की नीतियों और भविष्य की आंदोलन रणनीति पर गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि आज शिक्षक समाज लगातार उपेक्षा का शिकार हो रहा है। ग्रेजुएट वेतनमान, समयमान वेतनवृद्धि, पदोन्नति, सेवा विसंगतियां और न्यायोचित पेंशन जैसी मांगें वर्षों से लंबित हैं, लेकिन सरकार द्वारा इन पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जा रहा है। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों की ये मांगें किसी प्रकार की अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि उनका संवैधानिक और वैधानिक अधिकार हैं। नई पेंशन योजना

को लेकर बैठक में गहरा असंतोष व्यक्त किया गया। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि एनपीएस लागू कर सरकार ने शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। वर्तमान में कई शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उन्हें पेंशन के नाम पर बेहद कम राशि मिल रही है, जिससे उनका जीवन यापन मुश्किल हो गया है। शिक्षकों ने मांग की कि उन्हें तत्काल ओल्ड पेंशन योजना के अंतर्गत लाया जाए, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। बैठक में यह भी बताया गया कि जिले में अनेक सेवानिवृत्त शिक्षक पेंशन निर्धारण में विसंगतियों के कारण महीनों से परेशान हैं। कई मामलों में शिक्षकों को समय पर पेंशन और एरियर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक संकट और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने इसे शिक्षकों के साथ खुला अन्याय बताया। शिक्षकों ने कहा कि वे पूर्व में कई बार ज्ञापन, बैठक और संवाद के माध्यम से शासन-प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित कर चुके हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। समस्याओं का समाधान नहीं होने से शिक्षकों में रोष लगातार बढ़ता जा रहा है।

पेंशन के नाम पर मेरे साथ मजाक हो रहा हैं - यदुनाथ बिसेन

बैठक के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक यदुनाथ बिसेन ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान पेंशन व्यवस्था शिक्षकों के साथ घोर अन्याय कर रही है। उन्होंने बताया कि वे उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद से आलेझरी विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए हैं। सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्हें जो ग्रेच्युटी का लाभ प्रदान किया गया, वह अत्यंत कम है। यदुनाथ ने बताया कि उनकी नियुक्ति वर्ष 1998 की है, लेकिन उन्हें ग्रेच्युटी का भुगतान वर्ष 2018 के मानकों के आधार पर किया गया, जो उनके अनुसार पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि ग्रेच्युटी का निर्धारण उनकी वास्तविक सेवा अवधि के अनुसार किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि सेवानिवृत्ति से पूर्व उनका मासिक वेतन लगभग 92 हजार रुपये था, लेकिन इसके बावजूद वर्तमान में उन्हें मात्र 5 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा महंगाई के दौर में 5 हजार रुपये की पेंशन में जीवन यापन करना संभव नहीं है। यदि उनकी सेवा अवधि और अंतिम वेतन के अनुसार पेंशन का निर्धारण किया जाए, तो उन्हें कम से कम 45 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलनी चाहिए। लेकिन नियमों की अनदेखी के कारण उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया जा रहा है। यह समस्या केवल उनकी नहीं है, बल्कि जिले के कई सेवानिवृत्त शिक्षक इसी प्रकार की पेंशन विसंगतियों से जूझ रहे हैं।

भोपाल में आंदोलन किया जा रहा है - आशिष बिसेन

बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के पदाधिकारी आशिष बिसेन ने कहा कि आजाद अध्यापक शिक्षक संघ बीते कई वर्षों से शिक्षकों के अधिकारों और हितों के लिए लगातार संघर्ष करता आ रहा है, लेकिन इसके बावजूद सरकार द्वारा उनकी जायज मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की उदासीनता के कारण शिक्षक वर्ग स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है। आशिष बिसेन ने बताया संगठन आगामी 2 जनवरी को भोपाल में एक बड़े आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन की रूपरेखा और रणनीति तय करने के उद्देश्य से ही मोती गार्डन में आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। संगठन का उद्देश्य शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से सरकार तक शिक्षकों की मांगों को पहुंचाना है।

पालतू कुत्ते ने झपट्टा मार कर बच्चे को काटकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बटकरी में 5 वर्षीय बालक को पालतू कुत्ता ने झपटकर उसे काटकर घायल कर दिया। 28 दिसंबर को सुबह यह घटना उस समय हुई जब यह बालक पड़ोस में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। कुत्ते के काटने से घायल बालक दिव्यांश पिता सुनील कावरे 5 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक दिव्यांश आंगनवाड़ी केंद्र का छात्र है और उसके माता-पिता खेती किसानी करते हैं। 28 दिसंबर आंगनबाड़ी केंद्र की छुट्टी होने से यह वाला घर में था। सुबह 10ः00 बजे बालक दिव्यांश अन्य बच्चों के साथ अपने पड़ोसी नरेंद्र झलपे के घर खेल रहा था। तभी नरेंद्र झलपे के पालतू कुत्ता बालक दिव्यांश पर झपट गया और उसे गिरकर उसके बाई तरफ की कनपटी और गाल को काटने के बाद और वह इस बालक दिव्यांश को खींचते हुए ले जा रहा था। इस बालक दिव्यांश अन्य बच्चों के रोने चिल्लाने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े और बालक दिव्यांश को इस कुत्ते से छुड़ाएं ।इस पालतू कुत्ते के द्वारा बालक दिव्यांश के कनपटी और गाल में काटने से वह घायल हो चुका था। जिसे तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है जिला अस्पताल पुलिस ने इस बालक के पिता सुनील कावरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

चार दिवसीय जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में 25 से 28दिसंबर तक आयोजित चार दिवसीय जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु और वर्ग के प्रतिभागियों ने अपनी रणनीति और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला और पुरस्कार वितरण समारोह 28 दिसंबर की शाम आयोजित किया गया, जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालाघाट, प्राणेश कुमार प्राण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी ने की, जबकि विशेष अतिथि के रूप में पी.जी. कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर पी.एस. कातुलकर, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आनंद टेंभरे, शतरंज संघ संरक्षक ऋषभदास वैद्य, म.प्र. हॉकी उपाध्यक्ष विजय वर्मा और सेवानिवृत आयकर अधिकारी सुभाष गुप्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण ने भी प्रतियोगिता के विजेता के साथ शतरंज खेलकर खिलाडियों को खेल की बारिकियों से अवगत कराया व शतरंज खेल के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुये सुझाव भी दिये। प्रतियोगिता में करीब 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इसमें अलग-अलग वर्ग के प्रतिभागी शामिल थे। इस प्रतियोगिता में सीनियर पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान आरव सोनेकर, द्वितीय ब्रजेश सूर्यवंशी व तृतीय स्थान कार्तिक गोस्वामी, चतुर्थ अनिल तवाड़े व पांचवा स्थान प्रथ्वीराज ने प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में प्रथम अनुष्का नेमा, द्वितीय जिवांशी राय, तृतीय हर्षिता मरावी, चतुर्थ अनन्या नेमा व पांचवा स्थान राखी मोटवानी ने प्राप्त किया। इसके अलावा 9 वर्ष से कम के आयु वर्ग में प्रथम स्थान शिवांश वासनिक 6 वर्ष व द्वितीय बुद्धांश सूर्यवंशी 6 वर्ष एवं 13 वर्ष से कम आयु वर्ग में प्रथम अथर्व शर्मा, द्वितीय आर्यन जायसवाल, तृतीय स्थान विराजसिंह राजपूत व 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में प्रथम रितिक रंगलानी, द्वितीय तनमय धुर्वे व तृतीय स्थान अनुशेष चौहान ने प्राप्त किया । सभी विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस आयोजन के सफल संचालन में जिला शतरंज संघ बालाघाट के अध्यक्ष वीरेन्द्र जैन, सचिव संदीप नेमा, कोषाध्यक्ष संजीव मिश्रा, कार्तिक गिरी गोस्वामी सहित अन्य का सहयोग रहा।

क्षत्रिय मराठा कलार समाज ने आयोजित किया सुंदर कांड पाठ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। छत्रीय मराठा कलार समाज द्वारा सुंदर कांड पाठ का आयोजन शिव मंगल भवन में किया गया। इस अवसर पर समाज के पुरुष और महिला सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सदस्यों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार सुंदर कांड पाठ की रस्मों को निभाया, जिससे समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का सम्मान उजागर हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष संजीश धुवारे ने की। उन्होंने अपने एक वर्ष के सफल कार्यकाल और समाज की उपलब्धियों का संक्षिप्त परिचय उपस्थित लोगों को प्रस्तुत किया। अध्यक्ष संजीश धुवारे ने यह भी बताया कि जब से उन्होंने सामाजिक पद ग्रहण किया है, तब से समाज को जोड़ने और बच्चों में शिक्षक के महत्व को बढ़ावा देने का कार्य लगातार कर रहे हैं। समय-समय पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से वह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। इस आयोजन ने समाज के सदस्यों के बीच एकता, भाईचारा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया। सभी उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लिया और इसे अत्यंत सफल और यादगार बताया। कार्यक्रम में विशेष रूप से राधेलाल दवने (पूर्व अध्यक्ष, कलार समाज), निलू पिपलेवार, सुनील धुवारे, राजकुमार चौरागड़े, दुर्गेश बिजेवार, कृष्णा सोनवाने, युवराज धुवारे सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला वर्ग की ओर से महिला अध्यक्ष दीपमाला धुवारे, ममता पिपलेवार, मीरा धुवारे, मीरा बिजेवार, वैशाली सोनवाने, शिला डाहाके, रुखमनी धुवारे एवं आरती राउत की सक्रिय सहभागिता रही।

नपा.में अटल जयंती पर कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में साहित्य, हास्य और राष्ट्रभावना का रहा संगम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद एवं सहमत संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 27 दिसंबर, शनिवार की रात्रि एक शाम अटल के नाम का भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम देर रात तक चला, जिसमें जिले सहित बाहर से आए कवियों ने अपनी ओजस्वी, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत और भावपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अटल जी के जीवन, राजनीतिक दूरदर्शिता, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा उनके कवि व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि उनकी कविताएँ आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान कवियों ने अटल जी की रचनाओं के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित काव्य पाठ किया। श्रोताओं ने कविताओं का भरपूर आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से कवियों का उत्साहवर्धन किया। देर रात तक चले इस कवि सम्मेलन में

नगर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, साहित्य प्रेमी और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद के परिसर में आयोजित एक शाम अटल के नाम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन ने देर रात तक साहित्य, हास्य और राष्ट्रभावना से सराबोर वातावरण बना दिया। देश के विभिन्न राज्यों से पधारे ख्यातिप्राप्त कवियों ने देशभक्ति, कृष्ण भक्ति, सामाजिक सरोकारों और देश के ज्वलंत मुद्दों पर तीखे व्यंग्य बाण छोड़ते हुए श्रोताओं को हास्य और काव्य रस का भरपूर आनंद कराया। कवि सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध हास्य सम्राट जानी बैरागी ने अपनी सशक्त हास्य रचनाओं से श्रोताओं को हँसी से लोटपोट कर दिया। यह पहला अवसर था जब हास्य सम्राट जानी बैरागी बालाघाट की धरती पर पहुंचे, जिसे लेकर साहित्य प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। लपेटे में नेता जी के कवि डॉ. आदित्य जैन ने अपनी राजनीतिक व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से वर्तमान हालात पर करारा प्रहार किया। गीत सम्राट शैलेन्द्र मधुर ,प्रयागराज ने मधुर गीतों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया, नई दिल्ली से पधारी कवियत्री वेदव्रता माथुर ने अपनी संवेदनशील रचनाओं से नारी भावनाओं को स्वर दिया। कोटा से आए वीर रस के कवि परमानंद दधीच ने ओजपूर्ण रचनाओं से राष्ट्रभक्ति का संचार किया, जबकि सरल रस के कवि साहेबलाल दशरिए ने अपनी सहज और प्रभावी कविताओं से श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। कवियों की प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रोताओं की तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। कवि सम्मेलन की एक विशेष और यादगार प्रस्तुति उस समय देखने को मिली, जब नगर पालिका परिषद अध्यक्ष भारती ठाकुर स्वयं कवि के रूप में मंच पर उतरीं। उन्होंने तेरे प्यार में ये बालाघाट गीत के माध्यम से नगर के प्रति अपने प्रेम को अभिव्यक्त किया। इसके साथ ही नारी शक्ति पर आधारित पंक्तियाँ प्रस्तुत की हाथों में खड्ग जिसके, अंगों में साड़ी है, कोई और नहीं, वो तो भारत की नारी है। निश्चय अटल है जिसका, त्याग है भारी, कोई और नहीं, वो तो भारत की है नारी। ने पूरे प्रांगण को तालियों से गुंजायमान कर दिया और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच संचालन सहमत संस्था के प्रतिनिधि राजेन्द्र शुक्ल ने किया। कवि सम्मेलन में परिषद के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, साहित्य प्रेमी एवं बड़ी संख्या में सुधी श्रोतागण उपस्थित रहे । अंत में आयोजकों ने सभी कवियों, अतिथियों एवं उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त किया।

पतंग उड़ाते समय बालक मकान की छत से गिरने से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बड़ा जागपुर में एक बालक अपने मकान की छत पर पतंग उड़ाते समय, छत से नीचे गिरने से घायल हो गया। घायल बालक आराध्या पिता प्रीतमलाल पोरगढ़े 10 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आराध्य कक्षा दसवीं का छात्र है। 28 दिसंबर को सुबह आराध्या के माता-पिता घरेलू कर में व्यस्त थे। आराध्या अपने मकान की छत के ऊपर पतंग उड़ा रहा था। पतंग उड़ाते उड़ाते अचानक यह बालक मकान की छत से नीचे गिर गया। जिसके चिल्लाने पर वहीं पर खड़े उसके मामा शुभम सोनी दौड़े और बालक आराध्या को उठाये। आराध्या के सिर में चोट आने से घायल हो गया था। जिसे प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

ख्वाजा गरीब नवाज के सालाना उर्स पर निकाला गया शाही संदल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से चली आ रही परंपरा को कायम रखते हुए प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया, शहर कुतुब, हजरत हक्कू शाह बाबा चिश्ती रहमतुल्ला अलैह की दरगाह में ख्वाजा गरीब नवाज अजमेरी का 2 दिवसीय सालाना उर्स मनाया गया।जिसके तहत 2 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन दरगाह कमेटी द्वारा किए गए हैं।जहां ख्वाजा गरीब नवाज अजमेरी के उर्स मुबारक के मौके पर 26 दिसंबर को बाद नमाजे ईशा महफिल ए मिलाद शरीफ,व तकरीर का आयोजन किया गया।तो वही उर्स मुबारक के इस मौके पर नगर में शाही संदल भी निकल गया ।ख्वाजा अजमेरी की शान में नगर के बैहर चौकी से निकाला गया यह शाही संदल नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ सीधे मेन रोड स्थित हक्कू शाह बाबा दरगाह पहुंचा। जहां इस शाही संदल का समापन कर, विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। तो वही 27 दिसंबर शनिवार की रात करीब 8 बजे नगर के वार्ड नंबर 10 से एक शाही संदल निकल गया।जो रजा चौक, बैहर रोड अंजुमन शादी हॉल के सामने से होता हुआ, बैहर चौकी वहां से देवी तालाब चौक से महाराणा प्रताप चौक वहां से मेंन रोड होते हुए शास्त्री चौक वहां से मेंन मार्केट होते हुए सीधा हक्कू शाह बाबा दरबार पहुचा।जहा शाही संदल का समापन किया गया।जिसके उपरांत कुरआन ख्वानी, दरूद खानी, सामुहिक दुआ व फातिहा का आयोजन कर दरगाह परिसर में लंगर ए आम का वितरण किया गया।वहीं रात्रि 10 बजे शमा महफिल कव्वाली का आयोजन किया गया। जिसमे कव्वाल ने शहंशाह ए हिंदुस्तान ख्वाजा गरीब नवाज अजमेरी की शान में अजीमो शान कलामो की प्रस्तुति दी। इसके अगले दिन रविवार को आस्ताना ए औलिया हजरत हक्कू साहब बाबा चिश्ती रहमतुल्ला अलैह के दरबार से, अजमेर शरीफ के लिए मन्नतो की चादर अजमेर शरीफ दरगाह भेजी गई है।

अजमेर शरीफ भेजी गई, मन्नतों की चादर-सगीर अहमद कादरी

आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान दरगाह खादिम सगीर अहमद कादरी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से दरगाह शरीफ ख्वाजा गरीब नवाज अजमेरी का उर्स मनाया जा रहा है।आयोजन का 52 वा वर्ष है।इसी क्रम में इस वर्ष भी विभिन्न कार्यक्रमो के आयोजन किए गए हैं। जहां महफिले मिलाद ,तकरीर का प्रोग्राम, कुरान ख्वानी, अटूट लंगर, महफिले शमा कव्वाली का आयोजन किया गया है।अकीदतमंदों द्वारा बाबा के आस्ताने में अकीदतो के फूल और चादर पेश कर, देश मे अमन चैन शांति आपसी भाईचारे की दुवाएं की गई है।इसके बाद हक्कू शाह बाबा दरगाह से मन्नतों की चादर अजमेर दरगाह भेजी गई है।

कांग्रेसजनों ने पार्टी का मनाया 141 वां स्थापना दिवस

संगठन को मजबूत कर पार्टी हित में काम करने का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141 वें स्थापना दिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा द्वारा नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी स्थित लालबर्रा गार्डन में रविवार को कार्यक्रम आयोजित कर पार्टी का 141 वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। यह कार्यक्रम नवनियुक्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य कांग्रेसियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने नारे-बाजी करते हुए पार्टी की मजबूती और एकजुटता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसियों ने संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के 141 वर्षों के गौरवशाली इतिहास और देशहित में किये गये ऐतिहासिक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश की आजादी से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में कार्यकर्ताओं को संगठित होकर पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। चर्चा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141 वां स्थापना दिवस मनाया गया है और संगठन की शक्ति ही हमारी असली मजबूती है एवं कांग्रेस पार्टी ने देशहित में बहुत से काम किये है। इस स्थापना दिवस पर हम सभी यह संकल्प लेते है कि सभी मिलकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाये। वरिष्ठ कांग्रेसी अमीनुद्दीन हन्फी ने बताया कि देश की सबसे पुरानी एवं सर्वमान्य पार्टी कांग्रेस पार्टी है, जिसने भारत की आजादी के संघर्ष से लेकर भारत के नवनिर्माण का कार्य किया है। उस पार्टी का आज लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया है और हम अपने आप को गौरवांवित समझते है कि हम ऐसे पार्टी के सदस्य है। श्री हन्फी ने बताया कि इस पार्टी ने हजारों हजार बलिदान देने के बाद भारत की आजादी को प्राप्त की है और नवनिर्माण का जो कार्य किया है वह सराहनीय है। जिसके लिए हमारे बड़े-बड़े नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है ऐसे पार्टी को हम सभी को मजबूत करना है। इस अवसर पर सुनील अवधवाल, अमीनुद्दीन हन्फी, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी, नीतिन साखला, चैनलाल श्रीवास, श्री सोनी सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

मोहगांव ध. में 25 हजार ईनामी ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता 30 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के स्वामी विवेकानंद क्रिकेट स्टेडियम में तरंग क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में स्व. कमलानंद जी महाराज की स्मृति, नये वर्ष के आगमन, मकर संक्रांति के पावन अवसर पर 30 दिसंबर से 25 हजार रूपये ईनामी ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि स्व. कमलानंद जी महाराज की स्मृति, नये वर्ष के आगमन, मकर संक्रांति के अवसर पर 30 दिसंबर से ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का मोहगांव ध. स्थित स्वामी विवेकानंद क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 25001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 15001 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 1101 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील कार्यक्रम संचालक अमित डोंगरवार, संयोजक गुरूवेश बनकर, रजनीश नगपुरे, अध्यक्ष विशाल दमाहे, उपाध्यक्ष मनोज बनोटे, ओम राउत, कोषाध्यक्ष गिरधारी नगपुरे, रवि मेहरकर, सचिव दिनेश बागड़े, योगेश उइके, सहसचिव अंकित नगपुरे विकेश टेकाम, कोच/टीम प्रभारी राजू काका नगपुरे, मीडिया प्रभारी पूनम राउत, निराला बघेले, दुर्गाप्रसाद नगपुरे टीआई डिंडोरी, टीम सदस्य नरेन्द्र मर्सकोले, विशाल नगपुरे, सागर उइके, विक्रम बिरनवार, स्वप्निल उके,

गौरव, रवि उपवंशी, कैलास, धनश्याम, शिव नगपुरे, नितेश, धर्मेन्द, विजय, धीरज नगपुरे, प्रहलाद, सागर, लोमेश, धीरज, श्रीमती हिरकन नगपुरे सरपंच, रूपलाल नगपुरे उपसरपंच, परसराम पटले, पवन नगपुरे, धनेन्द्र नगपुरे, फकीरचंद नगपुरे, हेमन्त नगपुरे, महेन्द्र लिल्हारे, गोपाल दमाहे, हरिचंद लिल्हारे, बिरजलाल नगपुरे, खोजन बसेना, अंतराम दशरिये, रौशन बरकडे, राधिका नगपुरे, राधिका बाहेश्वर, अनीता नगपुरे, पूर्वन्ता बनकर, कल्पना चौहान, राजेश्वरी दमाहे, कोमेश्वरी दशरिये, दयबन इनवाती, सोनम टरंडे, देबला बावने, नरेन्द्र नगपुरे, सुमित बनकर, संरक्षक लक्ष्मीनारायण बिरनवार, विनोद नगपुरे, भवन नगपुरे, आशा बसेने, सुनील जायसवाल, दीपक बिरनवार, फागू हिवारे, अरविंद मर्सकोले, विवेक आचार्य, ईशुलाल दमाहे, भगवन नगपुरे, अजब चाचा सहित अन्य संरक्षक एवंग्रामीणजनों ने की है।

सांदीपनी स्कूल में राज्य स्तरीय जे-केट एवं एस-केट परीक्षा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल में साइंस सर्किल म.प्र. के तत्वाधान में 28 दिसंबर को राज्य स्तरीय कनिष्ठ एवं वरिष्ठ संयुक्त आकलन (जी-केट, एस केट) परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चली। इस परीक्षा में कक्षा कक्षा 8 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ शामिल होकर पर्चा हल किये। आयोजित परीक्षा में कुल पंजीकृत 175 विद्यार्थियों में से 167 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। साइंस सर्किल द्वारा आयोजित इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आईआईटी, जेईई और नीट परीक्षा के पैटर्न से अवगत करवाना है। जिसमें कनिष्ठ वर्ग (जे-केट) में कक्षा 8 वीं से 10 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नपत्र फाउंडेशन कोर्स और राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई) पर आधारित पर प्रश्न पूछे गये थे। वहीं वरिष्ठ वर्ग (एस-केट) में कक्षा 11 वीं और 12 वीं के छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा का स्वरूप पूर्णत: जेईई (गणित संकाय) एवं नीट (जीव विज्ञान संकाय) की तर्ज पर रखा गया था। इस तरह से आईआईटी, जेईई, नीट संबंधित कोर्स से प्रश्न पुछे गये थे ताकि विद्यार्थी उक्त परीक्षा की तैयारी के पूर्व वे प्रश्नों का आकलन कर सके और विद्यार्थी भविष्य में स्कूली शिक्षा के पश्चात देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश हेतु अपनी रणनीति तैयार कर सकेंगे। वहीं साइंस सर्किल द्वारा आयोजित इस परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुरस्कार भी दिया जायेगा। चर्चा में साइंस

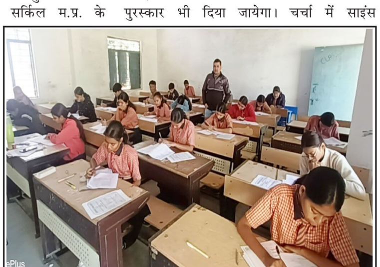

सर्किल म.प्र. के पदाधिकारियों ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल उनके वर्तमान शैक्षणिक स्तर का आकलन करने में मदद मिलेगी, बल्कि उन्हें जिला एवं राज्य स्तर पर अपनी रैंक जानने का अवसर भी प्राप्त होगा। इससे विद्यार्थी भविष्य में स्कूली शिक्षा के पश्चात देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश हेतु अपनी रणनीति तैयार कर सकेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर्स विद्यार्थियों को पुरस्कार भी दिया जायेगा।

पनबिहरी ब्रम्हाकुमारी सेवा केन्द्र में मनाई गई स्व. ओमप्रकाश भाई एवं स्व. कमला दीदी की पुण्यतिथि

ब्रम्हा-भोजन एवं अन्य कार्यक्रमों का हुआ आयोजन, आध्यात्मिक और सत्य के मार्ग पर चलने का किया आव्हान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में रविवार को प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय इंदौर जोन के निर्देशक स्व. ओमप्रकाश भाई की 10 वीं एवं स्व. कमला दीदी की 3 री पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय बालाघाट की माधुरी दीदी, तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले, डॉ. अरूण लानगे सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय इंदौर जोन के निर्देशक स्व. ओमप्रकाश भाई एवं स्व. कमला दीदी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित एवं माल्यार्पण कर पुण्यात्माओं को अपनी भावभीनी श्रध्दांजली अर्पित की। तत्पश्चात विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसके बाद ब्रम्हा भोजन और आध्यात्मिक पर चर्चा कर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय इंदौर जोन के निर्देशक स्व. ओमप्रकाश भाई एवं स्व. कमला दीदी के जीवनगाथाओं के बारे में उपस्थितजनों को विस्तार से बताया गया और कहा कि इन्होने परमात्मा परमेश्वर की भक्ति में लीन होकर सभी को आध्यात्मिकता से जुड़ने, शांति एवं सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया है। उन्ही के बताये मार्ग पर चलकर स्वस्थ जीवन एवं सत्य के बारे में चलने की बात कही गई। जिसके बाद ब्रम्हा भोजन का आयोजन किया गया और उपस्थितजनों ने ब्रम्हा भोजन ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय इंदौर जोन के निर्देशक स्व. ओमप्रकाश भाई एवं स्व. कमला दीदी की दिवंगत आत्माओं के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें याद किया और कहा कि महान विभूतियों की पुण्यतिथि हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की याद दिलाती है। वहीं प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी सेवा केन्द्र के पदाधिकारियों ने उपस्थित भाई-बहनों को संबोधित करते हुए सभी को परमात्मा शिव के बताये मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। साथ ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को आध्यात्मिक जीवन जीने और सत्य के मार्ग पर अग्रसर रहने के लिए प्रोत्साहित करना था। जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ने कहा कि हम सभी लोग विभिन्न समूह में बैठकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास करते हैं। समाज को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास करते हैं और इस कार्य में हम लोग अपना जीवन दान, समय दान करके जनहित में यह काम कर रहे हैं जो अतुलनीय है। प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बालाघाट की माधुरी दीदी ने बताया कि प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय इंदौर जोन के निर्देशक स्व. ओमप्रकाश भाई की 10 वीं एवं स्व. कमला दीदी की 3 री पुण्यतिथि मनाई गई है। साथ ही ब्रम्हा भोजन का आयोजन भी किया है एवं सभी की उन्नति के लिए प्रार्थना की गई। आगे दीदी ने बताया कि जनवरी माह 2026 में संस्था के संस्थापक ब्रम्हा बाबा के व्यक्तिमास शुरू हो रहा है, डेढ़ माह तक बहुत सुन्दर आध्यात्मिक मार्ग को और अग्रसर करें उसके बारे में सुझाव भी दिये गये है। साथ ही यह भी बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से यही संदेश देना चाहते है कि सभी का आध्यात्मिक मार्ग बहुत सुन्दर, सरल, सुगम और आगे बढ़ता रहे, सभी के जीवन में, परिवार, समाज में शांति हो, खुशी हो, सभी स्वस्थ रहे और परमपिता परमेश्वर के बताये मार्ग पर चले। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र पनबिहरी की दीदी, भाई सहित क्षेत्रीयजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

घोटी में सहकारी किसान सम्मेलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सहकारिता और तकनीकी नवाचार पर हुई चर्चा, किसानों को मिली नवीन योजनाओं की जानकारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में लालबर्रा मुख्यालय से 6 कि.मी. दूर स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित घोटी के परिसर में शनिवार को एक विशाल सहकारी किसान सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम झामसिंह नागेश्वर (सभापति सहकारिता एवं उद्योग समिति जिला पंचायत बालाघाट) के मुख्य आतिथ्य एवं डुलेन्द्र ठाकरे (सभापति जैव विविधता समिति, जिला पंचायत बालाघाट) की अध्यक्षता एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित सहकारी किसान सम्मेलन कार्यक्रम में सहकारिता विभाग और विभिन्न विशेषज्ञों ने किसानों के हित में चल रही योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए शासन की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों के बारे में विस्तार से बताता और लाभ लेने प्रेरित किया।

सहकारी अंकेक्षक राकेश उईके ने बहुउद्देशीय समितियों के कार्यों जैसे जन औषधि केंद्र, पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, आटा चक्की और नवीन समितियों के गठन के लाभों के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। वहीं इफको प्रतिनिधि रत्नेश शुक्ला ने नैनो यूरिया, नैनो डी.ए.पी., सागरिका और सल्फर बेंटोनाइट जैसे आधुनिक उत्पादों की उपयोगिता बताई और दुर्घटना बीमा के बारे में किसानों को अवगत करवाया। पशु चिकित्सा अधिकारी श्रीमती निलिमा मेश्राम ने पशुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने सहकारिता विभाग को ग्रामीण विकास की रीढ़ बताया और कहा कि सहकारिता के माध्यम से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है एवं शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण भी मिलता है इसलिए किसान शासन की योजनाओं का लाभ ले। जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि सहकारी समितियों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर 3 लाख रूपये तक का ऋण वितरण किया जा रहा है। साथ ही थ्रेशर, रोटावेटर, कल्टीवेटर और धान काटने की मशीन जैसे कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। साथ ही यह भी बताया कि किसान सम्मेलन में किसानों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना और फसल बीमा योजना के महत्व से अवगत करवाया गया है और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले नि:शुल्क राशन (चावल-गेहूं) और मत्स्य पालन ऋण वितरण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन नेवरगांव ला प्रबंधक एमपी ठाकरे ने किया। इस अवसर पर जनपद सदस्य गुलेन्द्र भगत कृषि समिति सभापति, अरूण गौतम, तिरथसिंह बिसेन सरपंच, मनीराम भोयर, गनपतराव तितरमारे, मानिकराम चौधरी, झनकारसिंह उइके, हरिचंद पटले, सतोष बघेल, कृष्णकुमार पंचेश्वर, हिरदेश्वर ढांडे, रामदेव साकुरे, रंगलाल लिल्हारे, ओमप्रकाश नगपुरे, भवनलाल नगपुरे, गोपाल जैतवार, कल्पित पारधी, मदनलाल बोरकर, प्रकाश देशमुख, युगलकिशोर चारमोड़े, मोहनलाल गौतम, हरिप्रसाद वाघाड़े, अतुलराय प्रशासक, एवं अकेक्षक, श्रीमती अरूणा मर्सकोले सहकारिता विस्तार अधिकारी, राजकुमार काकोड़िया, गोपाल लानगे, बीएल ठाकरे, एमआर गोंदुड़े, सुभाष बोपचे, नरेन्द्र बोपचे, श्रीराम सार्वे, दिनेश बोपचे, सतीष साहू, लक्सीमन चौधरी, दुर्गाप्रसाद घोटीवार, मनोहर लांजेवार, आरएल एड़े, बीसी कटरे, सेवकराम दमाहे सहित किसानगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गर्रा के स्थाई पुलिस पटेल लालन पारधी का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गर्रा के स्थाई पुलिस पटेल 99 वर्षीय

लालन पारधी का 28 दिसंबर को प्रात: 5.30 बजे हृद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार दोपहर में वैनगंगा घाट स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्रा के स्थाई पुलिस पटेल लालन पारधी अस्वस्थ थे, 28 दिसंबर को प्रात: 5.30 बजे अचानक तबियत खराब होने एवं हृद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते की चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. लालन पारधी जी सहज, सरल, स्वभाव, अनुशासित जीवन व सभी के प्रति स्नेह रखने वाले तथा मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। अपने पीछे पुत्र गोवर्धन पारधी, नाती अंकु पारधी, योगेश पारधी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। स्व. लालन पारधी का अंतिम संस्कार वैनगंगा नदी घाट मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

सड़क किनारे लगा झाड़ियों का अंबार राहगीर परेशान

मार्ग पर दुर्घटना की संभावनाओं को समाप्त करने राहगीरो ने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी रामपायली मार्ग पर स्थित बड़ी नहर से शिवधाम पहुंच मार्ग किनारे बड़ी संख्या में झाड़ियां पनप गई है। जहां राहगीरों को झाड़ियों के कारण चोटिल होना पड़ रहा है तो वहीं दुर्घटना की भी संभावना बनी हुई है। जिसको लेकर लंबे समय से राहगीर एवं वार्डवासियों के द्वारा साफ सफ ई कर व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है। किंतु वर्तमान तक उक्त झाड़ियों की सफाई करने में कोई उत्सुकता नहीं दिखाई गई है जिससे स्थिति यथावत बनी हुई है जहां लोग परेशान होकर आवागमन कर रहे हैं। जबकि वर्तमान में यह मार्ग अति आवश्यक बना हुआ है जहां व्यवस्था बनाये जाने की मांग रहागीरों के द्वारा की जा रही है।

एक तरफझाड़ी दूसरे तरफगड्ढा परेशानी बरकरार

नगर के वार्ड नंबर ३ होते हुए एक मार्ग शिवधाम मोहल्ले के वार्ड नंबर १९ एवं २० को जोड़ता है। यह मार्ग नगर के मध्य से गुजरने वाली ढूटी नहर के किनारे से बना हुआ है। जिसकी चौड़ाई करीब १० फिट है जिसमें कुछ दूरी तक तो सड़क के एक तरफमकान और दूसरे तरफ नहर की पार बनी हुई है। परंतु कुछ दूरी बाद यह सड़क के एक तरफ नहर की पार पर असंख्य झाड़ियां पनप गई है तो वहीं सड़क के दूसरी तरफ खाली भूमि है जो सड़क से काफी नीचे है। ऐसे में मार्ग और ज्यादा सकरा हो गया है आवागमन करने में लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में वारासिवनी बालाघाट मार्ग का यातायात शिवधाम मार्ग पर डायवर्ट होने से इस मार्ग पर भी यातायात बहुत बढ़ गया है। लोग सीधे इस मार्ग के माध्यम से शिवधाम निकलते हैं जहां से छोटे.बड़े सभी प्रकार के वाहन आना जाना कर रहे हैं। तो वहीं बड़ी संख्या में विद्यार्थी इस मार्ग का उपयोग सुरक्षित आवागमन के रूप में करते हैं। जहां पर एक तरफ झाड़ियां समस्या बनी हुई है तो दूसरे तरफ तीन से पांच फ ीट गहरी खाई है। ऐसे में पिकअप ट्रैक्टर जाने पर दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है यदि रास्ते में बीच में कोई फस जाता है तो उसे काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ता है। तो वहीं बड़े वाहन को आता देख दोनों छोर पर छोटे वाहन को रुकना पड़ता है। मार्ग पर जब दो मोटरसाइकिल एक दूसरे को क्रॉस करती है तो इस दौरान कई बार झाड़ियां वाहन चालकों के आंखों में शरीर के विभिन्न स्थानों पर लगती है। जिससे वह चोटिल होने के साथ झाड़ियों पर लटकी धूल से उनके कपड़े भी खराब हो जाते हैं।

झाड़ियों से होने से एक्सीडेंट की संभावना बनी रहती है-विजय

राहगीर विजय पटेल ने बताया कि मदनपुर से वारासिवनी मार्ग है इसमें कैलाश नगर से शिवधाम को जोड़ने वाले मार्ग तक जो वार्ड नंबर ३ में आता है। यहां पर आवागमन बहुत ज्यादा बढ़ गया है इस मार्ग पर अत्यधिक झाड़ियां हैं गाड़ियों के आने जाने से मार्ग भी अवरुद्ध होता है। रोड़ में एक तरफ खाली जमीन है जहां गहरा गड्ढा है तो वही दो गाड़ियां क्रॉस नहीं हो पाती है एक्सीडेंट की संभावना बनी रहती है। झाड़ियां बहुत ज्यादा दिक्कत करती है गाड़ी चलाते समय अचानक यह लग जाती है इसका समाधान होना चाहिए। चाहे नगर पालिका नहर या ग्राम पंचायत कोई भी करें झाड़ियां यहां से हटाई जायें।

झाडियों की साफ सफाई कर साइड के गड्ढे भरने चाहिए-भूपेंद्र

नगरवासी भूपेंद्र बारेकर ने बताया कि मैं वार्ड नंबर एक रहता हूं यहां से काम के लिए प्रतिदिन आना जाना होता रहता है। नगर की बड़ी नहर के किनारे यह मार्ग है जो शिवधाम निकलता है यहां से आते जाते हैं तो झाड़ियां बहुत ज्यादा दिक्कत करती है। कई बार चेहरे पर और हाथ पैर में लग जाती है रात में गाडियों का प्रकाश भी अवरोध होता है आगे से आने वाला समझ नहीं आ पाता है। एक साइड लंबा गड्ढा बना हुआ है १० फीट चौड़ी है सड़क है परंतु आवागमन मुश्किल हो गया है। शिवधाम डायवर्ट होने से यहां यातायात भी बढ़ गया है, इस मार्ग पर व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। झाडियों की साफ सफाई होनी चाहिए और साइड के गड्ढे भरने चाहिए ताकि आवागमन बेहतर हो।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि मौका निरीक्षण किया जाएगा यदि इस प्रकार की स्थिति है तो तत्काल झाडियां कटवाने का कार्य किया जाएगा ताकि समस्या का समाधान हो सके।

सूर्यप्रकाश उके मुख्य नगर पालिका अधिकारी वारासिवनी

३१ जनवरी से अंतर्राज्यीय देवधर क्रिकेट प्रतियोगिता का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। महाकौशल की सबसे बडी अतंर्राज्यींय देवधर क्रिकेट ट्राफी का आयोजन ३१ जनवरी से किया जा रहा हैं। देवधर मैदान में सरंक्षक प्रदीप जायसवाल ने बैठक कर मिडिया को बताया कि इस वर्ष से देवधर के स्वरूप को विस्तृत करते हुये राष्टीय टीमो को भी आमंत्रित किया जा रहा है। श्री जायसवाल ने बताया कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ, विदर्भ सहित अन्य राज्यों की टीमों के द्वारा किकेट के जौहर वारासिवनी के प्रसिद्व मैदान में दिखाये जायेंगे। ३१ जनवरी से १२ फरवरी तक आयोजित प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, भूसावल, अमरावती, बिलासपुर, जबलपुर, नागपुर सहित दस से अधिक टीमो का आगमन हो रहा है। इन टीमो में राष्ट्रीय खिलाडीयों के खेल को देखकर जिले के युवा और नवोदित खिलाडी अपने खेल के स्तर में सुधार करेंगे। देवधर क्रिकेट टीम के कप्तान राजा चौरसिया ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार १ लाख ७१ हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार १ लाख २१ हजार रूपये एवं अन्य आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जायेंगें। वही देश की प्रसिद्व किक्रेट टीमो के शामिल होने के कारण पीच को भी व्ही मेटिंग से सुज्जित किया जा रहा है। खिलाडियों की मांग पर महानगरो से मेटिंग बुलायी जा रही है। जिससे तेज गति और स्पिनर दोनो विधाओं के खिलाडीयों को प्रदर्शन में लाभ मिलेगा। बैठक में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,पंकज वर्मा, राजा चौरसिया ,संतोष आडे, अमित येरपूडे, शैलेन्द्र तिवारी, मोहन वर्मा,धन्नू सोनेकर,मोनू लिमजे, कुलदीप डहरवाल, चित्रेस बिसेन, अनिल कांबली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खैरलांजी में आद्विक मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी में आद्विक मैराथन दौड़ प्रतियोगियों का आयोजन किया गया। जिसमें युवक, युवती वर्ग के दोनों ही प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विधायक विवेक पटेल मौजूद रहे जिन्होंने हरि झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ को रवाना किया गया। दौड़ प्रतियोगिता का प्रारंभ खैरलांजी चौक से किया गया जो नवेगांव, राघोटोला,खुर्शीपार होते हुए दस किलोमीटर की दौड़ पूरी कर खैरलांजी पहुंची। जिन्हें युवक युवती और वर्ग में प्रथम,द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विधायक विवेक पटेल के हस्ते प्रमाण पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद लिल्हारे,अभिषेक अग्रवाल, देवराज भोयर, नरेंद्र राहंगडाले, शहजलाल उपवंशी,पलाश बिसेन,शैलेन्द्र यादव, राजू ठकरेले,ओमप्रकाश दमाहे,शेरा सुलकिया,भारतसिंह शिवहरे,योगेश सुलकिया,सूरज नगपुरे,कैलाश पटले, राजकुमार लिल्हारे, प्रकाश उईके,राजीव ठकरेले, सुभाष क्षीरसागर, ज्ञानी लिल्हारे, मानसिंह बहेटवार,जितेंद्र चित्रिव,मन्नू रामटेके सहित सामाजिकगण मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि खेल कोई भी हो खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा मिले। मैं हमेशा प्रयास करता हुं मैं खुद रोज बैडमिंटल खेलता हुं और हर व्यक्ति को खेल खेलने प्रेरित करता हुं खेल खेलने से मनुष्य का शरीर स्वस्थ रहता है। हमारे क्षेत्र के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे है, कई खिलाड़ी शासकीय नौकरी कर रहे है जो व्यक्ति पड़ेगा। वहीं अपने जीवन में आगे बढ़ता है यह मैराथन की दौड़ कोरोना काल के पहले शुरू हुआ था । कोरोना काल भी इस मैराथन दौड़ को रोक नहीं पाया। दौड़ेगा इंडिया तो जीतेगा इंडिया खैरलांजी में खेल स्टेडियम नहीं है मैं खुद खेल मंत्री विश्वास सारंग से खैरलांजी में स्टेडियम बनवाने को लेकर मुलाकात किया था । उन्होंने ही हर तहसील में खेल स्टेडियम बनने की घोषणा किया हैं बहुत जल्द यह कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा। आगे बढ़ने के बहुत से उपाय है जिसने अपने जीवन में सोच लिया मुझे आगे बढ़ना है तो वह व्यक्ति कभी पीछे नहीं हटता अपने जीवन में जरूर आगे बढ़ता है।

सेंट विद्यासागर कान्वेंट स्कूल में वार्षिक उत्सव संपन्न

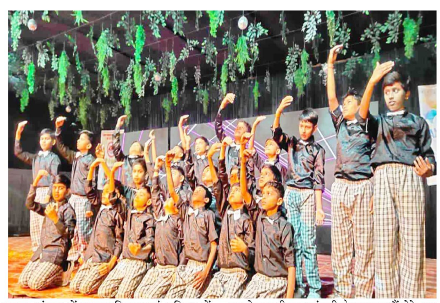

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सेंट विद्यासागर कान्वेंट स्कूल में २६ वां वार्षिक उत्सव बड़े ही धूम.धाम के साथ मनाया गया। संस्कृति से संस्कार तक कल, आज और कल थीम पर विद्यालय के प्रतिभावान छात्र छात्राओं ने अपनी शानदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ अर्चना लोकरे ,विशिष्ट अतिथि श्रीमती उमादेवी रूसिया,विशेष अतिथि डॉ व्ही के चौधरी,डॉ. भारती सुराना ,श्रीमती सुनीता मॉडल,गोपाल खंडेलवाल, श्रीमती स्नेहदीप जैन, श्रीमती गिरजा करण ,श्रीमती साधना माडल, श्रीमती आभा रुसिया, श्रीमती उमा अले,सुभाष रुसिया, प्रदीप जैन,श्रीमति किरण चौधरी उपस्थित रहे । पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं विधायक विवेक पटेल ने भी कार्यक्रम को ऊँचाइयों तक पहुंचाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने अपने उद्बोधन में विद्यालय के आरंभ से लेकर वर्तमान सफर को बड़े ही सहज अंदाज में प्रस्तुत किया एवं भविष्य में सहयोग की बात कही। सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्र छात्राओं के द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम चंद्रजी के सम्मान मैं मेरे घर राम आए हैं, श्रीराम भक्त हनुमान जी के सम्मान में कीजो केसरी के लाल इसके उपरांत गणेश वंदना,सरस्वती वंदना छत्तीसगढ़ी, बिहू, लावनी, पंजाबी गोंडी, रोबोट, कथक भरतनाट्यम, शिव तांडव, संभाजी महाराज एवं देशभक्ति की भावना की धुन पर अपनी धमाकेदार प्रस्तुति के साथ.साथ ऑनेस्टी एवं कृतज्ञता पर डॉक्यूमेंट्री नाटक की शानदार प्रस्तुति की । कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन दृष्टि बावने, नमन गौतम, प्रेजल पटले, वैशाली डायरे रुचि बिसेन,अजल्का शेख, मौली कनौने,जानवी पटले,प्रिंसी चौधरी,रीत आशापुरे,एंजेल सिंह जेवार, मनस्वी बिसेन के साथ.साथ सुश्री दीक्षा राहंगडाले ,उसमान खान ने शायरी से भरपूर आपने ओजस्वी अंदाज में श्रोताओं का दिल जीत लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य प्राचार्य ए पी नंदा,बी के जैवार , श्रीमती सुजाता जैवार,श्रीमती मोनिका बिसेन , श्रीमती नजहत खान,श्रीमती रेनु अरोरा,श्रीमती रीता पटले ,नृत्य प्रशिक्षक शुभम एवं नेहा का सहयोग सराहनीय रहा।

धरना आंदोलन में 31 सौ रूपये धान और 20 हजार रूपये बोनस की मांग

आरंभा में किसानो का धरना आंदोलन संपन्न

पद्मेश न्यूज। आरंभा। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत आरंभा के बाजार चौक में किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में किसानों के द्वारा धरना आंदोलन का आयोजन किया गया। यह आंदोलन किसान गर्जना जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे,जनपद उपाध्यक्ष खैरलांजी दुर्गाप्रसाद लिल्हारे सहित बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें बाजार चौक में धरना आंदोलन कर सरकार की नीति और नियत को लेकर जमकर आक्रोश व्यक्त करते हुए किसानों के साथ की वादा खिलाफी को लेकर सरकार का विरोध किया गया। जहां कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम १० सूत्रीय समस्याओं का ज्ञापन खैरलांजी नायब तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों के द्वारा मांग की गई है कि खैरलांजी, वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत सभी ग्रामों के हेंडपंपों को तत्काल सुधारा जावें। ग्राम घोटी पठानटोला ,सावरी टोला के बीच चंदन नदी पर स्टाप डेम बनाया जावें। क्षेत्र में हुई लगातार बारिश एवं किट व्याधि के प्रकोप से बर्बाद धान फ सल को देखते हुये खैरलांजी क्षेत्र को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर किसानों को फ सल का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फ सल बिमा का लाभ दिया जावे। सरकार अपने चुनावी वादे अनुसार किसानों की धान ३१००रु. प्रति क्वींटल खरीदे। किसानों की दशा सुधार हेतू सरकार किसानों को २० हजार रु. प्रति हेक्टेयर बोनस देवे। खरिफ सत्र २०२५-२६ की फसल बर्बादी को ध्यान में रखते हुये किसानों का खरिफ ऋण माफ किया जावे। ग्राम घोटी में हायर सेकेन्डरी स्कुल खोला जावे। आरंभा उपस्वास्थ्य केंद्र में महिला एवं पुरुष डाक्टरों को तत्काल पदस्थ किया जावे। क्षेत्र अंतर्गत सभी स्कुलों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर शिक्षकों की पदस्थापना की जावें। ६० वर्ष से अधिक उर्म वाली सभी महिलाओं को लाडली बहना योजना का लाभ दिया जावे। उपरोक्त मांगों को गंभीरता से लेते हुये किसान हित में अतिशिघ्र उचीत कदम उठाये जायें।

सरकार किसानों के साथ छल कर अपने वादे को पूरा नहीं कर रही है-रामकुमार

किसान गर्जना संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहा कि विधानसभा चुनाव में सरकार के द्वारा किसानों को प्रलोभन दिया गया जिसका परिणाम है की भारी बहुमत से सरकार बनी। इसके बाद सरकार किसानों के साथ छल कर रही है अपने वादे को पूरा नहीं कर रही है। वहीं बीते दिनों अतिवृष्टि में किसानों की फसल बर्बाद हुई है उसका भी बराबर मुआवजा किसानों को नहीं दिया जा रहा है और ना ही कोई कार्यवाही समझ आ रही है। वर्तमान में किसान भारी मेहनत कर अपनी फसल उगा रहा है जहां बराबर पानी का पैसा नहर वाले ले रहे हैं,परंतु पानी नाम मात्र भी नहीं दे पा रहे हैं उस पर भी सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। किसान अपनी उपज का मूल्य का निर्धारण नहीं कर रहा है जबकि कोई उद्योगपति अपनी वस्तु का स्वयं मूल्य डिसाइड करता है परंतु हमें वह भी अधिकार नहीं है। सरकार के द्वारा लगातार किसानों का शोषण किया जा रहा है यहां तक की ग्रामीण क्षेत्रों में जो मूलभूत सुविधा है शिक्षा चिकित्सा वह भी गुणवत्ता पूर्वक उपलब्ध नहीं कराई जा रही है हर तरफ से आम इंसान और किसान परेशान है। इस अवसर पर किसान गर्जना संगठन जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे, दुर्गाप्रसाद लिल्हारे, भारतसिंह शिवहरे,अजबसिंह कृपगये, जगमोहन अटराहे, डेविड सेलोकर,ध्वजप्रसाद आडे,चित्रसेन लिल्हारे,अशोक लिल्हारे, जीतलाल बसेने,महेन्द्र जैतवार,ओमप्रकाश बिसेन,खुमेन्द्रसिंह भगत, मुकेश दमाहे,राजेन्द्र नगपुरे,साहेबलाल नगपुरे सहित अन्य किसान भाई मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का युवा सम्मेलन संपन्न

राष्ट्र निर्माण में युवाओं को सहयोग देने किया प्रेरित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में विकासखंड स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि कृषि वैज्ञानिक डॉ शरद बिसेन ,विभाग कार्यवाह सिवनी अशोक बघेल ,जिला कार्यवाह बालाघाट राम ठाकरे ,संयोजक युवा सम्मेलन प्रखर सिंघई की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। इसमें सर्वप्रथम भगवा ध्वज का ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात महापुरुषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात विभिन्न खेल गतिविधि एवं सामाजिक चिंतन का आयोजन कर युवाओं को प्रेषित कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ऑनलाइन गेमिंग की जगह शारीरिक बौद्धिक खेल गतिविधियों के लिये किया प्रेरित

युवा सम्मेलन के प्रारंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा १५ वर्ष से ३५ वर्ष के उपस्थित युवाओं के साथ खेल गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें बौद्धिक एवं शारीरिक विकास से संबंधित खेल जैसे कबड्डी खो खो व अन्य खेल खेले गए। जिसमें उपस्थित युवाओं के द्वारा अपनी भागीदारी देकर समूह में यह खेल खेला गया। जहां उनके द्वारा अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग की जगह शारीरिक और मानसिक विकास के लिए मैदान में खेले जाने वाले खेल खेलने के लिए प्रेरित किया गया। साथ हीं किस प्रकार यह फायदेमंद आपके लिए हो सकते हैं यह बताया गया कि इस प्रकार के खेल खेलने से टीम भावना आपसी संपर्क एवं शारीरिक मानसिक बौद्धिक सभी प्रकार से व्यक्ति का विकास होता है।

संघ की गतिविधि और राष्ट्र निर्माण की दी जानकारी

युवा सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का चिंतन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किस प्रकार से काम करता है। कहां काम करता है वही १०० वर्ष की यात्रा के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। तो वही वर्तमान में जिले राज्य और राष्ट्र की स्थिति के बारे में बताया कि किस प्रकार से हर क्षेत्र में विभिन्न कार्य चल रहे हैं। ऐसे में भारत एक युवा देश है जहां सर्वाधिक युवाओं की आबादी है यह युवा वर्ग किस प्रकार से राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग देकर स्वयं का एवं राष्ट्र का निर्माण कर सकता है इस बारे में जानकारी दी गयी।

संघ के शताब्दी वर्ष में राष्ट्र निर्माण राष्ट्र की नीति पर्यावरण,भारत निर्माण का परिचय दिया जा रहा है-प्रखर

संयोजक प्रखर सिंघई ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को १०० वर्ष पूर्ण हो गए हैं १९२५ से २०२५ में यह शताब्दी वर्ष चल रहा है। इसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं जिसके तहत युवा सम्मेलन युवाओं के लिए रखा गया था। इसमें १५ से ३५ वर्ष के युवा एवं व्यवसाय सहित गणमान्य नागरिक शामिल हुए हैं। संघ के शताब्दी वर्ष में राष्ट्र निर्माण राष्ट्र की नीति पर्यावरण एवं भारत निर्माण का परिचय दिया जा रहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक क्या करता है कैसे करता है। इसमें १५ विद्यालय के २५० विद्यार्थी नगर के व्यवसायी और गणमान्य नागरिक आए हैं। कार्यक्रम में सुबह खेल गतिविधि में बौद्धिक एवं शारीरिक खेल आयोजित कर उसके लाभ बताए गए। फिर राष्ट्र की चर्चा कर बताया कि आज की आवश्यकता क्या है किसका योगदान रहा है और बौद्धिक के बाद प्रार्थना कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

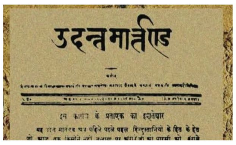

सद्भाव का तकाजा और सौहार्द को नुकसान

दुनिया भर में भारत को विविधताओं से भरी सांस्कृतिक छवियों वाले एक ऐसे देश के रूप में देखा जाना जाता है, जहां अलग-अलग धर्मों के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहते और एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होते आए हैं। मगर हाल के वर्षों में कुछ खास त्योहारों के ठीक पहले जिस तरह द्वेष का माहौल पैदा करने की कोशिश की जाने लगी है, वह न केवल देश में सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है, बल्कि मानवीय तकाजों के भी विरुद्ध है। क्रिसमस को ईसाई धर्म से जुड़े लोगों का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसमें आमतौर पर देश में सभी धर्मों के लोग उत्साह के साथ शामिल होते रहे हैं। विडंबना यह है कि अब कुछ असामाजिक तत्त्व क्रिसमस के मौके पर देश के ईसाई समुदाय के लोगों को निशाना बनाने लगे हैं और इसका सीधा नुकसान देश की छवि को हो रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष फिर क्रिसमस के मौके पर छत्तीसगढ़ और असम सहित कुछ राज्यों में ईसाई समुदाय के प्रार्थना स्थलों और अन्य जगहों पर दक्षिणपंथी समूहों ने हमला किया और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ मचाई। सवाल है कि वे कौन लोग हैं, जो सद्भाव के माहौल में नफरत घोलना चाहते हैं और उन्हें देश के अल्पसंख्यक या अन्य समुदायों के पर्व-त्योहार से परेशानी होने लगी है। क्या मानवीयता के मूल्यों को अपनी आस्था का सबसे अहम पक्ष मानने वाला कोई भी व्यक्ति किसी अन्य समुदाय के त्योहार से इस कदर दुश्मनी रख सकता है? सद्भाव या सौहार्द के साथ किसी धार्मिक उत्सव को मनाए जाने से किसे दिक्कत हो सकती है? केवल निराधार आरोपों का हवाला देकर किसी ऐसे त्योहार पर अराजकता फैलाने का क्या मकसद हो सकता है, जिसमें देश के सभी धर्मों के लोग या तो सहज रहते हैं या फिर उसमें शामिल होते हैं? कथित धर्म परिवर्तन के आरोप अगर लगाए भी जाते हैं, तो इस मसले पर सरकार और प्रशासन अपना काम करेंगे या कुछ अराजक और असामाजिक तत्त्वों को अपनी ओर से हिंसा करने की छूट मिल जाती है? किसी समुदाय के भीतर डर पैदा करके किस तरह से धर्म की सेवा की जा सकती है?

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी भी बहाने से अन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ हिंसा करना या तोड़फोड़ मचाना वास्तव में अपने ही देश की सांस्कृतिक छवि को नकारात्मक बनाना है। अगर इस तरह की प्रवृत्तियों को तुरंत नहीं रोका गया, तो इससे आपसी सद्भाव का माहौल बिगड़ने की आशंका पैदा होगी। इतना तय है कि देश के संविधान का सम्मान करने वाली सरकारें और ज्यादातर संवेदनशील लोग धर्म के नाम पर टकराव तथा तनाव पैदा करने की कोशिशों का समर्थन नहीं करते। यही वजह है कि कई जगहों पर क्रिसमस पर उत्पात मचाने वालों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किसी भी पर्व-त्योहार के मौके पर सांप्रदायिकता फैलाने वाले तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। विचित्र यह भी है कि क्रिसमस के मौके पर एक ओर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईसाई समुदाय के साथ मेलजोल, शांति और सद्भाव का संदेश दे रहे थे, तो दूसरी ओर कुछ असामाजिक तत्त्व तोड़फोड़ और अराजकता फैलाने में लगे थे। देश में सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों के अवसर पर सौहार्द तथा सद्भाव की जो परंपरा रही है, उसे बचाने और मजबूत करने के लिए सरकार और समाज को एक बार फिर ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

2025 के अंत में हम स्मॉग इकनॉमी के जन्म को देख रहे हैं, जहां सांस लेने लायक हवा एक विशेष उत्पाद बन गई है, जो उन्हीं को मिलती है, जो इसके लिए भुगतान कर सकते हैं। साल के अंतिम कुछ दिन चेताते हैं कि कड़े निर्णय लेने का वक्त अब आ गया है।

क्या कह रहे हैं साल के आखिरी कुछ दिन

दशकों से भारतीयों का सपना 'बड़े शहरों' के जबर्दस्त आकर्षण से जुड़ा रहा है-गुरुग्राम की ऊंची इमारतों का सपना, मुंबई की आर्थिक धड़कन, या बंगलूरू के टेक्नोलॉजी हब का आकर्षण। हाल तक घर के आकार व वेतन से सफलता को मापा जाता था। पर जैसे-जैसे 2025 खत्म होने वाला है, नया रुझान सामने आ रहा है।

भारत में एक बड़ा सामाजिक बदलाव दिख रहा है, जिसे ऑक्सीजन माइग्रेशन कहा जा रहा है, यानी लोग अब साफ हवा की तलाश में बड़े शहरों को छोड़ रहे हैं। अब सपना पैसे कमाने या बड़ा घर पाने से ज्यादा, साफ हवा में सांस लेने की क्षमता के इर्द-गिर्द घूम रहा है। पहले यात्रा आमतौर पर स्कूल की छुट्टियों या त्योहारों के दौरान साल के कुछ खास महीनों में ही होती थी। पर आज परिस्थितियों के अनुसार यात्राएं हो रही हैं। जैसे ही दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर (एक्यूआई) 400 के पार चला जाता है, अमीर लोग तुरंत शहर से निकलने लगते हैं। अब यह आराम या मौज-मस्ती के लिए की जाने वाली 'ट्रिप' नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य-संबंधी जरूरत बन गई है, जिसे छुट्टी का नाम दे दिया गया है।

मेकमाईट्रिप और ईजमाइट्रिप जैसे ट्रैवल प्लेटफॉर्म ने इन धुंध भरे महीनों में अचानक बढ़ी हुई बुकिंग्स दर्ज की हैं, खासकर प्रदूषण से भरे बड़े शहरों से। आंकड़ों के अनुसार, अंतिम समय में होने वाली इन यात्राओं में 30-35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अब लोग होटल या जगह चुनते समय पहले जैसी बातें-जैसे नजारे कैसे हैं या बाजार कितने पास हैं, नहीं पूछते। वे अब रियल टाइम वायु गुणवत्ता की जांच करते हैं। गंगटोक, मुन्नार और अंडमान जैसे साफ हवा वाले स्थान अब पसंदीदा गंतव्य बन गए हैं। इससे %वेलनेस वर्ककेशन% की नई शुरुआत हुई है।

अब जब हाइब्रिड वर्क मॉडल कॉरपोरेट भारत में अच्छी तरह से जम गया है, तो मध्यम से उच्च ओहदों पर काम करने वाले लोग अपने पूरे परिवार के साथ गोवा या हिमाचल के इलाकों में रहने चले जाते हैं। वे रोमांच या घूमने के लिए नहीं जाते, बल्कि अपने बच्चों के फेफड़ों और माता-पिता के दिलों को की थोड़ी राहत देना चाहते हैं। जैसे-जैसे साफ हवा कम होती जा रही है, वह खरीदने-बेचने की चीज बनती जा रही है। हम स्मॉग इकनॉमी के जन्म को देख रहे हैं, जहां सांस लेने लायक हवा एक विशेष उत्पाद बन गई है, जो उन्हीं को मिलती है, जो उसके लिए भुगतान कर सकते हैं। रियल एस्टेट क्षेत्र में अब हवा गुणवत्ता ब्रॉशर में सिर्फ एक छोटा-सा नोट नहीं है, बल्कि एक मुख्य जानकारी बन गई है। बिल्डर अब लग्जरी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में हॉस्पिटल जैसी उच्च दक्षता वाले वायु फिल्टर लगा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कुछ महंगे आवासीय प्रोजेक्ट तो ऑक्सीजनयुक्त क्लब हाउस और इनडोर जंगल जैसी चीजों के नाम पर भी फ्लैट बेच रहे हैं। इससे एक चिंताजनक सामाजिक अंतर पैदा हो रहा है-अमीरों के लिए

साफ हवा का सुरक्षित घेरा, जबकि बाकी लोग जहरीली हवा में रहने को मजबूर हैं। यहां तक कि आतिथ्य उद्योग ने भी खुद को बदल लिया है। लग्जरी होटल अब कमरों में उन्नत एयर प्यूरिफिकेशन सिस्टम लगाकर साफ हवा का दावा करते हैं, जो विकसित देशों जैसा लगता है। वेलनेस रिट्रीट अब लंग डिटॉक्स पैकेज दे रहे हैं।

साफ हवा की तलाश का चलन अब नया आर्थिक केंद्र बना रहा है। जो शहर पहले शांत रिटायरमेंट टाउन या सिर्फ घूमने-फिरने के लिए जाने जाते थे, वहां अब प्रदूषण से बचकर आने वाले लोगों (प्रदूषण शरणार्थियों) की वजह से रियल एस्टेट में तेजी आ रही है। गोवा अब केवल पार्टी करने की जगह नहीं है, बल्कि रहने की पसंदीदा जगह बन चुका है। एक खबर के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के मनाली में क्रिसमस व नए साल से पहले पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन पर्यटकों में वे लोग भी शामिल हैं, जो दिल्ली

एनसीआर की प्रदूषित हवा, सांस लेने में परेशानी, खांसी और आंखों में जलन से बचने के लिए मनाली पहुंचे हैं। हालांकि, इन साफ जगहों पर भी गाड़ियों और विनिर्माण के बढ़ने से हवा की गुणवत्ता खराब होने लगी है, जिसे पॉल्यूशन ट्रेलिंग कहा जाता है। यह स्थिति नैतिक और पर्यावरणीय, दोनों तरह का विरोधाभास पैदा करती है।

साफ हवा के लिए पलायन एक तरह से स्वास्थ्य संकट का समझदारी भरा जवाब है, पर यह एक कड़वी सच्चाई को भी छिपाता है कि भागकर बचने की सुविधा हर किसी के पास नहीं होती। लाखों डिलीवरी बॉय, विनिर्माण में लगे मजदूर तथा फुटपाथ विक्रेता इसी धुंध में अपनी आजीविका के लिए जद्दोजहद करते हैं। पलायन की कोशिश कई बार समस्या को और बढ़ाती है। हजारों उड़ानों एवं निजी गाड़ियों का कार्बन उत्सर्जन पहाड़ों या समुद्र किनारे की उन मौसमी स्थितियों को और बिगाड़ देता है, जो पहले से ही स्मॉग को रोके रखती हैं। यानी हम ईंधन जला रहे हैं, सिर्फ ऐसी जगह खोजने के लिए, जहां हवा प्रदूषित न हो। भविष्य की ओर देखते समय यह समझना जरूरी है कि साफ हवा का पीछा करना सिर्फ एक चलन नहीं, बल्कि एक बड़ी चेतावनी है। यह दिखाता है कि शहरी योजना और पर्यावरण नीति अब सिर्फ पर्यावरणीय मुद्दे नहीं हैं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक बन चुके हैं। अगर यही स्थिति बनी रही, तो भारत के कार्यबल में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। वे कंपनियां, जो ज्यादा प्रदूषण वाले महीनों में रिमोट वर्क का विकल्प नहीं देंगी, उन्हें अपने कर्मचारियों को रोककर रखने में दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा, रियल एस्टेट की कीमतें अब सिर्फ व्यापारिक क्षेत्रों के पास होने से तय नहीं होंगी, बल्कि हवा के की तरफ बढ़ रहे हैं, जहां दो तरह के कार्यबल बन जाएंगे-एक छोटा समूह, जिसके पास साफ हवा वाली जगहों पर जाने की सुविधा व क्षमता है, और दूसरा उन लोगों का बड़ा समूह, जिनके पास ऐसा करने के लिए न संसाधन हैं न लचीलापन। इसमें वे लोग भी आते हैं, जो घर के लिए एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद सकते और जहरीली हवा में बाहर काम करने को मजबूर हैं।

समय की नई इबारत पटक क्षेत्रों के पास से तय नहीं होगी

सीधी बात यह है कि साफ हवा वाली जगहों पर जाने का विकल्प भी थोड़े समय के लिए है। अगर ज्यादा लोग वहां जाना शुरू कर देंगे, तो वहां भी वही प्रदूषण वाली समस्या पैदा हो जाएगी। नए साल की शुरुआत के साथ हमें यह समझना होगा कि उन कदमों पर रोक लगाएं, जिनसे हवा जहरीली होती है। वरना हम न सिर्फ अपना, बल्कि अपने बच्चों का भविष्य भी गंभीर खतरे में डाल देंगे।

-पत्रलेखा चटर्जी, वरिष्ठ पत्रकार

मनुष्य कभी रुकता नहीं

मनुष्य अपनी बेचैनी का इस्तेमाल करने वाला प्राणी है और उसकी महानता इसी क्षमता में छिपी है कि वह डर के साथ जीते हुए भी जिंदगी में आगे बढ़ना नहीं छोड़ता।

मनुष्य प्रकृति की सबसे अनोखी रचना है-एक ऐसा जीव, जो अपने अनुभवों से कम और अपनी कल्पनाओं से अधिक संचालित होता है। उसके भीतर स्मृतियों तथा संभावनाओं का एक सतत प्रवाह चलता रहता है। वह बीते हुए समय में लौटता है, आने वाले समय में भटकता है, और इसी यात्रा में वर्तमान क्षण उसकी पकड़ से छूट जाता है। जहां अन्य जीव भोजन, सुरक्षा और प्रजनन की सीमाओं में संपूर्णता पा लेते हैं, वहीं मनुष्य की चेतना %क्या होगा% की अनिश्चितता में भटकती रहती है और यही बेचैनी उसे आगे भी बढ़ाती है और भीतर से खोखला भी कर देती है।

हमारी बुद्धि, जिसने कला, विज्ञान, भाषा और सभ्यता की अद्भुत इमारतें खड़ी कीं, उसी ने हमें भय भी दिए हैं-असफलता का भय, अकेलेपन का भय, और मृत्यु का भय। यह विडंबना है कि हम जानते हैं कि अंत निश्चित है, फिर भी उसे मन से स्वीकारना हमारे लिए कठिन है। शायद इसी असमर्थता ने हमें अमरता के प्रतीक

गढ़ने पर मजबूर किया-धर्म में, विचारों में, साहित्य और संरचनाओं में, अपनी स्मृतियों में, ताकि किसी रूप में हम प्रवाह में बने रह सकें।

मनुष्य रुकने से डरता है, क्योंकि स्थिरता में उसे अपने भीतर के प्रश्न सुनाई देने लगते हैं, शांति में उसकी चिंताएं आकार लेने लगती हैं, और वह उनसे बचने के लिए शोर, काम तथा व्यस्तता का कवच ओढ़ लेता है। फिर भी, यही चिंता, जो उसे अस्थिर करती है, वही उसे खोज की ओर भी धकेलती है। भविष्य की अनिश्चितता ने हमें रोगों के उपचार खोजने, न्यायपूर्ण समाज बनाने और ब्रह्मांड के रहस्यों में झांकने की हिम्मत दी है। दरअसल, मनुष्य के अस्तित्व का एक गहरा विरोधाभास है कि वह चिंता से टूटता भी है और उसी से निखरता भी है। अगर वह अपने विकास के द्वंद्व को समझने व संभालने की कला सीख ले, तो वह ज्ञान, करुणा एवं संतुलित जीवन में बदल सकता है।

मनुष्य अपनी बेचैनी का इस्तेमाल करने वाला प्राणी है और उसकी महानता इसी क्षमता में छिपी है कि वह डर के साथ जीते हुए भी जिंदगी में आगे बढ़ना नहीं छोड़ता।

-लुईस थॉमस

राजपाठ

हेमंत की हसरत

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पार्टी का दूसरे राज्यों में भी विस्तार करने की हसरत पाले हैं। राजनीतिक अस्तित्व के विस्तार के लिए ऐसी हसरत स्वाभाविक है। फिलहाल हेमंत सोरेन की नजर पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव पर टिकी है। पश्चिम बंगाल उनका पड़ोसी राज्य तो है ही, यहां कुछ इलाकों में आदिवासी आबादी भी अच्छी-खासी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा का अभी कांग्रेस, राजद और वाम दलों के साथ गठबंधन है। इससे पहले सोरेन ने बिहार चुनाव में उम्मीदवार उतारने की भी कोशिश की थी, पर तेजस्वी यादव ने उनकी इन कोशिशों को परवान नहीं चढ़ने दिया जबकि वे दो सीटों के लिए भी तैयार थे। छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भी आदिवासी आबादी है। बहरहाल, अब हेमंत ने ममता बनर्जी से संपर्क साधा है। वे तो प्रतीकात्मक भागीदारी के लिए भी तैयार हैं, यानी तीन-चार सीटें ही मिल जाएं तो वे अपनी राजनीतिक गाड़ी आगे बढ़ाएंगे। बंगाल में आदिवासी आबादी करीब छह फीसद है। इनमें संथाल आदिवासी ज्यादा है। हेमंत ने संथाल आदिवासियों के लिए कई काम किए हैं। इसी को आधार बना कर वे आगे बढ़ना चाहेंगे। अगर ममता राजी नहीं हुई तो हेमंत कांग्रेस से हाथ मिलाना चाहेंगे। सवाल यह है कि बिहार की तरह बंगाल में भी भाव न मिला तो क्या अपनी हसरत को परवान चढ़ाने के लिए अकेले अपने दम पर लड़ेंगे?

सियासी मोहरा

जीतन राम मांझी ने मांग की है कि उन्हें राज्यसभा की एक सीट चाहिए। अगर उनकी बात नहीं मानी गई तो वे राजग से अलग हो जाएंगे। राज्यसभा की सीट बिहार में उपेंद्र कुशवाहा और चिराग पासवान भी चाहते हैं। अगले साल अप्रैल में राज्यसभा चुनाव होना है। माना जा रहा है कि पांच में से तीन सीट भाजपा को और दो जद (एकी) को मिलेंगी। भाजपा ने लोकसभा चुनाव हारने वाले कुशवाहा को पिछले साल राज्यसभा भेजा था। उस सीट का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो जाएगा। संकेत हैं कि विधान परिषद की जो सीट मंगल पांडेय के इस्तीफे से खाली हुई है, भाजपा वह कुशवाहा के बेटे को देगी। इस नाते कुशवाहा को राज्यसभा में फिर मौका मिलना मुश्किल है। इसी तरह चिराग को भी सीट नहीं देना चाहती भाजपा। शायद इसलिए मांझी को मोहरा बनाया जा रहा है। वरना मांझी तो खुद को प्रधानमंत्री का चेला बताते हैं।

क्रिसमस पर अप्रिय विवाद

इस बार क्रिसमस के त्योहार पर सत्ता पक्ष के के खाते में एक और विवाद जुड़ गया है। कई जगहों पर त्योहार मनाते ईसाई समुदाय के लोगों पर हमले ने आशंका पैदा कर दी कि यह प्रवृत्ति और तेज न हो जाए। आरोप है कि कई दुकानदारों को क्रिसमस से संबंधित सामग्री बेचने से भी रोका गया। इस मसले पर विपक्ष ने सरकार को आड़े हाथ लेना शुरू कर दिया है। कुछ दक्षिण-पंथी तबके का कहना है कि इस पर्व का भारतीय सभ्यता-संस्कृति से कोई नाता नहीं है। विपक्ष का कहना है कि भारतीय संस्कृति समरसता की रही है, यहां इस तरह की हरकत स्वीकार्य नहीं है। भाजपा शासित राज्य में ऐसे हमले सामने आ रहे हैं, और प्रतीत हो रहा है कि उन्हें किसी तरह का भय नहीं है।

बैठक की तपिश

उत्तर प्रदेश में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पर लखनऊ के सियासी गलियारों में ब्राह्मण विधायकों की एक बैठक ने तपिश बढ़ा दी है। दरअसल इसी मंगलवार को कुशीनगर के भाजपा विधायक पंचानंद पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर सूबे के ब्राह्मण विधायकों की एक बैठक हुई। विधानसभा सत्र के दौरान इस तरह की बैठक के आयोजन की पहले से किसी को भनक नहीं लगी। पाठक को योगी आदित्यनाथ का विरोधी माना जाता है। बैठक में करीब 40 विधायक जुटे। रात्रि भोज भी हुआ। चर्चा है कि बैठक का एजेंडा भाजपा में ब्राह्मणों की अनदेखी था। हालांकि बाद में पंचानंद पाठक ने सफाई दी कि उन्होंने अपनी पत्नी के जन्मदिन पर समारोह का आयोजन किया था। यह सफाई किसी के गले नहीं उतरी क्योंकि ऐसा देखा नहीं गया है कि किसी के जन्मदिन के समारोह मे केवल एक जाति के लोगों को आमंत्रित किया गया हो। किसी ने इसे मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के खिलाफ असंतोष का इजहार बताया। वहीं, किसी ने आरोप लगाया कि यह दिल्ली के इशारे पर हुआ शक्ति-प्रदर्शन था। चर्चा है कि इस बैठक में मौजूद विधायकों से कोरे कागज पर हस्ताक्षर भी कराए गए। इस मसले पर विवाद बढ़ा, विपक्ष ने तंज कसे तो भाजपा के नए सूबेदार पंकज चौधरी सक्रिय हुए। उन्होंने गुरुवार को चेतावनी जारी कर दी कि पार्टी के लोग जातीय विभाजन से बचें और सामाजिक समरसता की नीति पर ही चलें।

मांझी का सच

जीतन राम मांझी बेबाक बोलते हैं। बिना लाग-लपेट। किसी को अच्छा लगे या बुरा। उनकी पार्टी हिंदुस्तान आवामी मोर्चा राजग में है। बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके मांझी इस समय केंद्र सरकार में मंत्री हैं। इसी हफ्ते मांझी ने खुलासा किया कि सभी सांसद और विधायक क्षेत्र विकास निधि से कमीशन खाते हैं। खुद भी कमीशन लेने की बात स्वीकार की और बताया कि उन्होंने कमीशन की यह राशि पार्टी के लिए इस्तेमाल की। अपनी पार्टी के नेताओं से उन्होंने कहा कि वे इसी पैसे से कार खरीद लें। मांझी ने अपनी पार्टी के विधायकों से कहा कि उन्हें दस फीसद कमीशन न मिले तो कम से कम पांच फीसद तो लेना ही चाहिए। एक सांसद को हर साल पांच करोड़ मिलते हैं। दस फीसद के हिसाब से 50 लाख कमीशन बनता है। मांझी का बेटा संतोष कुमार सुमन बिहार सरकार में मंत्री है और पार्टी के अध्यक्ष भी वही हैं। मांझी ने अपने बेटे से भी कहा कि वह कमीशन लेने में संकोच न करे, क्योंकि सभी लेते हैं। मांझी के बयान से भाजपा की हालत पतली हो गई है। तभी तो दिलीप जायसवाल ने इसे मांझी की निजी राय बताकर पल्ला झाड़ लिया।

नफरत के विरुद्ध गिने चुने हिन्दू

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा बेरोक-टोक हो रही है। यह माना जाता है कि इस तरह की घटनाओं के पीछे कोई कारण होता है, मगर यह अकारण हो रहा है। इसके पीछे न तो व्यावसायिक, न ही राजनीतिक या किसी अन्य प्रकार की प्रतिद्वंद्विता है। यह कई दशकों से सुनियोजित तरीके से हो रहा है। तभी तो 1951 में पूर्वी पाकिस्तान, जो अब बांग्लादेश है, वहां हिंदुओं की जनसंख्या बाइस फीसद से घटकर 2022 में छह फीसद से भी कम रह गई है। ढाका यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक अब्दुल बरकत ने अपनी पुस्तक %रिफार्मिंग एग्रीकल्चर लैंड एंड वाटर बाडीज इन बांग्लादेश% में बताया है कि वर्ष 1991 से 2001 और 2001 से 2012 के बीच क्रमश: 767 और 774 हिंदू प्रत्येक दिन %गायब% होते रहे हैं। इसका तात्पर्य है कि इस दौरान पांच लाख से अधिक हिंदू मारे गए या उनका धर्मांतरण हुआ अथवा उन्हें देश की सीमा से बाहर कर दिया गया।

पाकिस्तान में तो पहले ही गिने-चुने हिंदू रह गए हैं और अफगानिस्तान में उनका नामोनिशान नहीं बचा है। वर्ष 1909 में कर्नल यूएन मुखर्जी ने अपनी पुस्तक %ए डाइंग रेस% में हिंदू को मृतप्राय नस्ल बनने के आसन्न खतरे की चेतावनी दी थी। तब उसका संदर्भ हिंदुओं और मुसलमानों की प्रजनन दर में अंतर के कारण दोनों के बीच जनसंख्या अनुपात में परिवर्तन था। मुखर्जी के सामाजिक-आर्थिक -आर्थिक विश्लेषण में कई पहलुओं लुओं को उजागर किया गया था। उन्होंने हिंदुओं के पढ़े-लिखे, धनाढ्य और कथित उच्च वर्गों में कम पढ़े-लिखे गरीब तथा कथित निम्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों के प्रति असंवेदनशीलता और उदासीनता को भी इस गिरावट में एक कारण बताया है। यह भारत के लिए कुछ हद तक अब भी प्रासंगिक है। मगर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं का मृतप्राय नस्ल बनने का कारण लक्षित सांप्रदायिक हिंसा है। नेहरू-लियाकत समझौता (1950) बहुत हद तक इसके लिए जिम्मेदार है। इसने अल्पसंख्यकों की जिम्मेदारी उनके अपने-अपने देशों पर छोड़ दी। सांप्रदायिक जुनून के आधार पर बने पाकिस्तान में %साझी संस्कृति% या %साझी राष्ट्रीयता% की कल्पना करना स्वयं को धोखा देना था। वह जुनून वहां अमरबेल की तरह पसरता गया। तभी तो वर्ष 1950 में पाकिस्तान के तत्कालीन कानून मंत्री जोगेंद्रनाथ मंडल हिंदुओं पर अत्याचार से आहत होकर और अपने आपको असमर्थ पाकर मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर भारत आ गए थे। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के बाद उम्मीद जगी थी कि वहां के सामाजिक-राजनीतिक जीवन में हिंदुओं को समान अवसर मिलेगा, मगर ऐसा हुआ नहीं। निहित संपत्ति अधिनियम 1974 के तहत अराजकतापूर्ण तरीके से हिंदुओं की संपत्ति को %शत्रु संपत्ति% घोषित कर दिया गया। साठ फीसद से अधिक हिंदू भूमिहीन हो गए। भेदभाव का असर सभी क्षेत्रों पर होने लगा। ढाका विश्वविद्यालय में तो पचास हजार छात्रों में हिंदुओं की संख्या मात्र दो हजार रह गई है। बांग्लादेश में साझी संस्कृति और जीवन मूल्यों में सांप्रदायिकता से बिखराव तथा परस्पर कटुता पैदा करने का पहला सफल प्रयोग कर्जन ने 1905 में बंगाल विभाजन के जरिए किया। अपना घर संभालकर नहीं रख पाने के कारण यह संभव हो पाया था। इतिहास की इस त्रासद घटना के बावजूद हमने कोई सीख नहीं ली। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण में अहम भूमिका तो निभा दी, लेकिन हम भूल गए कि राष्ट्र सिर्फ राजनीतिक मान्यताओं से नहीं बनता है। संस्कृति उसकी बुनियाद होती है। बांग्लादेश की आधिकारिक भाषा बांग्ला है, जिसे 98 फीसद लोग बोलते हैं। यह बांग्ला भाषा संरकृति और विरासत की जीवंत वाहक है। अफ्रीकी चिंतक न्गुगी वा थ्योंगो ने भाषा की इसी क्षमता को किसी समुदाय या राष्ट्र के %स्व% के विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण कारक माना है। बांग्ला ने अंग्रेजी और उर्दू दोनों के बांग्लादेश में प्रसार को रोक दिया। वहां साझी संस्कृति का एक आयाम राष्ट्रगान %अमार सोनार बांग्ला% है, जिसे रवींद्रनाथ ठाकुर ने वर्ष 1905 में लिखा था। वहां सरकारी कार्यक्रमों में रवींद्र संगीत का उपयोग होता है। बांग्लादेश का सबसे पुराना जगन्नाथ विश्वविद्यालय है, है, जो 1858 में स्कूल के रूप में स्थापित हुआ था। कट्टरपंथियों को मालूम है कि इन सब पर चोट से बांग्लादेश की पहचान मिट जाएगी। इसलिए वे सांस्कृतिक विरासत पर प्रहार करने की बजाय हिंदुओं के अस्तित्व को निशाना बना रहे हैं। बांग्लादेश और पाकिस्तानी राज्यों का सांप्रदायिक आचरण नेहरू-लियाकत समझौते को पूरी तरह से अप्रासंगिक बना देता है। डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना राजनीतिक बलिदान इसी समझौते के विरोध में दिया कट्टरपंथियों पर लगाम लगाना तात्कालिक आवश्यकता है, मगर बंगाली अस्मिता को समृद्ध करने की योजना को गैर-राजनीतिक एवं गैर सांप्रदायिक तरीके से लागू करना दीर्घकालिक समाधान है। समय के साथ सोच में संशोधन ही संकल्पित लक्ष्य तक पहुंचता है। बांग्लादेश की राष्ट्रीयता वास्तव में भारत की उपराष्ट्रीयता है।

– राकेश सिन्हा, संघ विचारक

तेल-तिलहन बाजार: सरसों में गिरावट, सोयाबीन और पामतेल में उछाल

सरकार की पुरानी स्टॉक बिक्री और नई फसल की तैयारी के कारण बाजार में खरीदारी धीमी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह विविध रुझान देखने को मिले। सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोयाबीन, पामतेल और पामोलीन तेल में सुधार आया। मूंगफली तेल-तिलहन स्थिर रहे और बिनौलातेल में हल्की वृद्धि देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति मौजूदा स्टॉक, एमएसपी, मांग और अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाजी के मिश्रित प्रभाव का परिणाम है। बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। इसका मुख्य कारण पुरानी फसल की सरकारी बिक्री और स्टॉकिस्टों द्वारा बाजार में उतारा गया स्टॉक है। हाजिर दाम एमएसपी से 7-8 प्रतिशत अधिक है। नई फसल जल्द बाजार में आने वाली है, जिससे भाव पर दबाव बना रह सकता है। वहीं सोयाबीन तेल के दाम में पिछले सप्ताह की तुलना में सुधार आया। सर्दियों में डी-आयल्ड केक की मांग बढ़ी और सूरजमुखी तेल की तुलना में सोयाबीन तेल सस्ता होने के कारण स्थानीय खरीद बढ़ी। हालांकि एमएसपी के हिसाब से दाम अभी भी कमजोर हैं और बाजार एमएसपी पर नहीं खड़ा है। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। बिनौला तेल में हल्की वृद्धि देखी गई, मुख्य कारण हल्की मांग और नमकीन बनाने वाली कंपनियों की खरीद रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-6,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 2,390-2,490 रुपये और 2,390-2,535 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 100-100 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 4,800-4,850 रुपये और 4,500-4,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 13,550 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 135 रुपये के सुधार के साथ 10,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में स्थिरता देखने को मिली। मूंगफली तिलहन 6,450-6,825 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,485-2,785 रुपये प्रति टिन के पूर्व सप्ताहांत के भाव पर स्थिर बने रहे। दूसरी ओर सीपीओ तेल का दाम 175 रुपये के सुधार के साथ 11,375 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये के सुधार के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये के सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल के दाम भी 75 रुपये सुधार के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बंद हुए।

आपात स्थिति में जान बचाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है ईएलएस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में गूगल का इमरजेंसी लोकेशन सर्विसेज (ईएलएस) फीचर लांच हो चुका है। गुगल का यह फीचर आपात स्थिति में जान बचाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। कंपनी ने सबसे पहले इस फीचर को उत्तर प्रदेश में शुरू किया गया है। गूगल के इस फीचर की मदद से कॉल करने वाले की लोकेशन अपने आप इमरजेंसी सर्विस तक पहुंच जाएगी। ऐसे में यह फीचर आपात स्थितियों में बहुत काम का साबित हो सकता है। यह फीचर एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स में पहले से मिलता है। जब कोई 112 नंबर पर कॉल करता है, तो ईएलएसअपने आप उस शख्स की लोकेशन को इमरजेंसी सर्विस के साथ शेयर कर देता है। ऐसे में मदद मांग रहे शख्स को अपनी लोकेशन से जुड़ी जानकारी उपलब्ध नहीं करानी पड़ती। बता दें कि यह फीचर जीपीएस, वायफाय और मोबाइल नेटवर्क की मदद से लोकेशन का पता लगा लेता है। ईएलएस फीचर को सबसे पहले उत्तर प्रदेश में शुरू किया गया है। इसे उत्तर प्रदेश पुलिस और पेर्ट टेलिकॉम साल्यूशन की मदद से 112 इमरजेंसी सिस्टम से लिंक किया गया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश को सबसे पहले इसलिए चुना गया क्योंकि राज्य में हर दिन लाखों इमरजेंसी कॉल और मैसेज आते हैं। पायलट टेस्टिंग के दौरान ईएलएस ने 2 करोड़ से ज्यादा कॉल और मैसेज की लोकेशन पहचानने में मदद की। कई मामलों में कॉल कुछ सेकंड में कट गई, फिर भी लोकेशन सफल तरीके से कंट्रोल रूम तक पहुंच गई थी। गूगल का दावा है कि इमरजेंसी लोकेशन सर्विस के साथ प्राइवेसी का पूरा ध्यान रखा गया है। यह फीचर न सिर्फ पूरी तरह से फ्री है बल्कि सिर्फ इमरजेंसी कॉल या मैसेज के वक्त ही एक्टिवेट होता है। इसकी मदद से यूजर की लोकेशन फोन से सीधे इमरजेंसी सर्विस तक जाती है। गूगल ने साफ किया है कि इस सर्विस के जरिए भेजे जाने वाली लोकेशन को खुद गूगल भी नहीं देख सकेगा। जैसे ही आप 112 नंबर पर कॉल करते हैं, यह फीचर खुद ब खुद एक्टिवेट हो जाएगा और यूजर के फोन से लोकेशन इमरजेंसी सर्विस तक पहुंच जाएगी। इमरजेंसी फीचर होने के लिहाज से इसे अलग से एक्टिवेट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।फिलहाल इस फीचर का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश में एंड्राएड 6.0 या उससे ऊपर के यूजर के लिए उपलब्ध है। जल्द ही इसे गूगल दूसरों राज्यों में भी लॉन्च करेगा। ईएलएस फीचर को ऑन करने के लिए आपको कुछ भी अलग से करने की जरूरत नहीं है।

किसानों को जल्द मिलेगी पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) भारत के छोटे और सीमांत किसानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण कल्याण योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत सरकार सीधे किसानों के बैंक खातों में वित्तीय सहायता भेजती है, जिससे बिचौलियों की भागीदारी खत्म होती है और पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। देशभर के पात्र किसान अब 22वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हर किस्त में सरकार हजारों करोड़ रुपये जारी करती है, जो किसानों को कृषि में निवेश करने और जीवन यापन में मदद करती है। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष इस योजना के लिए बजट आवंटित करती है। आगामी वित्तीय वर्ष का बजट 1 फरवरी 2026 को पेश किया जाएगा। कृषि मंत्रालय इस बजट में योजना के लिए नए निर्णय और संभावित वृद्धि की घोषणा कर सकता है। पीएम-किसान योजना देशभर के किसानों में अत्यधिक लोकप्रिय है और छोटे किसानों के लिए यह एक वरदान साबित हुई है। किसानों की नजर अब अगले बजट और 22वीं किस्त की तारीख पर टिकी हुई है।

इस सप्ताह निवेशकों की नजर अर्थव्यवस्था के आंकड़ों पर रहेगी

औद्योगिक उत्पादन से लेकर वाहन बिक्री तक, निवेशकों की गतिविधियों पर रहेगी नजर

मुंबई (एजेंसी)। देश के घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह तेजी देखने को मिली, लेकिन निवेशक अब अगले सप्ताह आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर अपनी नजरें गड़ाएंगे। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले सप्ताह में जारी होने वाले डेटा से शेयर बाजार की दिशा तय हो सकती है। आगामी सोमवार को औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की विनिर्माण, खनन और उपयोगिता क्षेत्रों की गतिविधियों का महत्वपूर्ण संकेतक है। निवेशक और अर्थशास्त्री इसे अर्थव्यवस्था की स्वास्थ्य स्थिति जानने के लिए देखते हैं। उम्मीद से बेहतर आंकड़े बाजार में तेजी ला सकते हैं, जबकि कमजोर आंकड़े निवेशकों में सतर्कता पैदा कर सकते हैं। मंगलवार को औद्योगिक क्षेत्र का खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जारी होगा। पीएमआई उद्योगों की उत्पादन क्षमता, नए ऑर्डर और रोजगार की स्थिति का संकेत देता है। यदि पीएमआई 50 से ऊपर रहेगा, तो इसे आर्थिक विस्तार का संकेत माना जाएगा, वहीं 50 से नीचे आने पर आर्थिक गतिविधियों में धीमापन का अनुमान लगाया जाएगा। सप्ताह के दौरान वाहनों की बिक्री के आंकड़े भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। वाहन बिक्री में वृद्धि उपभोक्ता मांग और आर्थिक गतिविधियों की मजबूती को दर्शाती है। विशेषकर ऑटो और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले सप्ताह की तेजी के बाद निवेशक इन आंकड़ों को ध्यान से देखेंगे। मजबूत आंकड़े बाजार में और बढ़त ला सकते हैं, जबकि कमजोर आंकड़े सतर्कता बढ़ा सकते हैं।

रॉल्स-रॉयस भारत को बनाएगा तीसरा गृह बाजार, करेगी बड़ा निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की एयरो-इंजन और उन्नत इंजीनियरिंग कंपनी रॉल्स-रॉयस भारत में बड़ा निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने कहा है कि भारत को वह ब्रिटेन के बाहर अपना तीसरा गृह बाजार बनाने की योजना बना रही है। रॉल्स-रॉयस पहले ही अमेरिका और जर्मनी को अपने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार के रूप में विकसित कर चुकी है। कंपनी की प्राथमिकता नई पीढ़ी के जेट इंजन को भारत में विकसित करना है, ताकि एएमसीए (उन्नत मध्यम युद्धक विमान) कार्यक्रम के तहत भारत में बनने वाले लड़ाकू विमानों को शक्ति दी जा सके। कंपनी भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। रॉल्स-रॉयस इलेक्ट्रिक प्रणोदन की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी और नौसैनिक प्रणोदन के लिए भारत में इंजन निर्माण की दिशा में योगदान देगी। कंपनी भारत में अपने प्रभावी निवेश पर नजर रखे हुए है। रॉल्स-रॉयस की योजना दो रक्षा पीएसयू के साथ दो समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की है। इनमें पहला अर्जुन टैंक के लिए इंजन निर्माण से जुड़ा होगा, जबकि दूसरा भविष्य के युद्धक वाहनों के लिए इंजन उत्पादन से संबंधित है। रॉल्स-रॉयस अब केवल रक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नौसैनिक प्रणोदन, थल प्रणालियों, विनिर्माण, उन्नत इंजीनियरिंग कौशल और प्रौद्योगिकी विकास तक अपने विस्तार की योजना बना रही है। रॉल्स-रॉयस के अनुसार भारत में निवेश का अवसर इसलिए भी है क्योंकि देश के पास बड़ा पैमाना, स्पष्ट नीति और मजबूत रक्षा तथा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र है। कंपनी का उद्देश्य भारत को वैश्विक स्तर पर अपने रणनीतिक बाजारों में शामिल करना है।

सोना और चांदी में निवेश के लिए ईटीएफ बन रहे पसंदीदा विकल्प: विशेषज्ञ

डिजिटल सोना सुविधाजनक है और कम राशि में निवेश संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल सोने और चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि देखने को मिली है। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना 76,772 रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,39,890 रुपये हो गया, जबकि चांदी 87,300 रुपये प्रति किलो से 2,40,300 रुपये पर पहुंच गई। इससे निवेशकों में मूल्यवान धातुओं में निवेश का उत्साह बढ़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) निवेशकों के लिए सबसे सुविधाजनक विकल्प हैं। एक बाजार विशेषज्ञ ने बताया कि ईटीएफ में निवेश करने से सोना या चांदी रखने की झंझट नहीं होती और यह उच्च तरलता और कम लेन-देन शुल्क प्रदान करता है। ईटीएफ में कम इकाई मूल्य, रखरखाव की कोई लागत और शुद्धता की गारंटी भी उपलब्ध है। यदि निवेशक प्रत्यक्ष स्वामित्व को महत्व देते हैं, तो सोने और चांदी के सिक्के या बिस्कुट बेहतर विकल्प हैं। हालांकि, इसमें रखरखाव, बीमा लागत और तरलता की कमी होती है। आभूषण निवेश करने योग्य नहीं माना जाता, क्योंकि इसमें बनाने का अतिरिक्त शुल्क लगता है। डिजिटल सोना सुविधाजनक है और कम राशि में निवेश संभव है, लेकिन यह सेबी द्वारा विनियमित नहीं है। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों को अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों, निवेश अवधि और जोखिम सहनशीलता के आधार पर विकल्प चुनना चाहिए। ईटीएफ, भौतिक धातु, वायदा- विकल्प या डिजिटल सोना—हर विकल्प के अपने फायदे और जोखिम हैं। विविध निवेश अपनाने से सुरक्षा, तरलता और वृद्धि क्षमता में संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा और परिवार के सदस्यों में यदि कोई वाद-विवाद चल रहा था, तो उसे भी आप बातचीत के जरिए दूर करने की कोशिश करेंगे। आपको अपने वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा। किसी पुराने गलती से आपको सबक लेना होगा, इसलिए आप उसमे ढील बिल्कुल ना दें और आप अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाने की कोशिश करेंगे, इसलिए धन को लेकर आप किसी योजना भी भरोसा बिल्कुल ना करें।

वृषभ- आज आपको अनावश्यक वाद-विवादों से बचना होगा और आप अपनी वाणी और व्यवहार पर थोड़ा संयम रखें। आपको आर्थिक मामलों में थोड़ा समझदारी दिखाते हुए काम लेना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपको बहलाने फुसलाने की कोशिश कर सकता है और आप अपने कुछ पुराने कर्जो को भी उतारने की कोशिश में लगे रहेंगे। किसी मकान या प्लाट आदि की खरीदारी के लिए आपको कोई लोन आदि लेना पड़ सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए करियर के मामले में बढि़या रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करके चलना होगा। कोई सरकारी काम यदि लंबे समय से पेंडिंग था, तो उसके लिए भी आपको थोड़ा समझदारी दिखानी होगी और अपने धन को लेकर आपको कुछ सेविंग भी करनी होगी, क्योंकि आप अपनी शौक मौज की चीजों के खरीदारी पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे।

कर्क- आज आपको भावनाओ मे बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा और अपने खर्चों का लेखा जोखा रखें, नहीं तो इससे आपकी समस्याएं बढ़ेंगी। आपको किसी काम में दूसरों की गलती निकालने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं और बिजनेस में यदि आप अपने कामों में कोई बदलाव करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छे से रहेंगे, लेकिन उसके लिए मेहनत अधिक होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आपका आत्मविश्वास विश्वास भी मजबूत रहेगा और आपके व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। जीवनसाथी आपके काम में कंधे से कंधा मिलाकर पूरा साथ देंगे। यदि आप नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे थे, तो किसी दूसरी जगह ट्राई कर सकते हैं।

कन्या- आज आपको अपने आसपास रहने विरोधियों से सतर्क रहना होगा। आपको बेवजह का तनाव भरा रहेगा, क्योंकि यदि आपने किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। आपकी लापरवाही के कारण आपकी कुछ मुश्किले बढ़ सकती हैं। आपको किसी पुराने मित्र से मेल मुलाकात करने का मोका मिल सकता है, जिसमें आप पुराने गिले शिकवे न उखाड़े और पिताजी की आंखों को लेकर आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श लेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको कोई काम थोड़ा सोच समझकर करना होगा। करियर में भी आपको अच्छा फायदा मिलेगा। आप आज काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। आप अपने भविष्य को भी सवारने में लगे रहेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा और आपकी अपने मनपसंद पार्टनर से मुलाकात होगी, जिसे आपका मन में काफी खुशियां रहेगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको बाकी कामों को छोड़कर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी और आर्थिक स्थिति को लेकर कुछ नए कदम उठाएंगे, जिससे उसे मजबूती मिलेगी। आपकी कोई साइड इन्कम भी जुड सकती है। परिवार में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन फिर भी आप उनसे घबराएंगे नहीं और माता जी को अपने ननिहाल पक्ष के लोगों से मेल मिला कराने लेकर जा सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी और परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए आगे जाएंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी इन्कम बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को अपने ध्यान को केंद्रित करके कामों को करना होगा। आप किसी संपत्ति या वाहन खरीदने की योजना बना सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। छोटे भाई व बहनों का आपको बड़ा सहयोग मिलेगा और किसी दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती है। परिवार में छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। यदि आपको कोई शारीरिक कष्ट चल रहा है, तो वह बढ़ सकता है, जिसको लेकर आप थोड़ा एतियात बरतें।

मीन- आज आपको अपने कामों पर थोड़ा ध्यान देकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपका धन कहीं फंस सकता है, इसलिए आप कोई बड़ा जोखिम न ले और आपके बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप में आंख बंद नहीं करनी है। आप वाणी की सौम्यता बनाए रखें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को देखकर यदि कोई समस्या चल रही थी, तो उसके लिए आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

शब्दजाल - 8124

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ता	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 8123 का हल

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	टा	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	धनु में
चंद्र	मेष में
मंगल	धनु में
बुध	धनु में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	धनु में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मकर	07.52 बजे से
कुंभ	09.38 बजे से
मीन	11.11 बजे से
मेष	12.41 बजे से
वृष	14.22 बजे से
मिथुन	16.20 बजे से
कर्क	18.33 बजे से
सिंह	20.49 बजे से
कन्या	23.01 बजे से
तुला	01.12 बजे से
वृश्चिक	03.27 ब.से
धनु	05.43 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 363 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 10.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 07.41 बजे तदनन्तर अश्विनी 06.05 बजे को समाप्त।
योग परिघ 07.36 बजे तदनन्तर शिव 04.31 बजे प्रातः को समाप्त।
करण कौलव 10.13 बजे तदनन्तर तैतिल 21.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 14'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872573
जूलियन दिन 2461038.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7068

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्षी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7067

म	न	मं	दि	र		गु	म	श	ह
धु		थ		न	गी	ना		धि	
मं	हा	न	ता		त	ह	की	का	त
ती			क	र्ज			म		प
	अ	मृ	त		चा	ह	त		स्या
सं		त्यु		मु	नी	म		श	
ग्र	रै	दा		क्ति		श	जा	बा	बू
र्ष		ता	ल		आ	ज		ना	म
	कौ		गा	य	ब		जू		
खा	न	दा	न		रू	दा	ली		माँ

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः आत्मा के उपासक

एक बार महर्षि अनमीषि ने एक पंक्ति कहीं पढ़ी, 'कुबेर हो या रंक, जब तक परिश्रम से कमाए धन का एक अंश लोकहति में समर्पित नहीं करता, वह अधर्म खाता है।' महर्षि इस पंक्ति से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने पत्नी सहित यह प्रतिज्ञा ली कि अपने भिक्षाटन से उन्हें जो कुछ प्राप्त होता है, उसमें से भी नित्य वे दीन- दुखियों को भोजन करा कर ही भोजन किया करेंगे। उन्हें संकल्प निभाते कई वर्ष बीत गए। कोई तप परीक्षा बिना सिद्ध हो गया हो, ऐसा कम ही होता है। एक दिन भोजन के समय तक उनके द्वार पर कोई नहीं आया। दोनों उदास हो गए। अनमीषि अपनी कुटिया से बाहर निकले। उन्हें थोड़ी दूर पर एक पेड़ के नीचे एक वृद्ध कुष्ठ रोगी पीड़ा से कराहता दिखाई दिया। अनमीषि ने उसके पास जाकर कहा, हे बंधु, मेरे यहां भोजन तैयार है। उसे खा कर निश्चय ही आपकी पीड़ा कुछ कम होगी। कृपया उसे ग्रहण कर हमें भी कृतार्थ करें। वृद्ध ने अत्यंत दीन भाव से कहा, आर्य श्रेष्ठ, मैं आपकी उदारता का अधिकारी नहीं हूँ, क्योंकि जाति का चांडाल हूँ। यदि संभव हो तो बची हुई कुछ रोटियां यहां फेंक दें, उन्हें उठाकर मैं अपना पेट भर लूंगा। वृद्ध की यह बात सुन कर अनमीषि की करुणा उमड़ पड़ी, आंखों से अश्रु की धारा बह चली। वे बोले, ऐसा न कहें तात! हम जाति के पुजारी नहीं, जीवमात्र में व्याप्त आत्मा के उपासक हैं। आपके अंदर जो चेतन है, वही तो परमात्मा है। उसे छोड़कर हम अन्न ग्रहण करने का पाप कैसे कर सकते हैं? वे उसे सादर अपनी कुटिया पर ले गए। स्नान आदि करा कर साफ कपड़े पहनाए। फिर उसे भोजन कराने के बाद ही पति-पत्नी ने स्वयं भोजन किया। जब रात को अनमीषि सोए तो अग्नि देव प्रकट हुए और बोले, तू ही ईश्वर का सच्चा भक्त है, जो ब्राह्मण, चांडाल, हाथी व कुत्ते में कोई भेद नहीं करता।

सूडोकु नवताल- 7377

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7376 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8592

बाएँ से दाएँ

1. सरस्वती-3
3. किनारा, तट-3
5. मूल्य, कीमत-2
6. उस समय-2
8. प्रबंध, व्यवस्था-4
10. नमक-3
11. अधीन, मातहत-3
12. संज्ञा, संबोधन-2
13. मार्ग, रास्ता-2
14. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
16. धुन, आसक्ति-3
18. जमानत-4
20. रहस्य-2
22. पुत्र, तनय-2
23. मुलायम-3
24. गंवार, अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1. संध्या, सांझ-2
2. असुर, दैत्य-3
3. शोरबा, रसा-3
4. बुरी आदत-2
5. प्रवेश, एडमिट-3
7. वर यात्रा, दूल्हे का जुलूस-3
8. प्रियतम, साजन-4
9. अनाज-2
11. सनसनी, रोमांच-4
14. तृतीय-3
15. सच्चाई, सत्य-2
17. जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18. मुंशी, दीवान-3
19. रवैया, तरीका-3
21. आम जनता-2
22. लता, लतिका-2

शब्द पहेली -8591 का हल

	ना	ह	र			आ		सी
ताँ		म		फ	स	ल		ल
क	म	ला	क	र		म	ही	न
		ब		क	म		र	
ब	ना	र	स		द	र	क	ना
	जु		म	य		ख		
अ	क	ल		ती	मा	र	दा	री
स		क	र	म		खा		स
ली		बा			ह	ब	न	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नशे में धुत्त डिप्टी रेंजर ने वाहन छोड़ने मांगे 200 रूपये

बकरामुंडी स्थित वनविभाग के फारेस्ट जांच नाके का मामला

पद्मेश न्यूज। लांजी।

फारेस्ट जांच नाका पर तैनात वन विभाग के कर्मचारियों का मुख्य काम वन संपदा की सुरक्षा, वन कानूनों का पालन करवाना, अवैध कटाई व शिकार रोकना, गश्त करना और वन्यजीवों की रक्षा करना होता है, जिसमें अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई (गिरफ्तारी, ज़ब्ती), आग से बचाव, वृक्षारोपण और स्थानीय लोगों को जागरूक करना भी शामिल है। वे वन क्षेत्र में सरकार की नीतियों को लागू करने और वन संसाधनों के प्रबंधन में भी मदद करते हैं। ये कर्मचारी वन क्षेत्र के रखवाले होते हैं, जो हर तरह से वन और वन्यजीवों की रक्षा और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होते हैं। परंतु लांजी क्षेत्र के विभिन्न जांच नाको में स्थिति इसके ठीक उलट है यहां पदस्थ वनविभाग के कर्मचारियों का वाहन मालिकों से रूपये लेकर वाहन छोडऩा, नशे में धुत्त रहकर ड्यूटी करना अब आम हो चुका है। ताजा मामला वन परिक्षेत्र पूर्व डिप्टी रेंजर दुर्गा प्रसाद हरिनखेड़े का सामने आया है जो रोजाना ही शराब के नशे में ड्यूटी करते हैं और वाहन मालिको से वाहन नाके से गुजरने के एवज में रूपयों की मांग करते है। रूपये नहीं देने पर वाहन रोड किनारे खड़े करके परेशान करने का काम करते है जिससे वाहन मालिकों को खासा परेशान होना पड़ रहा है। इस संबंध में परिक्षेत्र अधिकारी से चर्चा की गई तो उनके द्वारा डिप्टी रेंजर के खिलाफ कड़ी कार्यवाही किये जाने की बात कही गई।

वाहन छोडऩे बदले मांगे 200 रूपये

28 दिसंबर रविवार को शाम 4.30 बजे के करीब एक पिकअप वाहन मवेशी लेकर बकरामुंडी स्थित जांच नाके से गुजर रहा था तभी नशे में धुत्त दुर्गाप्रसाद हरिनखेड़े द्वारा वाहन को रोका गया और मवेशी एवं वाहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गये। जिस पर वाहन चालक द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज दिखा दिये उसके बाद भी डिप्टी रेंजर द्वारा नशे की हालत में वाहन चालक से रूपये की मांग की जाने लगी जिस पर वाहन चालक द्वारा विरोध किया गया तो डिप्टी रेंजर ने वाहन नहीं जाने देने की धमकी देने लगा। वाहन चालक ने बताया की डिप्टी रेंजर आये दिन इसी तरह की हरकते करता रहता और रूपयों की मांग करता है। जिससे वाहन चालक बहुत ज्यादा परेशान है। उक्त घटना से कुछ दिनों पूर्व कारंजा स्थित जांच नाके से भी लकड़ी से लदे ट्रेक्टर को रूपये लेकर छोडऩे का मामला प्रकाश में आ चुका है।

अवैध गतिविधियों को मिल रहा बढ़ावा

वनविभाग लांजी के कर्मचारियों के इस तरह नशे में धुत्त रहकर कार्य करने से क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने से इंकार नहीं किया जा सकता। नशे में धुत्त कर्मचारी ऐसी स्थिति में अपने आप को संभालेंगे या जिम्मेदारी से कार्य कर सकेंगे इस बात पर संशय है। नशे में धुत्त रहने के कारण ये कर्मचारी अवैध लकड़ी तस्करी, शिकार और अन्य वन अपराधों को नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे वन संसाधनों का नुकसान हो सकता है। साथ ही वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए वनविभाग के कर्मचारियों की इस तरह की हरकते ठीक नहीं है। नशे में धुत्त डिप्टी रेंजर दुर्गाप्रसाद हरिनखेड़े की हरकत से वनविभाग की छवि को नुकसान के साथ-साथ जांच नाके की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे है।

3 दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में आज से खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

चिचटोला चौक लांजी में रूद्दी मामा मंड़ई मेला समिति का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। कबड्डी एक लोकप्रिय वैश्विक खेल है, जो भारत के ग्रामीण और सांस्कृतिक जीवन का प्रतीक है और प्रो कबड्डी लीग जैसे आयोजनों से लोकप्रिय हुआ है। कबड्डी ग्रामीण भारत की परंपराओं, टीम वर्क और रणनीति का प्रतीक है। इसने प्रो कबड्डी लीग जैसे टूर्नामेंटों के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ है, जिससे यह एक राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बन गया है और दुनियाभर में खेला जा रहा है। इसी तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्र में कबड्डी खिलाडियों की प्रतिभा को निखारने एवं उनके उज्जवल भविष्य के सपने को साकार करने लांजी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बिसोनी के चिचटोला चौक में रूद्दी मामा चौक मंड़ई मेला समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी तीन दिवसीय ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में होगी और 29 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक मरार माली समाज भवन प्रांगण (बालाघाट रोड, चिचटोला) में संपन्न होगी। प्रतियोगिता में क्षेत्रीय टीमों के साथ-साथ आसपास के जिलों की टीमें भी भाग लेंगी। आयोजन प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शुरू होगा। समिति द्वारा दर्शकों, खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। समिति द्वारा प्रतियोगिता में आकर्षक इनाम भी रखा गया है जिसमें पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 11,001 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 7001 रुपये तथा महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 11,001 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 7001 रुपये प्रदान किया जाएगा।

विधायक करेंगे प्रतियोगिता का शुभारंभ

इस तीन दिनी भव्य कबड्डी खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन एवं समापन में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रिय विधायक राजकुमार कर्राहे, सरपंच प्रतिनिधी विजय वारे एवं अशोक शुक्ला (राष्ट्रीय संरक्षक) उपस्थित रहेंगे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी धनश्याम वानखेड़े लांजी शिरकत करेंगे। प्रतियोगिता के अंतिम दिन 31 दिसंबर 2025 को दिन-रात की मंडई मेला आयोजित होगा। साथ ही रात्रि 10 बजे से छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। मंडई मेला समिति ने क्षेत्र के सभी खेल प्रेमियों, ग्रामीणों एवं दर्शकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन करें और आयोजन को यादगार बनाएं।

आयोजन समिति में यह हैं शामिल

रूद्दी मामा मंड़ई मेला समिति में मुख्य पदाधिकारी एवं सदस्य समिति के अध्यक्ष पवन कश्यप, उपाध्यक्ष हरिराम कलपुरे, कोषाध्यक्ष बेनीराम ढोक तथा कोच अरुणेंद्र दुरूगकर के नेतृत्व में सन्नी कश्यप, सुभाष चन्ने, योगेश सिल्हारे, निखिल सिल्हारे, गौरव मानकर, सुनील दहीकर, अश्विनी कश्यप, घनश्याम नारनौरे, राजा नागेश्वर, रामकिशोर नागेश्वर, विजय वराड़े, लक्ष्मण रणदिवे, अन्तु नारनौरे, शंकर कलपुरे, गौलू नागेश्वर, अनेक नागेश्वर, आरव सोलंकी, दिनेश बावनकर, राहुल दौने, राहुल बिसेन, सुमित गोयल सहित सभी सदस्य आयोजन को सफल बनाने में जी-जान से जुटे हैं।

शराब दुकान के सामने रोड पर वाहन, रोजाना लगता है जाम

लगातार खबर प्रकाशन के बाद भी पुलिस प्रशासन नहीं ले रहा संज्ञान

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सालेटेकरी मार्ग के मुख्य द्वार पर स्थित सोम कंपनी की शराब दुकान में संचालक (ठेकेदार) एवं पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता का खामियाजा यहां से गुजरने वाले राहगीरों सहित आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। वहीं स्कूली व कालेज जाने वाले छात्र-छात्राएं भी परेशान हैं। खाासकर महिलाओं को भारी परेशानियां का साामना करना पड़ रहा है। रोजाना अंग्रेजी शराब दुकान के इर्द-गिर्द मदिरा प्रेमियों द्वारा शराब लेने की चाहत में दुकान के बाहर सड़क मार्ग के दोनों ओर वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। इससे आये दिन सड़क पर जाम की स्थिति बन रही है वह शाम को हालत और भी खराब हो जाते है। शराबी शराब पीकर यहां वहां बदहवास होकर पड़े रहते हैं। इसके बावजूद शराब दुकान संचालक (ठेकेदार) एवं पुलिस प्रशासन की आंख नहीं खुल रही है। आम लोगों के लिए काफी चिंता का विषय बना हुआ है। नगर में अंग्रेजी शराब दुकान वर्तमान में व्यस्तम सालेटेकरी मार्ग पर संचालित हो रही है। यहां से रोजाना सैकड़ों की तादाद में महाविद्यालय में छात्र-छात्राएं पढने् आते जाते हैं। कोटेश्वर धाम भी इसी मार्ग से होकर जाना पड़ता है, सभी शासकीय कार्यालय भी इस मार्ग पर मिलते है। राहगीरों को शराबियों की गाली-गलोच से संघर्ष करना पड़ रहा है। कई शराबी नशे की हालत में सड़क पर गिरे पड़े रहे हैं। बावजूद वहां पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पार्षद के विरोध का भी नहीं पड़ा असर.

विदित हो की लांजी सालेटेकरी मार्ग पर स्थित शराब दुकान का वार्ड पार्षद श्रीमती पूनम आसटकर द्वारा शुरू से ही उक्त स्थान से शराब दुकान हटाये जाने की मांग की जा रही है। जिसके लिये उनके द्वारा नगर परिषद, कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन सौंपकर शराब दुकान हटाने की मांग की परंतु किसी के द्वारा भी उनकी इस मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया जिससे हालात दिनों दिन बद से बदतर होते जा रहे है। दूसरी ओर विगत एक पखवाड़े से उक्त शराब दुकान के कारण रोड़ पर हो रही पार्किंग और जाम सहित बेतरतीब तरीके से कंपनी द्वारा शासन के नियमों को दरकिनार कर मनमाने दाम पर शराब बेचे जाने को लेकर खबरों का प्रकाशन किया गया परंतु प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिये जाने से शराब दुकान संचालक के हौसले बुलंद हैं।

आबकारी कार्यालय हैं भी और नहीं भी...

इस संबंध में पूर्व में भी आबकारी अधिकारी को इस समस्या के साथ-साथ अवैधानिक रूप से शराब के मूल्य में कंपनी द्वारा बढ़ोत्तरी के संबंध में अवगत कराया जा चुका है परंतु उनके द्वारा दिखवाने और कार्यवाही करने का आश्वासन तो दिया जाता है परंतु जमीनी स्तर पर कार्यवाही कभी देखने को नहीं मिली जिसका मुख्य कारण किसी से छिपा नहीं है। लांजी नगर के हाऊबाग स्थित आबकारी कार्यालय तो जरूर है परंतु यहां अधिकारी कर्मचारी हैं भी या नहीं इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है। और शराब ठेकेदारों को भी इनका कोई भय नहीं है जिसके कारण वे धड़ल्ले से मनमाने दाम पर शराब बेच रहे हैं।

राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उसके अतुलनीय योगदान तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस रविवार 28 दिसंबर 2025 को लांजी में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी, बहेला एवं किरनापुर के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन सिद्धेश्वर मंगल भवन, भिलाई रोड, लांजी में किया गया। शुभारंभ महात्मा गांधी जी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के विचारों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। स्थापना दिवस समारोह के दौरान कांग्रेस पार्टी के इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका तथा आज़ादी के बाद देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में उसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचारधारा और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है, जिसने देश को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने संबोधन में नेताओं ने संविधान की सर्वोच्चता पर बल देते हुए कहा कि संविधान से बढ़कर कुछ भी नहीं है, हमें हर हाल में संविधान का सम्मान और संरक्षण करना चाहिए। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान करते हुए कहा गया कि प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पार्टी के लिए कार्य करना होगा। ग्राम पंचायत स्तर तक समितियों के गठन को संगठन विस्तार की प्राथमिकता बताया गया। कार्यक्रम में आगामी समय की रणनीतियों, संगठनात्मक मजबूती, जनसंपर्क और जनहित के मुद्दों को लेकर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह भरते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना आज की आवश्यकता है।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा कांग्रेस की स्थापना के उद्देश्य, उसके संघर्ष और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को एकजुट कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाना रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अर्चना खोंगल, देवेंद्र खोंगल, अजय अवसरें, ज्योति उमरे, यूसुफ पटेल, ऋषि दसरिया, रेवजी कराटकरे, प्रमोद अग्रवाल, सौरभ पशीने, राधेश्याम सिंगनदुबे, लक्ष्मण कुराहे, रीता रावते, मनीषा धारने, दिनेश लाडे, अफसाना सिद्दीक अंसारी, अरशद भाई, मोनू हरिनखेड़े, अमन श्रीवास्तव, अनमोल तिड़के, दिनेश चौहान, मुकेश रणदिवे, सोनू श्रीवास्तव, लीलाधर डोलस, चंद्रकांत किरनापुरे, राम गिरिया, अजीत नगपुरे, राजू मेंढे, सैय्यद अरसद, श्यामलाल बेदरे , गणेश राम नारनौरे,मुकेश दशरिया, अरविंद मर्सकोले, नरेंद्र लिल्हारे, जीतू मोरघडे, टुमन घोरमारे, घनश्याम पटले, लिखेन्द्र उपराड़े, राजू मस्करे, धनराज बोम्बरडे, राकेश बागड़े,योगदास नगपुरे, राधेश्याम नखाते सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। समारोह का समापन कांग्रेस की एकता, संविधान की रक्षा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के संकल्प के साथ किया गया।

एकल अभियान संच के तत्वावधान में किसान सम्मेलन एवं संगोष्ठी का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल अभियान संच-लांजी, अंचल-बालाघाट (महाकौशल, म.प्र.) के तत्वावधान में किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रोत्साहित करने तथा शासन की योजनाओं के अंतर्गत अनुदान पर मां की बगिया (न्यूनतम 50 डिसमिल भूमि में) की स्थापना के उद्देश्य से 28 दिसंबर को सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में किसान सम्मेलन एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। सम्मेलन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों से प्रत्यक्ष संवाद कर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर कृषि क्षेत्र के अनुभवी वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने किसानों को जैविक खेती की उन्नत तकनीकों, फसल विविधीकरण, पोषण सुरक्षा, टिकाऊ कृषि, विपणन संभावनाओं तथा मां की बगिया योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ, अनुदान की प्रक्रिया एवं योजना के क्रियान्वयन की व्यावहारिक जानकारी विस्तार से दी। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ परिवार की पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति और रासायनिक खेती से हटकर प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना रहा। मुख्य मार्गदर्शक के रूप में डॉ. एस. आर. धुवारे (वरिष्ठ वैज्ञानिक, राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव, किरनापुर), डॉ. उत्तम बिसेन (कृषि वैज्ञानिक, कृषि महाविद्यालय मुरझड़, वारासिवनी), मनोज पटले (मंडी निरीक्षक) एवं सुनील खरगाल उपस्थित रहे। वक्ताओं ने जैविक खाद निर्माण, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल-संरक्षण, बागवानी फसलों के चयन, बाजार से जुड़ाव, प्राकृतिक खेती तथा जीरो बजट खेती जैसे विषयों पर उपयोगी मार्गदर्शन दिया।

कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि रासायनिक खेती के दुष्परिणामों से बचने के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि फसलों पर दवा छिड़काव के कम से कम 10 दिनों तक उसका उपयोग न करें तथा प्राकृतिक तरीकों से खेती कर लागत कम कर अधिक लाभ प्राप्त करें। साथ ही यह भी बताया गया कि किसान स्वयं एक ब्रांड है और यदि वह सही विपणन रणनीति अपनाए तो बाजार का सीधा लाभ उठा सकता है।

वक्ताओं ने क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि जिले में धान की खेती मजबूरी बन गई है, लेकिन इसके साथ फसल विविधीकरण एवं 卐मां की बगिया जैसी योजनाओं से किसान अपनी आय और पोषण स्तर दोनों में सुधार कर सकते हैं। उन्होंने किसानों को विश्व का पालनहार अन्नदाता बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। एकल अभियान संच एवं समस्त संच समिति लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने क्षेत्र के समस्त किसान बंधुओं से सपरिवार ऐसे ज्ञानवर्धक आयोजनों में सहभागिता कर लाभ उठाने का विनम्र आग्रह किया।

कार्यक्रम में श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर, वीणा उपराड़े, लक्ष्मी किरनापुरे व एकल अभियान संच के सदस्यगण तथा क्षेत्र से आए किसान झनकार किरनापुरे, विशाल खोंगल, वीरेंद्र कालबेले, चन्दु किरनापुरे, सिद्धार्थ गजबीये, नंदकिशोर टेभंरे, नेहल गौतम, विजय मोहारे, वीरेंद्र लिल्हारे, नेतराम रतोने, राहुल लिल्हारे, सचिन तुमसरे, देवेंद्र पारधी, रजत कबीरे, सुरेंद्र बिसेन, सत्यपाल पारधी, शिव दशहरे, गोपालराव सातपुते, भागवत लिल्हारे, सिताराम गजबे, राकेश दमाहे, शिवकुमार, अशोक पिपरे सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

अंत में उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि सलाहकारों ने इस सफल आयोजन के लिए एकल अभियान संचङ्कलांजी की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

साकेत पब्लिक स्कूल में सफलतापूर्वक आयोजित हुई साइंस सर्कल की जूनियर एवं सीनियर वर्ग परीक्षा

पद्मेश न्यूज। लांजी। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान साकेत पब्लिक स्कूल, लांजी में रविवार को साइंस सर्कल के जूनियर एवं सीनियर वर्ग की परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। यह परीक्षा कक्षा 8वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें विज्ञान विषय में रुचि रखने वाले छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा में कुल 179 परीक्षार्थी नामांकित थे, जिनमें से 171 छात्र-छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा का संचालन सुचारु रूप से हुआ, जिसमें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष एवं विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र दुरूगकर तथा सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक धीरेंद्र सिंह कलचुरी (एम.एल.बी. बालाघाट) की उपस्थिति रही। उन्होंने परीक्षा की निगरानी की और छात्रों को प्रोत्साहित किया। परीक्षा के सफल संचालन में विद्यालय के शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनमें कोमल प्रसाद ठाकरे, सत्येंद्र मुरकुटे, निर्मल सिंह सोलंकी, थानेश बनोठे, प्रदीप रामटेके तथा शिक्षिकाओं श्रीमती सुरभी मिश्रा और कु. संध्या बिल्हारे शामिल हैं। इन सभी शिक्षकों ने परीक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभाई। साकेत पब्लिक स्कूल लांजी के इस आयोजन से छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रयास स्पष्ट झलकता है। विद्यालय प्रशासन ने सभी सहयोगियों और परीक्षार्थियों का आभार व्यक्त किया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

निवाड़ी स्कूल में 15 करोड़ 88 लाख के कथित गबन का मामला

हाईकोर्ट तक पहुंचा, डीईओ की जांच पर विवाद; वेतन रुका

भोपाल। निवाड़ी जिले के शास्त्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नेगुवा से जुड़ा कथित 15 करोड़ 88 लाख रुपये का घोटाले का मामला अब जिला स्तर से निकलकर राज्य की राजधानी भोपाल और जबलपुर हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। इस पूरे प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) की कार्यवाही पर स्कूल प्रबंधन ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं, वहीं डीईओ ने अपनी जांच को सही ठहराया है।

यह मामला तब सामने आया जब एक स्थानीय व्यक्ति ने विद्यालय के लेकर लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जांच की गई, जिसमें विद्यालय को फर्जी करार देते हुए आरोप लगाया गया कि कर्मचारियों की फर्जी नियुक्तियां कर उनके वेतन के नाम पर करीब 15 करोड़

88 लाख रुपये का गबन किया गया है। डीईओ ने इस संबंध में मामला दर्ज करने के आदेश दिए, लेकिन इस कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने स्थगन आदेश (स्टे) दे दिया है।

कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि जिला शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट तथ्यों से परे है। प्राचार्य राजेंद्र पाठक के अनुसार, मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2017 में 54 निजी विद्यालयों को शासकीय घोषित किया था, जिनमें शास्त्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेगुवा भी शामिल है। साथ ही, उसी वर्ष संविदा कर्मचारियों का संविलियन शासन के आदेश से किया गया था। प्राचार्य का आरोप है कि डीईओ द्वारा जानबूझकर विद्यालय को बदनाम किया जा रहा है और कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। प्राचार्य पाठक ने कहा कि डीईओ ने जिन शासकीय पत्रों को फर्जी बताया है, उनकी जांच भोपाल स्थित आईटीआई से कराई गई, जहां वे सही पाए गए। इसके बावजूद डीईओ ने उन तथ्यों को नजरअंदाज किया। उन्होंने क्रमोन्नति भुगतान को भी नियमों के अनुसार बताया और कहा कि 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर कर्मचारियों को यह लाभ दिया गया है।

पिछले एक वर्ष से वेतन नहीं मिला है

इस विवाद का सबसे गंभीर असर विद्यालय के 54 कर्मचारियों पर पड़ा है, जिन्हें पिछले एक वर्ष से वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन रोकने का कोई वैधानिक आदेश डीईओ के पास नहीं है, फिर भी भुगतान रोका गया है, जिससे उनके परिवारों के सामने भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। वहीं, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित सक्सेना का कहना है कि मामले की जांच एक समिति द्वारा की जा रही है। न्यायालय के निर्देशों के अनुसार जांच आगे बढ़ाई जा रही है और आवश्यक दस्तावेज प्रशासन से मांगे गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग में हुए घोटाले में पोर्टल के दस्तावेज से खुलेंगे कर्मचारी के मिली भगत के सबूत

भोपाल। स्कूली विद्यार्थी स्कॉलरशिप की राशि का इंतजार कर रहे हैं, वहीं विभाग के कर्मचारी सरकार से भेजी राशियों को अपने रिश्तेदार को परिचितों के खाते में जमा कर रहे हैं। इस बात का खुलासा भोपाल ट्रेजरी विभाग ने किया, जिसके बाद जांच में गड़बड़ियां सामने आई। कलेक्टर के निर्देश पर 150 से ज्यादा बैंक खाता सीज किए गए। अब संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा मामले की जांच कर रहा है। अब पोर्टल से हुए हस्तांतरण की जांच होगी।

शिक्षा विभाग में 2018 से अब तक विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति एवं शिक्षकों के वेतन और अन्य राशि में गड़बड़ियां चल रही थी। विगत सात वर्षों से इस हेर-फेर का खुलासा भोपाल ट्रेड मुख्यालय से हुआ, यहां के अधिकारी, ऑडिट विभाग को मामले की भनक नहीं रही, जब सात वर्षों में कई जिला शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक अधिकारी के पद पर पदस्थ रहे हैं। वर्तमान में जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भार्गव पहले बीईओ भी रही है। इस मामले में कलेक्टर के निर्देश के बाद संदिग्ध कर्मचारियों के रिश्तेदार एवं उनसे जुड़े लोगों के 150 बैंक खाता सीज कर दिए गए हैं, जिसकी जांच अब शुरू की जा रही है। इस मामले में शिक्षा विभाग के आईएफएमएस पोर्टल के माध्यम से जो राशि का ट्रांजेक्शन अन्यत्र खातों में किया गया इसकी जांच होगी, जिसमें कर्मचारियों की मिली भगत तो उजागर होगी। इस गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की प्राथमिक जांच में ही विभाग की गलियारों में सन्नाटा नजर आ रहा है जांच शुरू होगी तो कई इसके दायरे में आएंगे, अधिकारियों की भूमिका सहित कई अन्य खुलासे होने की संभावनाएं हैं। फिलहाल शिक्षा विभाग में सभी प्रमुख अधिकारी मौन है।

कांग्रेस का 1 जनवरी से घर चलो- गांव चलो-बूथ चलो अभियान

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा इंदौर सहित पूरे प्रदेश में 1 जनवरी से घर चलो-गांव चलो-बूथ चलो अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान में सक्रियता लाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त किए गए मध्य प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र के प्रभारी सचिव अपने क्षेत्र में ही डटे रहेंगे। इसके साथ ही हर विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए प्रभारी भी डेढ़ महीने तक अपने प्रभार के क्षेत्र में ही रहेंगे।

यह फैसला हाल ही में हुई मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विस्तृत बैठक में लिया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि इस बैठक में यह निश्चित किया गया है कि 1 जनवरी से 15 फरवरी तक हर घर, हर बूथ और हर गांव पर जाने का अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में एक तरफ जहां मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कार्य का परीक्षण किया जाएगा। दूसरी तरफ कांग्रेस की ग्राम पंचायत और वार्ड की कमेटी के गठन की प्रक्रिया को भी शुरू किया जाएगा। यह अभियान 1 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा। इस डेढ़ महीने की अवधि में कांग्रेस ने हर घर तक जाकर दस्तक देने का लक्ष्य रखा है। इस बैठक में कांग्रेस को एक बार फिर मैदानी बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। इस कार्य योजना के अनुसार अगले डेढ़ महीने में कांग्रेस के आधार को हर गांव तक विस्तार देने का काम किया जाएगा। यह कार्य योजना तैयार करने से पहले ही कांग्रेस के द्वारा प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग प्रभारी नियुक्त कर दिए गए हैं। इसके साथ ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा हर दो संभाग के लिए एक प्रभारी सचिव भी नियुक्त कर दिया गया है। अब प्रभारी सचिव और विधानसभा प्रभारी की देखरेख में ही पूरा अभियान का संचालन किया जाएगा।

हमीदिया में दो नहीं 10 से 12 वॉर्मर की प्लेट मिली खराब

- नवजात शिशुओं के लिए उपयोग में आने वाले वॉर्मर की गुणवत्ता पर उठे सवाल

भोपाल। मप्र में नवजात शिशुओं के लिए उपयोग में आने वाले वॉर्मर की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बीच जानकारी आई कि हमीदिया अस्पताल में सप्लाई 15 में से 10 से 12 के रेडिएंट वॉर्मर की प्लेट चटकी मिली थी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वॉर्मर में लगी एक्रेलिक प्लेट गर्मी (हीट) के कारण चटक रही है। हालांकि अब इसकी जांच के लिए अस्पताल प्रबंधन ने एहतियातन संबंधित वॉर्मरों को 15 दिन के ट्रायल पर रखा है, ताकि यह देखा जा सके कि हीट के कारण प्लेट दोबारा तो नहीं चटकती। मामले में यह बात भी सामने आई है कि टेंडर में यूपीएस इनबिल्ट बैटरी बैकअप मांगा गया, लेकिन सप्लायर के द्वारा इन्वर्टर बैटरी सप्लाई करने की बात सामने आई है। इनकी कीमत में अंतर होता है। हालांकि अब यह जांच का विषय है। हमीदिया अस्पताल के सूत्रों से जानकारी मिली है कि हमीदिया अस्पताल में अब तक 10 से 12 एक्रेलिक प्लेट और एक मदर बोर्ड के खराब होने की पुष्टि हुई है। जिनको सप्लायर ने बदला है। जांच में यह भी पता चला है कि प्लेट वॉरंटी में भी नहीं हैं। हालांकि सप्लायर का कहना है कि वॉर्मर साढ़े तीन साल की वारंटी में हैं और शिकायत मिलने पर सभी तकनीकी कमियों को दूर किया जा रहा है। इस मामले में तकनीकी जानकारों का कहना है कि एक्रेलिक प्लेट के एल्कोहोलिक रिएक्शन से चटकने की घटना पहली बार सामने आई है। विशेषज्ञों के अनुसार, वॉर्मर में सामान्यतः पॉलीकार्बोनेट मटेरियल का उपयोग किया जाता है, जो अधिक तापमान सहन करने में सक्षम होता है। यदि प्लेट में निर्धारित मानक के अनुसार पॉलीकार्बोनेट मटेरियल का उपयोग नहीं किया गया है, तो तापमान बढ़ने पर उसके चटकने की संभावना बढ़ जाती है।

अब ई-अटेंडेंस ही बनेगा शिक्षकों का वेतन

- पहुंचना ही नहीं, पूरा समय देना होगा स्कूल में

भोपाल। शिक्षकों को दिसंबर माह का ही नहीं, बल्कि अब आगे भी वेतन ई-अटेंडेंस के आधार पर ही मिलेगा। कई शिक्षकों का मानना है कि आदेश केवल नवंबर महीने के लिए ही था, लेकिनशिक्षा विभाग ने साफ किया है कि अब वेतन ई-अटेंडेंस के आधार पर ही मिलेगा। शिक्षा विभाग ने 28 नवंबर को आदेश जारी कर ई-अटेंडेंस के आधार पर शिक्षकों का वेतन भुगतान करने के निर्देश दिए थे। तब शिक्षकों ने समझा था कि यह आदेश केवल नवंबर महीने के ही लिए है, लेकिन अब यह नियम आगे भी जारी रहेगा।

यहां बता दें कि शिक्षा विभाग ने नवंबर महीने का वेतन शिक्षकों को ई-अटेंडेंस के आधार पर दिया था, जिससे जिले के तकरीबन सभी शिक्षक प्रभावित हुए थे यानी शिक्षकों को पांच दिन से लेकर पूरे महीने का वेतन ही रुक गया था। इस सख्ती के बाद शिक्षकों ने न केवल समय पर स्कूल पहुंचकर ई-अटेंडेंस लगाना शुरू कर दिया था,

बल्कि निर्धारित छुट्टी के समय पर लॉग आउट भी करना शुरू कर दिया। हालांकि शुरुआत में ई-अटेंडेंस का प्रतिशत धीमा रहा, लेकिन अब महीने के अंत तक 90 प्रतिशत शिक्षक व शाला प्रभारी ने केवल ई-अटेंडेंस लगाने के लिए लॉग इन हो रहे हैं, बल्कि लाग आउट भी हो रहे हैं।

90 प्रतिशत तक पहुंच ई-अटेंडेंस

जैसे-जैसे अब दिसंबर महीने का वेतन भुगतान का समय पास आ रहा है, शिक्षकों का ई-अटेंडेंस लगाने का ग्राफ भी बढ़ गया है। अब 90 प्रतिशत शिक्षकों व इतने ही प्रतिशत शाला प्रभारियों की ई-उपस्थिति दर्ज हो रही है। साथ ही अतिथि शिक्षकों की हाजिरी का प्रतिशत 93 प्रतिशत रहा। अब केवल 10 प्रतिशत शिक्षक व शाला प्रभारी ऐसे हैं जो ऑनलाइन उपस्थिति नहीं लगा रहे हैं।

इसलिए बढ़ी ऑनलाइन उपस्थिति

नवंबर महीने का वेतन ई-अटेंडेंस के आधार पर मिला है। ऐसे में उनका कुछ आर्थिक परेशानियां हुई। ऐसे में शिक्षकों को डर है कि यदि दिसंबर महीने में भी नवंबर महीने का आदेश जारी रहेगा तो उन्हें परेशानी हो जाएगी। स्थानीय शिक्षा विभाग के अफसरों के साथ-साथ प्रशासनिक अफसरों व भोपाल से लोक शिक्षण विभाग के अफसरों की नजर भी ई-अटेंडेंस पर है। ऐसे में शिक्षक अब ऑनलाइन उपस्थिति लगाने लगे है। घोषणा पत्र देने में पीछे शिक्षा विभाग ने 13 दिसंबर को आदेश दिया था कि जो शिक्षक ई-अटेंडेंस नियमित लगाने के साथ-साथ नियमित लॉग आउट करने का लिखित घोषणा पत्र विभाग को देते हैं तो उन्हें नवंबर का जो वेतन रुका है उसका भुगतान कर दिया जाएगा। लेकिन शिक्षक इस घोषणा पत्र को देने में काफी पीछे हैं। चारों ब्लॉक में अभी तक आधे शिक्षकों ने भी अपने घोषणा पत्र जमा नहीं कराए हैं। ऐसे में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जिन-जिन शिक्षकों के घोषणा पत्र आ रहे हैं, उनके वेतन पत्रक बनाकर कोषालय को भेज रहे हैं।

वोटर्स को नाम जोड़ने के लिए घोषणा पत्र में देना होगी 2003 की जानकारी

भोपाल। भोपाल सहित प्रदेशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में दावे-आपत्तियों की सुनवाई की जा रही है। साथ ही मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया भी जारी है। इसमें 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा मतदाताओं के नाम भी जोड़े जाएंगे। इन मतदाताओं को जन्म और पते के प्रमाण के साथ घोषणा पत्र भरना होगा।

घोषणा पत्र में युवा मतदाताओं को अपने माता-पिता की 2003 में मतदाता सूची में दर्ज जानकारी देना होगी। एसआईआर प्रक्रिया के तहत 22 जनवरी तक दावे-आपत्ति लिए जाएंगे। एक जनवरी 2026 तक 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े जा रहे हैं। इसके लिए, युवा मतदाताओं को फार्म-6 भरना होगा। यह फार्म ऑनलाइन के साथ ही ऑफलाइन भी भरे जा सकते हैं। ऑफलाइन के लिए सभी बूथों पर बीएलओ बैठ रहे हैं, जो युवा मतदाताओं के फार्म भरने की प्रक्रिया करेंगे। वहीं, वे लोग भी फार्म भर सकेंगे, जिनके नाम मतदाता सूची से कट गए हैं। इन मतदाताओं को भी फार्म-6 भरने के साथ ही घोषणा पत्र में 2003 की जानकारी देना होगी। यदि वह 2003 में मतदाता थे, तो उस समय के मतदाता क्रमांक, बूथ और विधानसभा क्रमांक की जानकारी देना होगी। यदि मतदाता नहीं थे, तो माता या पिता की जानकारी भरना होगी।

सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक समरसता और मितव्यता का संदेश देने का प्रभावी माध्यम - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति के 16 संस्कारों में पाणिग्रहण संस्कार का विशेष महत्व है। यह संस्कार ही परिवार परंपरा की निरंतरता का आधार बनता है। पाणिग्रहण संस्कार का संतों के सानिध्य और सामूहिक विवाह के आनंद के साथ संपन्न होना विशेष संयोग और सौभाग्य का प्रतीक है। सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक विभेद और फिजूल खर्ची जैसी बुराइयों की जगह सामाजिक समरसता और मितव्यता का संदेश देने का प्रभावी माध्यम हैं। समाज में सभी को ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करने में अपना योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भी अपने डॉक्टर बेटे का विवाह सामूहिक विवाह समारोह में ही किया। बिना ऊंच-नीच और जात-पात के भेद के होने वाले सामूहिक विवाह समारोहों का

आनंद अद्भुत है। उन्होंने कहा कि हम विवाह और मृत्यु भोज जैसे आयोजनों में फिजूल खर्ची को रोककर अपनी बचत और संसाधनों का उपयोग बच्चों को पढ़ाने-लिखाने और परिवार की बेहतरी में करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी उपस्थित जनसमुदाय को प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर जिले के क्षिप्रा में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा सह 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प वर्षा कर नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के साथ ईश्वर से नव विवाहितों को वैभव, यश, कीर्ति, और आनंद प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव विवाहित जोड़ों से माता-पिता की सेवा करने और समाज के कल्याण में योगदान देने का आह्वान भी किया। मुख्यमंत्री ने समारोह में नव विवाहित जोड़ों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

समारोह में कथा वाचक उत्तम स्वामी जी ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी सामूहिक विवाह कार्यक्रमों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। ऐसे आयोजनों से फिजूलखर्ची रुकती है और समाज में एक अच्छा संदेश भी जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने बेटे का विवाह सामूहिक आयोजन में कर पूरे प्रदेश में अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक एवं हेमंत खंडेलवाल सहित हितानंद शर्मा और बड़ी संख्या में नव विवाहित जोड़ों के परिजन उपस्थित रहे।

नए साल में मिलेगी इलेक्ट्रिक बस सेवा की बड़ी सौगात

साल 2026 में दौड़ेंगी 100 ई-बसें, नादरा बनेगा सिटी बसों का नया केंद्र

भोपाल। वर्ष 2026 की शुरुआत के साथ राजधानी को इलेक्ट्रिक बस सेवा की बड़ी सौगात मिलने वाली है। इससे शहर में बढ़ते प्रदूषण की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। 100 ई-बसें शहर के पांच प्रमुख मार्गों पर संचालित की जाएंगी, जिससे प्रतिदिन 80 हजार से अधिक यात्रियों को लाभ मिलने की संभावना है। ई-बसों के संचालन, चार्जिंग और रखरखाव के लिए भोपाल नगर निगम द्वारा दो हाईटेक डिपो विकसित किए जा रहे हैं। कस्तूरबा नगर और संत हिरदाराम नगर में बन रहे इन डिपो पर करीब 40 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इनमें विद्युत व्यवस्था, चार्जिंग स्टेशन, सर्विसिंग यूनिट और पार्किंग सहित सभी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। दोनों डिपो मिलकर 150 से अधिक बसों को खड़ा करने और मेंटेन करने में सक्षम होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार ई-बसों को पूरी तरह समावेशी बनाया जा रहा है। केंद्र शासन के दिशा-निर्देशों के तहत इनमें दिव्यांग यात्रियों के लिए व्हीलचेयर सुविधा और ऑटोमैटिक लिफ्ट लगाई जाएगी। महिला यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बसों में रीयल-टाइम ट्रैकिंग सिस्टम, लाइव सीसीटीवी निगरानी, जीपीएस, पैनिक बटन, पैसेंजर काउंटर और डिजिटल सूचना प्रणाली जैसी आधुनिक तकनीकें लगेंगी। शहर की बढ़ती आबादी और यात्री दबाव को देखते हुए ई-बस रूट ऐसे तय किए जा रहे हैं, जो घनी आबादी वाले क्षेत्रों के साथ सीमावर्ती इलाकों को भी कवर करेंगे। पांच प्रस्तावित रूट्स को जनसंख्या घनत्व और यातायात जरूरतों के आधार पर अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि अधिकतम नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके।

भोपाल, इंदौर समेत 5 जिलों में कोल्ड वेव का असर

प्रदेश का सबसे ठंडा जिला मंदसौर रहा, 2.9 डिग्री पर पहुंचा पारा

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल, इंदौर समेत 5 जिलों में कोल्ड वेव का असर बना हुआ है, जबकि मालवा क्षेत्र सबसे ज्यादा ठिठुरता नजर आ रहा है। प्रदेश का सबसे ठंडा जिला मंदसौर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शाजापुर में पारा 3.1 डिग्री तक लुढ़क गया। उत्तर भारत और हिमालयी राज्यों में जारी बर्फबारी ने मध्यप्रदेश में ठंड को और तीखा कर दिया है। प्रदेश के कई हिस्से शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में हैं। बीती रात मध्यप्रदेश के करीब 30 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा, जिससे रातें बेहद सर्द रहीं। मौसम विभाग ने रविवार को भोपाल, इंदौर, शाजापुर, सीहोर और राजगढ़ में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में दिन का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान है। ऐसे में धूप निकलने के बावजूद लोगों को ठंड

से राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने सुबह और शाम गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकलने की सलाह दी है। शनिवार को ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड अंचल में घना कोहरा छाया रहा। ग्वालियर, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली सहित 16 से ज्यादा जिलों में विजिबिलिटी बेहद कम रही। इसका सीधा असर रेल यातायात पर पड़ा और दिल्ली से भोपाल, इंदौर व उज्जैन आने वाली कई ट्रेनें देरी से पहुंचीं। भोपाल, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, मंदसौर, इंदौर, सिवनी, शहडोल और अनूपपुर में तेज सर्द हवाएं चलीं, जिससे ठंड और ज्यादा चुभने लगी। शहडोल के कल्याणपुर में पारा 3.2 डिग्री, राजगढ़ में 3.8 और पचमढ़ी में 4.8 डिग्री दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाएं और ऊंचाई पर बहने वाली तेज जेट स्ट्रीम मिलकर ठंड को दोगुना असरदार बना रही हैं। इस बार सर्दी नवंबर से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। भोपाल में नवंबर के दौरान लगातार 15 दिन शीतलहर चली, जो 1931 के बाद सबसे लंबा दौर रहा। 17 नवंबर की रात तापमान 5.2 डिग्री तक पहुंच गया था, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इंदौर में भी 25 साल बाद नवंबर में पारा 6.4 डिग्री तक गिरा। दिसंबर में भी ठंड का यह सिलसिला जारी है और कई शहरों में तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 30 दिसंबर को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हो सकता है, जिसका असर मध्यप्रदेश तक पहुंचेगा। इसके साथ ही जेट स्ट्रीम भी उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय है। शनिवार को यह जेट स्ट्रीम जमीन से करीब 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 222 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली।

आईएएस अफसरों की जातिगत बयानबाजी पर लगाएं रोक

- मंत्रालय कर्मचारी संघ ने पत्र लिख सीएम से की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश कॉडर के आइएएस अधिकारी आचरण नियमों के विपरीत जाकर बयानबाजी कर रहे हैं। इससे सामाजिक वातावरण भी बिगड़ रहा है। आइएएस अधिकारियों की असभ्य बयानबाजी पर रोक लगाकर समुचित कार्रवाई करने की मांग को लेकर मंत्रालय अधिकारी कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से मांग की है। इस संबंध में संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा सचिव कार्मिक को अभ्यावेदन दिया गया।

नायक ने कहा कि बीते कुछ माह से मध्य प्रदेश कॉडर के आइएएस अधिकारियों द्वारा आचरण नियमों के विपरीत जाकर लगातार असंवैधानिक बयानबाजी की जा रही है, जिससे प्रदेश की जनता में असुरक्षा, भय, भ्रम तथा अविश्वास का वातावरण बन रहा है। नायक ने दिए अभ्यावेदन में कुछ घटनाएं उदाहरण देते हुए बताया कि पदोन्नति नियम 2025 के क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित एवं उच्च स्तरीय शासकीय बैठक में तत्कालीन अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया आरक्षण को बढ़ाने की मांग करने लगे। मीटिंग में मौजूद दो अन्य वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों ने उनका समर्थन कर दिया, जबकि कैबिनेट का फैसला हो जाने के बाद उस पर सरकारी मीटिंग में प्रश्न उठाना अनुशासनहीनता के दायरे में आता है। 23 नवंबर को अजाक्स कर्मचारी संगठन के सम्मेलन में बोलते हुए आइएएस अधिकारी संतोष वर्मा ने कहा कि जब तक कोई ब्राह्मण उनके बेटे को अपनी बेटी दान में नहीं देता या उससे संबंध नहीं बनवाता, तब तक क्रीमी लेयर लागू नहीं हो सकती। इससे पूरे देश में ब्राह्मण समाज के आंदोलन शुरू हो गए। इसी सम्मेलन में ही आइएएस अधिकारी मीनाक्षी सिंह ने कहा कि जातिवादी होना और जातिवादी मानसिकता रखना आज के वक्त की मांग है और हमें जातिवादी होना चाहिए।

नगरीय निकाय एवं पंचायत उप निर्वाचन की सभी तैयारियां पूर्ण

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने बताया है कि नगरीय निकाय एवं पंचायत उप निर्वाचन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उप निर्वाचन के लिए मतदान 29 दिसंबर को होगा। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 31 दिसम्बर को सुबह 9 बजे से होगी। पंचायतों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकास खण्ड मुख्यालय पर ई.व्ही.एम. से की जाने वाली मतगणना 2 जनवरी को सुबह 8 बजे से होगी।

2025 में भारतीय टीम ने कुल 14 वनडे मैच खेले, 7 साल बाद आईसीसी मेंस चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी

वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में रोहित और विराट टॉप 7 से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी।

साल 2025 वनडे क्रिकेट के लिहाज से काफी अहम रहा। इस साल 7 साल बाद आईसीसी मेंस चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी हुई। भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार खिताब जीता।

इस दौरान साल 2025 में भारतीय टीम ने कुल 14 वनडे मैच खेले। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए, लेकिन अगर वर्ल्ड लेवल की बात की जाए तो दोनों ही बल्लेबाज टॉप-7 से बाहर हैं।

जो रूट के नाम सबसे ज्यादा रन

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड एक भी मैच नहीं जीत पाई थी और अफगानिस्तान जैसी टीम से भी उसे हार का सामना करना पड़ा था, जिसकी वजह से वह अगले दौर के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर पाई थी। इसके बावजूद जो रूट इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। साल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो इंग्लैंड के जो रूट ने 15 मैचों में 57.71 की औसत से 808 रन बनाए। इस दौरान उनका हाई स्कोर 166 रहा। उन्होंने तीन शतक और चार अर्धशतक लगाए। न्यूजीलैंड के डैरिल मिचेल ने 17 मैचों की 16 पारियों में 761 रन बनाए। उनका औसत 54.35 का रहा। मिशेल ने एक शतक और पांच अर्धशतक की पारियां खेलीं। स्कॉटलैंड के जॉर्ज मुंशी ने 11 मैचों की 11 पारियों में 735 रन बनाए और उ न क ा औसत 73.50 का रहा। साउथ अफ्रीका के मैथ्यू ब्रिट्जके ने 12 मैचों की 12 पारियों में 706 रन बनाए। उनका औसत 64.18 रहा। उन्होंने एक शतक और छह अर्धशतक लगाए। वेस्टइंडीज के शाई होप पांचवें स्थान पर हैं। होप ने इस साल 15 मैचों की 15 पारियों में 670 रन बनाए। उनका औसत 50.83 का रहा। होप ने 2025 में दो शतक और चार अर्धशतक लगाए। पाकिस्तान के आगा सलमान ने 17 मैचों की 16 पारियों में 667 रन बनाए और उनका औसत 47.64 का रहा। उन्होंने दो शतक और तीन अर्धशतक लगाए। इसके अलावा यूएसए के मिलिंद कुमार भी इस लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने 12 मैचों की 12 पारियों में 652 रन बनाए। उनका औसत 81 का रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक और पांच अर्धशतक लगाए।

8वें स्थान पर विराट कोहली

विराट कोहली इस लिस्ट में आठवें स्थान पर हैं। उन्होंने 13 मैचों की 13 पारियों में 651 रन बनाए। कोहली का औसत 65.80 का रहा और उन्होंने तीन शतक और चार अर्धशतक लगाए। रोहित शर्मा ने भी 2025 में दो शतक और चार अर्धशतक की पारियां खेलीं। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र ने 14 मैचों की 14 पारियों में 43.14 की औसत से 604 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने दो शतक और तीन अर्धशतक लगाए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में ऋषभ की जगह ईशान को मिल सकता है अवसर

शुभमन की कप्तान के तौर पर वापसी तय, श्रेयस पर संशय बरकरार

मुम्बई । नये साल की शुरआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह पर ईशान किशन को अवसर मिल सकता है। ऋषभ पिछले कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वहीं ईशान ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसके कारण उन्हें टी20 विश्वकप के लिए भी बैकअप विकेटकीपर के तौर पर रखा गया है। वहीं पिछले कुछ समय से गर्दन की अकड़न के कारण टीम से बाहर चल रहे शुभमन गिल एक बार फिर इस सीरीज से एकदिवसीय टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। बीसीसीआई चयन समिति के अनुसार टीम प्रबंधन फॉर्म और टीम संतुलन को प्राथमिकता देना चाहता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 11 से 18 जनवरी तक खेली जाएगी। इसके लिए टीम की घोषणा इस सप्ताह के अंत तक हो सकती है। इसमें ऋषभ के बाहर होने की स्थिति में ईशान को अवसर मिलना तय है। गौरतलब है कि ऋषभ ने भारतीय टीम की ओर से अंतिम एकदिवसीय साल 2024 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेला था। वह चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी भारतीय दल में शामिल थे पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। वहीं अब चयनकर्ता न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बदलाव चाहते हैं।वहीं ईशान की दो साल से अधिक समय के बाद टीम में वापसी हो सकती है। ईशान ने अंतिम बार अक्टूबर 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेला था। ईशान ने हाल ही में अपनी कप्तानी में झारखंड को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में जीत दिलायी। इस टूर्नामेंट में ईशान ने काफी रन बनाये। टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने हरियाणा के खिलाफ शतक भी लगाया था। इसो बाद विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में कर्नाटक के खिलाफ उन्होंने केवल 33 गेंदों में शतक लगाया। न्यूजीलैंड सीरीज से शुभमन जहां वापसी करेंगे। वहीं उप-कप्तान श्रेयस अय्यर का खेलना अभी तय नहीं हैं। श्रेयस पसली की चोट के बाद से ही टीम से बाहर हैं और अभी तक पूरी तरफ से फिट नहीं हुए हैं।

स्टार्क डब्ल्यूटीसी सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में दो विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब स्टार्क इस साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। अभी तक इस साल डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक विकेट भारत के में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के नाम पर थे। वहीं अब सिराज दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। स्टार्क पेसर स्टार्क ने डब्लयूटीसी 2025-27 में अब तक 7 मैचों की 14 पारियों में 41 विकेट लिए हैं। वहीं सिराज ने 9 टेस्ट मैचों में 39 विकेट अपने नाम किये हैं। स्टार्क ने अब तक इस एशेज 2025-26 सीरीज में सबसे अधिक विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में उन्होंने 26 विकेट लिए हैं। स्टार्क ने अब तक 53 टेस्ट मैचों में 217 विकेट अपने नाम किए हैं। अगर वह एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट में 8 विकेट और हासिल कर लेते हैं, तो वह अपने ही साथी गेंदबाज नाथन लायन को पीछे छोड़कर डब्लयूटीसी इतिहास के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन सकते हैं। डब्ल्यूटीसी में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के जोश टंग हैं। टंग ने 5 मैच में 31 विकेट लिए हैं।

टिम डेविड के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया ही नहीं आरसीबी की भी मुश्किलें बढ़ीं

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड के बिग बैश लीग (बीबीएल) में चोटिल होने से आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। डेविड को बीबीएल मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था। टिम को ये खिंचाव पर्थ स्टेडियम में हॉबर्ट हरिकेन्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच मुकाबले में आया था। मैच में दूसरा रन लेने के प्रयास में उनके पैर में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर गये। इससे अब उनका टी20 विश्वकप और आईपीएल खेलना संदिग्ध हो गया है। इससे पहले 2025 में आईपीएल में भी टिम को इसी प्रकार से खिंचाव आया थ और वह दो माह के लिए मैदान से बाहर हो गये थे। इससे वह आसीबी के प्लेऑफ अभियान से भी बाहर हो गए थे। इसके बाद से ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उनका कार्याभार प्रबंधन शुरु कर दिया था। वर्कलोड को लेकर सतर्क रवैया अपनाया था। टिम आरसीबी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। वह नंबर 4 और 5 पर आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने नंबर 4 या 5 पर खेलते हुए उन्होंने इस साल अपना पहला टी20 शतक लगाया था। इसके अलावा वह दक्षिण् अफ्रीका के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने थे। उनका टी20 औसत 36.27 और स्ट्राइक रेट 168.88 का रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को अगले महीने आईसीसी विश्वकप को देखते हुए आईसीसी को 15 सदस्यीय टीम सौंपनी है पर अब उनकी फिटनेस से चयनकर्ताओं की परेशानी बढ़ गयी है। इसी प्रकार उनका चोटिल होना आरसीबी के लिए भी करारा झटका है।

ऑकलैंड क्लासिक 5 से 11 जनवरी तक खेला जाएगा

वीनस को मिला वाइल्ड कार्ड

वॉशिंगटन। न्यूजीलैंड में अगले साल की शुरुआत में ऑकलैंड क्लासिक 5 से 11 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा। इसमें अमेरिका की अनुभवी टेनिस स्टार वीनस विलियम्स भी खेलेंगी। वीनस को इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। इससे 18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए अभ्यास का अभी अच्छा अवसरा मिलेगा।

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस लंबे ब्रेक के बाद इसी साल में प्रतियोगिता में लौटीं थी। उन्होंने वाशिंगटन में विश्व नंबर 35 पेटन स्टर्न्स को हराकर शानदार वापसी की थी। इससे वह महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे अधिक उम्र की खिलाड़ी बनी थी। इसके बाद भी उन्हें एकल और युगल में अमेरिकी ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला है। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से मुकाबला किया और कनाडा की लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं थी।

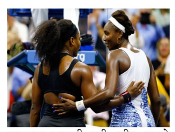

ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा प्रभाव रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल वीनस को देखते हुए देखने का यह अवसर खोना नहीं छोड़ना चाहिए।

2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहले ही दबाव में आ गयी थी भारतीय टीम - फिंच

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ऑरोन फिंच ने कहा है कि 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारतीय टीम पहले ही दबाव में आ गयी थी। इसी कारण वह मैच उसके हाथ से निकल गया था। फिंच के अनुसार भारतीय टीम उस मैच में इतने अधिक दबाव में थी कि टीम खुलकर नहीं खेल पायी। इसी कारण उसे हार झेलनी पड़ी।

फिंच ने साल 2022 के सेमीफाइनल को लेकर कहा कि भारतीय टीम उसे मैच में हार से बचने की मानकिता के साथ खेल रही थी जिसका उसे नुकसान हुआ। इस पूर्व कप्तान के अनुसार जब टीम जीत की जगह हार से बचने का प्रयास करती है तो उसपर दबाव आ जाता है। टीम को जीत के निडर होकर प्रयास करना होता है। फिंच ने बताया कि बड़े टूर्नामेंट में बाहर होने के बाद टीमों को अपनी रणनीति पर विचार करते हुए छोटे लक्ष्य तय करते हुए प्रयास करना चाहिये। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन इयोन मॉर्गन भी फिंच से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि शुरुआती दस ओवरों के बाद भारत की बल्लेबाज़ी पर दबाव आ गया था। टीम ने पहले तेज शुरुआत की थी पर बाद में वह कमजोर पड़ गयी थी। इस मामले को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि तब बार-बार बदलावों से भी नुकसान हुआ। साथ ही कहा कि एक स्थिर अंतिम ग्यारह अच्छी रहती है।

पोलार्ड की आतिशी पारी से जीती एमआई एमिरेट्स

अबूधाबी। कप्तान कीरोन पोलार्ड की आक्रामक बल्लेबाजी से एमआई एमिरेट्स की टीम दुबई कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शीर्ष दो में पहुंच गयी है। पोलार्ड ने एक ओवर में ही 30 रन बनाकर मुकाबला अपनी टीम की ओर मोड़ दिया। टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में पोलार्ड के अलावा एमआई एमिरेट्स के गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए कैपिटल्स को 122 रन पर ही रोक दिया। कैपिटल्स की ओर से केवल मोहम्मद नबी ही 22 रन बना पाये। एमआई एमिरेट्स की ओर से गजनफर ने 28 रन देकर तीन विकेट जबकि शाकिब अल हसन ने चार ओवरों में 11 रन देकर एक विकेट लिया। वहीं पोलार्ड ने 31 गेंदों में नाबाद 44 रन की पारी खेली जिससे एमिरेट्स ने 16.4 ओवर में ही दो विकेट पर 126 रन बना दिये। उसके 30 रन एक ही ओवर में आये। अमीरात को अंतिम 6 ओवर में जीत के लिए 40 रनों की जरुरत थी। ऐसे में पोलार्ड ने तेजी से रन बटोरे। उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का और उसके बाद चौक लगाकर मैच का रुख मोड़ दिया। इसके बाद पोलार्ड ने लगाकर तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। ।

भारतीय बैडमिंटन के लिए मिलाजुला रहा ये साल

नई दिल्ली । साल 2025 भारतीय बैडमिंटन के लिए मिला-जुला रहा। इसमें स्टार खिलाड़ियों लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन वहीं सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीते। इसके अलावा उभरते हुए खिलाड़ियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं बैडमिंटन स्टार वहीं पीवी सिंधु सहित कई दिग्गजों को फार्म के लिए संघर्ष करना पड़ा है। इससे इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। इससे एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप और सुदीरमन कप में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

लक्ष्य सेन - इस साल एकल में लक्ष्य की ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत सबसे बड़ी उपलब्धि रही। सेन ने साल 2023 में कनाडा ओपन के बाद पहली बार सुपर 500 खिताब जीता । वहीं । हांगकांग ओपन में वह उपविजेता रहे थे।

सात्विक और चिराग - युगल में सात्विक और चिराग ने इस साल फिटनेस जैसी समस्या से उबरकर पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, हांगकांग ओपन और चीन मास्टर्स के फाइनल में तक ये जोड़ी पहुंची। इसके अलावा बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली से पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनी।

किदाम्बी श्रीकांत - किदाम्बी श्रीकांत ने इस सत्र में की शुरुआत अच्छी की पर वह कोई खिताब नहीं जीत पाए। मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल में वह उपविजेता रहकर रहे। वहीं गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने महिला युगल खिताब पर अपना कब्ज बनाये रखा।

आयुष शेट्टी - भारतीय बैडमिंटन को इस साल आयुष शेट्टी जैसी प्रतिभा मिली। आयुष ने अमेरकी ओपन सुपर 300 जीता और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने जापान के कोदाई नाराओका, पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू, चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन और कनाडा के ब्रायन यांग को हराकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इसके अलावा इस साल 16 साल की तन्वी शर्मा ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा को साबित किया ।वह अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी पहुंची थी। इसके अलावा तन्वी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। हासिल की। तन्वी गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रही है। इसके अलावा उन्नति हुडा ने विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारत को कांस्य पदक दिलाया। दूसरी ओर चीन मास्टर्स में पीवी सिंधु पर मिली जीत से उनक प्रतिभा साबित हुइ है । गुवाहाटी मास्टर्स में संस्कार सारस्वत ने अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता। भारत के सीनियर खिलाड़ियों के लिए हालांकि वर्ष 2025 काफी हद तक निराशाजनक साबित हुआ।

पीवी सिंधु - ये साल स्टार खिलाड़ी सिंधु के लिए अच्छा नहीं रहा। इस साल ओलंपिक पदक विजेता सिंधु तीन टूर्नामेंटों में बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं पर हार गयी। वहीं छह बार पहले दौर में और चार बार दूसरे दौर में ही वह बाहर हुईं। सिंधु फिटनेस को लेकर भी परेशान रहीं। साल की शुरुआत में हैमस्ट्रिंग की समस्या ने उनके अभियान को बाधित किया, जिसके बाद पैर में चोट लगने के बाद वह अक्टूबर के बाद सभी बीडब्ल्यूएफ प्रतियोगिताओं से नाम वापस हो गयीं।

एचएस प्रणय - एचएस प्रणय के लिए यह सत्र और भी कठिन रहा। चोटों के कारण वह कहीं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। इंडिया ओपन में टखने की चोट और सितंबर में कोरिया ओपन में पसली की मांसपेशियों में लगी चोट के कारण वह अभ्यास भी नहीं कर पाये जिससे भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। रूप से अभ्यास नहीं कर पाए, जिससे उन्हें नौ बार दूसरे दौर से और आठ बार पहले दौर से बाहर होना पड़ा। भारत ने टीम प्रतियोगिताओं में भी निराशाजनक प्रदर्शन किया।

इंग्लैंड की बॉक्सिंग डे टेस्ट में जीत के बाद डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में हल्का बदलाव

मेलबर्न । इंग्लैंड की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के बॉक्सिंग डे टेस्ट में जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में बदलाव नहीं आया है। इस जीत से इंग्लैंड का अंक परसेंटेज (पीसीटी) 35.19 हो गया है। वहीं पहले यह 27.08 था। इंग्लैंड के स्थान में कोई बदलाव नहीं आया है और वह अब भी सातवें स्थान पर ही हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक 7 मुकाबले इस चक्र में खेले हैं और 6 में जीत हासिल की है। है। पहले ऑस्ट्रेलिया की पीसीटी 100 परसेंट थी जो अब कम होकर 85.71 हो गई है हालांकि वह अब भी नंबर एक पर बनी हुई है। उसकी जगह में बदलाव नहीं आया है। न्यूजीलैंड 3 में से 2 मुकाबले जीतकर 77.78 पीसीटी के साथ अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका 75 अंक परसेंटेज के साथ तीसरे जबकि श्रीलंका 66.67 पीसीटी के साथ ही चौथे पर है। । 50 पीसीटी के साथ पांचवें पर पाकिस्तान जबकि 48.15 पीसीटी के साथ ही छठे पर भारतीय टीम है। भारतीय टीम का अब तक का सफर अच्छा नहीं रहा है। वह 9 में से केवल 4 मुकाबले ही जीत पायी है जबकि 4 में हारी है। वहीं एक मैच ड्रॉ रहा है।

अब 2026 टी20 विश्वकप जीतना चाहती है भारतीय महिला टीम - हरमनप्रीत

त्रिवेंद्रम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। भारतीय टीम ने इसी साल हरमनप्रीत की कप्तान में एकदिवसीय विश्वकप जीता था जिसके बाद से ही उसके हौंसले बुलंद हैं। श्रीलंका के खिलाफ जारी सीरी में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती तीन मैच आसानी से जीत लिए हैं।

हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है जिसमें भारतीय गेंदबाज सफल रहे हैं।

सैय्यद लियाकत अली बनाए गए एमआईएम के जिला अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हैदराबाद सांसद असुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को बिहार और महाराष्ट्र में मिली बड़ी कामयाबी के बाद मप्र में भी पार्टी अपनी जड़ें मजबूत कर रही है।शायद यही वजह है कि वर्ष 2021 में भांग की गई जिला कार्यकारिणी को एक बार फिर वजूद में लाया गया है वही प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान और संभाग अध्यक्ष सरफराज खान की पहल पर बालाघाट जिले में एक बार फिर से एमआईएम पार्टी की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है।वरिष्ठ पदाधिकारियो के मार्गदर्शन में घोषित की गई इस नई कार्यकारिणी में भरवेली निवासी सैय्यद लियाकत अली को जिला अध्यक्ष की कमान सौंप गई है, तो वही जिला अध्यक्ष ने रविवार को सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकारवार्ता में जिला कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए जल्द ही बालाघाट नगर सहित जिले के सभी ब्लॉकों की कार्यकारिणी की घोषणा किए जाने की बात कही है। सर्किट हाउस में नई कार्यकारिणी की घोषणा के तुरंत बाद एमआईएम जिला कार्यकारिणी द्वारा नगर में एक वाहन रैली निकल गई है जहां पार्टी पदाधिकारी ने आगामी समय में एमआईएम पार्टी को गांव से लेकर बूथ, ब्लॉक और जिला स्तर पर मजबूत बनाकर एसटी, एससी,ओबीसी माइनॉरिटी गरीब, मजलूम, महिलाओं, आदि की आवाज को बुलंद करने और सड़क, बिजली, पानी नाली, शिक्षा बेरोजगारी आदि जनहित के मुद्दों को उठाते हुए आगामी समय मे होने वाले सभी चुनाव में अपनी ताल ठोकने का ऐलान भी किया है।

इन्हें सौपी गई जिले की कमान

एमआईएम पार्टी की नवीन कार्यकारिणी में सैय्यद लियाकत अली को जिला अध्यक्ष बनाया गया है, तो वही मो. नवाब खान को उपाध्यक्ष की कमान सौपी गई है। इसी तरह शेख सलाम को सचिव के पद से नवाजा गया है। तो वही अनवर खान,जैनुल खान और रफीक खान को सहसचिव बनाया गया है।वही अब्दुल कलीम खान को कोषाध्यक्ष, तो वही सोहेल खान को जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष के पद से नवाजा गया है। इसके अलावा पदाधिकारी को विभिन्न पद सौंपते हुए जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जहां अध्यक्ष द्वारा जल्द ही नगर और जिले के सभी ब्लॉक में कार्यकारिणी की घोषणा किए जाने की बात कही गई है।

पूर्व अध्यक्ष रहे नदारत, पार्टी निकाली रैली

एमआईएम जिला कार्यकारिणी की घोषणा के दौरान पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष मो नकी शेख इस पूरे कार्यक्रम से नदारत रहे। उधर कार्य करने की घोषणा के बाद नवीन कार्यकारी द्वारा नगर में एक वाहन रैली निकाली गई यह रैली सर्किट हाउस बीजेपी कार्यालय होते हुए जय स्तंभ चौक वहां से रविदास चौक वहां से जिला अस्पताल होते हुए बस स्टैंड रानी अवंती बाई चौक वहां से बिहार रोड राजा चौक अंजुमन शादी हॉल के सामने से होते हुए शास्त्री चौक वहां से भैया रोड होते हुए संविधान चौक से सीधे बरेली पहुंची जहां पर इस रैली का समापन किया गया।

एमआईएम सिर्फ नाम नहीं, सभी के हक की आवाज है-लियाकत

नव नियुक्त जिला अध्यक्ष सैय्यद लियाकत अली ने पत्रकारों को बताया कि पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी के निर्देशन पर बालाघाट जिले में एमआईएम पार्टी का पुनर्गठन किया गया है और उन्हें अध्यक्ष बनाया गया है आज उन्होंने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है जल्द ही नगर और जिले के सभी ब्लॉकों में कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी।उन्होंने बताया कि एमआईएम पार्टी सिर्फ नाम नहीं,बल्कि हर किसी के हक की आवाज है। एमआईएम गरीबों मजदूरों एसटी, एससी ,ओबीसी, माइनॉरिटी महिलाओं किसानों और युवाओं की पार्टी है।किसी के ऊपर भी यदि अत्याचार होता है तो हम उनकी आवाज बनेंगे। सड़क, बिजली, पानी, नाली, किसानों, युवाओं और बेरोजगारी के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने बताया कि एमआईएम पार्टी सिर्फ मुसलमान की पार्टी नहीं है बल्कि यह हर किसी की पार्टी है। हम जो भी कार्य करेंगे संविधान के दायरे में रहकर करेंगे। यदि उठाए गए मुद्दे हल नहीं होते तो फिर सड़क पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

अब 1 जनवरी से प्रदेशभर में लागू होगी ई-टोकन से खाद वितरण व्यवस्था

भोपाल । किसानों को घर बैठे खाद उपलब्ध कराने के लिए जबलपुर, विदिशा और शाजापुर जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत जो ई-टोकन व्यवस्था शुरू की गई थी, वह सफल रही है। इस व्यवस्था की सफलता को देखते हुए इसे 1 जनवरी 2026 से प्रदेशभर में लागू किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, योजना का फायदा यह रहा कि खाद लेने के लिए किसानों को न तो कतार में खड़ा होना पड़ा, न ही दस्तावेज लेकर भटकने की जरूरत पड़ी। उन्होंने अपने मोबाइल या कंप्यूटर से ई-टोकन पोर्टल पर वांछित जानकारी दर्ज की, जिसके साथ ही तय मात्रा में खाद बुक हो गई। उसके बाद किसानों ने अपनी सुविधा के मुताबिक वितरण केंद्र से खाद प्राप्त कर ली।

गौरतलब है कि किसानों को रसायनिक खाद वितरण में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए कृषि विभाग ने लगातार अनेक उपाय किए पर सफलता नहीं मिली। वितरण केंद्रों में खाद पाने किसानों की कतार लंबी होती गई। स्थाई समाधान की दिशा में कार्य करते हुए शासन ने एक अक्टूबर 2025 से खाद वितरण की नई व्यवस्था ई-टोकन का प्रयोग किया। इसके बेहतर परिणाम सामने आए।

कोचेवाही में 31 से श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोचेवाही में आगामी 31 दिसंबर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन स्वर्गीय सेवक प्रसाद तिवारी एवं स्वर्गीय शंकर प्रसाद तिवारी की पुण्य स्मृति में रखा गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार, धर्मङ्कसंस्कारों का संवर्धन तथा समाज में सद्भाव का संदेश देना है।

आयोजन स्थल विजय प्रसाद तिवारी के निज निवास ग्राम कोचेवाही (तहसील लांजी) में रहेगा। आयोजक विजय प्रसाद तिवारी एवं समस्त तिवारी परिवार तथा ग्रामवासी कोचेवाही द्वारा श्रद्धालुजनों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्यलाभ अर्जित करने का आग्रह किया गया है। कथा एवं पाठ का समय- मूल पाठ ञ प्रातः 07ञ30 बजे से 10ञ30 बजे तक,कथा वाचन ञ दोपहर 12ञ00 बजे से सायं 05ञ00 बजे तक कथा व्यास। इस दिव्य आयोजन में पं. श्री रंजीत दुबे (महाराजपुर, मण्डला) कथा व्यास के रूप में श्रीमद् भागवत की अमृतमयी कथाओं का वाचन करेंगे।

उक्त श्रीमद्भागवत कथा का कार्यक्रम 31 दिसंबर 202 5को कलश शोभायात्रा, भागवत महात्म्य, 01 जनवरी 2026 को परीक्षित जन्म, शुकदेव आगमन, 02 जनवरी 2026 को सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, प्रभु चरित्र, 03 जनवरी 2026 को भरत चरित्र, अजामिल कथा, प्रह्लाद चरित्र, 04 जनवरी 2026 को गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, श्रीराम कथा एवं कृष्ण जन्मोत्सव, 05 जनवरी 2026 को एवं कृष्णा (कान्हा) का यज्ञोपवीत, कृष्ण लीला, गोवर्धन पूजा, माखन लीला, रुक्मिणी विवाह, 06 जनवरी को आठ पटरानियों की कथा, श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र, 07 जनवरी 2025 को वेद स्तुति, कलिधर्म कथा, उद्धव संवाद, परीक्षित मोक्ष, 08 जनवरी 2026 को गीता पाठ, तुलसी वर्षा, चढ़ोत्तरी एवं यज्ञ व महाप्रसादी का आयोजन किया गया है।

आयोजकों ने बताया कि सप्ताह भर चलने वाले इस ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएंगी। समस्त क्षेत्रवासियों, परिजनों एवं श्रद्धालु भक्तजनों से सादर अनुरोध है कि इस पावन अवसर पर सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

किरनापुर मे ऑल इंडिया वालीबॉल टूर्नामेंट का 16 जनवरी से होगा भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब किरनापुर के तत्वावधान मे किरनापुर महोत्सव का तीन दिवसीय वालीबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन आगामी 16 जनवरी से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध मे टूर्नामेंट समिति की आवश्यक बैठक रविवार को पुनः शाम 6 बजे वालीबॉल मैदान मे आयोजित की गई। बैठक के दौरान तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर मे वालीबॉल टूर्नामेंट का अनिवार्य रूप से आयोजन किए जाने को लेकर बैठक आयोजित करते हुए संबंधित सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। वही इस दौरान टूर्नामेंट मे देश की प्रसिद्ध टीमों की उपलब्धता एवं अन्य स्थानों पर होने वाले टूर्नामेंट पर भी चर्चा की गई। इस संबंध मे टूर्नामेंट समिति उपाध्यक्ष मुकेश चौहान ने जानकारी मे बताया कि ऑल इंडिया वालीबॉल टूर्नामेंट विगत 23 वर्षों से सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब के तत्वावधान मे किरनापुर महोत्सव के रूप मे मनाया जाता है। लेकिन हमें बड़े ही दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि जिस सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब की स्थापना हमारे बड़े भाई अब्दुल समद ताजर द्वारा किया गया वो आज हमारे बीच में नही है। टूर्नामेंट समिति तो महज़ नाममात्र है। इस टूर्नामेंट को सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने मे सभी ग्रामवासियों का अमूल्यनीय सहयोग मिलता है। जिसके कारण अनवरत 23 सालों से टूर्नामेंट हो रहा है। और वर्ष 2026 मे आगामी 16,17 एवं 18 जनवरी 2026 को तीन दिवसीय वालीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन होना तय है। जिसके लिए बजट की व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिए मैदान, आवास एवं भोजन व्यवस्था सुचारू रूप से सम्पन्न की जाती है। देश के विभिन्न 14 राज्यों से टीमें इस टूर्नामेंट मे शामिल होते रही है और इस मर्तबा भी 10 से 12 टीमें अलग अलग राज्यों से पहुंचने की संभावना बनी हुई है। जिसके लिए भाई संजू चौधरी और अजय मर्सकोले लगातार टीमों से संपर्क कर रहे हैं।इस अवसर पर टूर्नामेंट समिति अध्यक्ष डॉ नन्हें बहेकार, उपाध्यक्ष मुकेश चौहान,सचिव शिव तारन, कोषाध्यक्ष संजय चौधरी,आर पी श्रीवास्तव, लखन यादव,मंगल प्रसाद रैकवार, जे.पी. रामटेके,अजय मर्सकोले, अनिल चापेकर, बंटी अर्जुनवार,अंकुश पचभैया, राकेश बोरकर, अहद ताजर, शुभम शेंडे,दीपक भालाधरे, सुमित रहेकवार, अंकुश गोस्वामी,पीयूष शर्मा, अमोल पचभैया सहित अनेक सदस्यगण एवं वालीबॉल खिलाड़ियो की मौजूदगी रही।

महबूबा का विवादित बयान...हिंदुस्तान अब लिंचिस्तान में बदल गया

जम्मू, । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने देश की मौजूदा स्थिति को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू द्वारा बनाए गए भारत में एक परेशान करने वाला बदलाव आया है।

पीडीपी नेता महबूबा ने कहा, गांधी और नेहरू का हिंदुस्तान अब लिंचिस्तान में बदल गया है। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आ रही भीड़ द्वारा हिंसा की घटनाओं पर गहरी चिंता जाहिर की है। उनके अनुसार, इस तरह की घटनाएं बेहद गंभीर हैं और लोगों की सुरक्षा तथा सम्मान के लिए सीधा खतरा हैं। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा ने कहा कि भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रही ऐसी घटनाएं दिखाती हैं कि देश में भय और असहिष्णुता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यह वातावरण न केवल समाज के लिए बल्कि देश के भविष्य के लिए भी खतरनाक है। महबूबा ने यह टिप्पणी अनंतनाग में एक कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जिस भारत की नींव स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने रखी थी, वहां आज लोगों में डर और असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भीड़ हिंसा जैसी घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। इस तरह की घटनाएं न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करती हैं। महबूबा के अनुसार, देश को इसतरह के माहौल से बाहर निकालने के लिए गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।

प्रदेशभर से 7,500 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। साइंस सर्किल द्वारा आयोजित कनिष्ठ एवं वरिष्ठ संयुक्त आकलन परीक्षा का आयोजन 28 दिसंबर को सफलतापूर्वक किया गया। इस परीक्षा में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में सान्दीपनि विद्यालय भोपाल सहित लगभग 7,500 विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

परीक्षा का आयोजन नीट, जेईई एवं राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के पैटर्न पर किया गया। प्रदेशभर में कुल 38 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रत्येक केंद्र पर

पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई थी तथा ओएमआर शीट के माध्यम से परीक्षा संपन्न कराई गई।

साइंस सर्किल के अनुसार इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के प्रति जागरूक करना, समय प्रबंधन की क्षमता विकसित करना तथा उनकी शैक्षणिक स्तर पर वास्तविक स्थिति का आकलन करना है। परीक्षा परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों को राज्य, जिला एवं विद्यालय स्तर पर रैंक प्रदान की जाएगी, जिससे भविष्य की तैयारी की दिशा तय करने में सहायता मिलेगी।

परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को आगामी विज्ञान दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक कक्षा के टॉपर विद्यार्थियों को दस-दस हजार रुपये की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाएगी।

परीक्षा के सफल आयोजन में साइंस सर्किल के अध्यक्ष प्रो. एस. के. सक्सेना, उपाध्यक्ष आर. के. लटारे, सचिव डॉ. युवराज राहंगडाले एवं कोषाध्यक्ष एस. के. तुरकर ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की और परीक्षा संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

राजद ने भाजपा और नीतीश के बीच दरार का किया दावा

जल्द होगा बिहार में तख्तापलट...

पटना। बिहार की सियासत में इन दिनों विधायकों की टूट और कुर्सी के खेल को लेकर घमासान मचा हुआ है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच दावों और प्रति-दावों का दौर जारी है। जहां एनडीए खेमा राजद के 25 विधायकों के टूटने की बात कह रहा है, वहीं राजद ने हुंकार भरी है कि सत्ता पक्ष के 65 विधायक उनके संपर्क में हैं।

राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कुर्सी से हटाने का मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। राजद का आरोप है कि भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपने ही सहयोगी दलों को कमजोर कर रही है। इसी कड़ी में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय

लोक मोर्चा में मचे घमासान को सीएम की कुर्सी हथियाने के खेल से जोडक़र देखा जा रहा है।

कुशवाहा की पार्टी में कलह की वजह

आरएलएम में विवाद तब गहराया जब उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया गया। इससे पार्टी के विधायक नाराज बताए जा रहे हैं। विधायकों की नाराजगी उस समय सार्वजनिक हो गई जब वे कुशवाहा द्वारा आयोजित लिट्टी भोज से नदारद रहे और उनकी भाजपा नेता नितिन नवीन से मुलाकात की तस्वीरें वायरल हुईं।

बीजेपी और आरएलएम का पलटवार

इन आरोपों पर भाजपा ने इसे आरएलएम का आंतरिक मामला बताकर पल्ला झाड़ लिया है। वहीं, आरएलएम प्रवक्ता ने दावा किया कि तीनों विधायक पार्टी के प्रति समर्पित हैं और व्यक्तिगत कारणों से भोज में शामिल नहीं हो सके थे। फिलहाल, बिहार की राजनीति में मचे इस उथल-पुथल ने आगामी चुनावों से पहले नए समीकरणों की आहट दे दी है।

सैलरी अकाउंट खोलने दिए दस्तावेज, आयकर विभाग से आया नोटिस...फिर शुरु हुआ खेल

नई दिल्ली। डेटा ऑपरेटर की जॉब देने के बाद सैलरी अकाउंट खोलने के नाम पर निजी दस्तावेज मांगे। करीब आठ महीने बाद नौकरी से निकल दिया। पांच साल बाद इनकम टैक्स का नोटिस आया, तब शख्स के होश उड़ गए। दरअसल पूछा गया था कि आपकी एक कंपनी है, जिसने 2019-20 में 35 लाख और 2020-2021 में 48 करोड़ रुपये का लेन-देन किया है। पीड़ित को यकीन नहीं हुआ, लेकिन दो और नोटिस आने पर पीड़ित पेरशान हो गया। लिहाजा पहले कोर्ट में वाद दायर किया और फिर 22 जुलाई 2025 पुलिस में शिकायत की। करण कुमार राम (40) परिवार सहित बिहार के सीवान जिले में रहते हैं। पुलिस को बताया कि अप्रैल 2019 को नौकरी की तलाश में दिल्ली आए थे। एक दोस्त के जरिए सौरभ द्विवेदी से मिले, जो मध्य प्रदेश का निवासी था। सौरभ ने 15 हजार की सैलरी पर डेटा ऑपरेटर की जॉब लगावा दी। सौरभ ने सभी नए कर्मचारियों से बैंक में सैलरी अकाउंट खुलवाने के लिए पैन कार्ड और आधार कार्ड मांगे। करण को 2019 में गांव जाना पड़ा, तब सौरभ ने कॉल कर जॉब पर आने से मना कर दिया। इसके बाद करण दिल्ली नहीं लौटे। लेकिन फिर अचानक 31 जनवरी 2023 को कर्नाटक इनकम टैक्स से सिवान स्थित घर पर नोटिस आया। इससे खुलासा हुआ कि विराज एंटरप्राइजेज कंपनी उनके नाम पर खोली गई है। इसके खाते पर 2020-21 में 48 करोड़, 2019-20 में 35 लाख 5 हजार रुपये का लेन-देन हुआ है। इसका स्पष्टीकरण मांगा गया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताकर सिवान जिला अदालत में वाद दायर कर दिया। गुड़गांव के इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 19 दिसंबर 2023 को दूसरा नोटिस आ गया, जिसमें 48 करोड़ के लेन-देन पर सफाई देने को कहा गया।

ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी का कुबूलनामा

नई दिल्ली। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तेज और सटीक जवाबी कार्रवाई ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी थी। इस आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हुई थी। इसके जवाब में भारत ने मई की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मौजूद पहले आतंकी ढांचों और फिर सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का बड़ा कुबुलनामा सामने आया है। शनिवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए जरदारी ने स्वीकार किया कि भारत की कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व में डर का माहौल था।

अडाणी ग्रुप डिफेंस सेक्टर में करेगा 1.8 लाख करोड़ निवेश

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप ने अगले साल डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में 1.8 लाख करोड़ रूपए निवेश करने का प्लान बनाया है। कंपनी इस इन्वेस्टमेंट के जरिए मानवरहित और ऑटोनॉमस सिस्टम्स, एडवांस्ड गाइडेड वेपन्स बनाने पर जोर देगी, ताकि भविष्य की लड़ाई की जरूरतों के हिसाब से प्रोडक्ट्स बनाए जा सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशन्स में अडानी का मिलिट्री हार्डवेयर इस्तेमाल हो चुका है। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस अगले साल एआई-इनेबल्ड मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स, और बड़े पैमाने पर मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल ट्रेनिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश करेगी।

अडाणी डिफेंस देश के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड प्राइवेट सेक्टर डिफेंस प्लेयर्स में से एक बनकर उभरा है। 2025 में इसके कई सैन्य उपकरणों का इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर में भी किया गया था। नौसेना और सेना में ड्रोनञ 2025 में कंपनी के दृष्टि 10यूएवीएस (मानवरहित हवाई वाहन) को लंबी दूरी के इंटेलिजेंस, सर्विलांस और टोही मिशन के लिए भारतीय नौसेना और सेना में शामिल किया गया। काउंटर-ड्रोन सिस्टमञ इसके काउंटर-ड्रोन सिस्टम ने सेना, नौसेना और वायु सेना द्वारा किए गए ट्रायल को पास कर लिया है।

2026 में अडाणी हवा, पानी, जमीन पर ड्रोन बढ़ाएगी। सटीक हमले की ताकत बढ़ेगी, सर्विस और ट्रेनिंग सेंटर फैलेंगे। एआई से चलने वाले कई इलाकों के सिस्टम बेहतर होंगे। ये भारत के डिफेंस प्लान से मैच करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये प्लान सेक्टर को ताकत देंगे और नौकरियां पैदा करेंगे।

कश्मीर में पारा 0 डिग्री, मप्र-छग में 4 डिग्री से नीचे, अमृतसर-जालंधर में विजिबिलिटी जीरो; जेट स्ट्रीम की रफ्तार 262 किमी, यूपी, बिहार, पं. बंगाल, असम में शीतलहर का प्रकोप...

ठंड का टार्चर...कांपा भारत, इससे ठिठुरन बढ़ी

नई दिल्ली/भोपाल। हिमालय में लगातार बर्फबारी और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस ने मैदानों में ठंड बढ़ा दी है। श्रीनगर में पारा माइनस 2.6 डिग्री और सोनमर्ग में माइनस 5.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान में पारा 3.1 पर पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के मैनपाट में 4 डिग्री से नीचे आ गया है। वहीं मप्र में मंदसौर में पारा 2.9 डिग्री रहा। यह मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान रहा। यहां ओस की बूंदें जमी नजर आईं।

दरअसल, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जेट स्ट्रीम का असर है। ये जमीन से 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर चलने वाली हवाएं हैं। इस बार इनकी रफ्तार 262 किमी तक पहुंच गई है। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश में अगले 5 दिन तक तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। 23 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट है, इसका असर ट्रेनों और फ्लाइट्स पर नजर आ रहा है। रविवार को 13 फ्लाइट रद्द की गई हैं। डीजीसीए ने 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक को फॉग विंडो घोषित किया है। इस दौरान कम दृश्यता के कारण उड़ान संचालन प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली-यूपी में कोहरे का कहर

दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सुबह और शाम के समय घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। कई इलाकों में विजिबिलिटी घटकर 50 से 100 मीटर तक रह गई है। राजस्थान में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की राहत भी देखी गई है। उत्तर प्रदेश के कानपुर, आगरा, इटावा समेत कई जिलों में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। यूपी के मौसम में दिसंबर के पहले ही सप्ताह में बड़ा बदलाव आ गया है। यहां दिन की शुरुआत कोहरे के साथ हो रही है। सुबह और रात को कंपकंपाने वाली ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आगामी दिनों में शीतलहर का प्रकोप और बढ़ सकता है।

बिहार में ठंड ने शुरुआत में ही रिकॉर्ड तोड़ा

बिहार में तो ठंड ने शुरुआत में ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राज्य के 23 जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है जिनमें पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और जमुई भी शामिल हैं। विजिबिलिटी घट कर 500 मीटर ही रह गई है। मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में तापमान और भी नीचे जा सकता है। फिलहाल बिहारवासियों को इस हाड़ कंपाने वाली ठंड से जल्द राहत मिलती नहीं दिख रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। 29 और 30 दिसंबर को भी राज्य के पश्चिमी और दक्षिण-पूर्व भागों में घना कोहरा छाया रहेगा। पटना में भले ही हल्की धूप खिल रही हो, लेकिन बर्फीली हवाओं के कारण ठिठुरन बरकरार है। विभाग ने नए साल की शुरुआत तक लोगों को विशेष सावधानी बरतने और गर्म कपड़ों का उपयोग करने की अपील की है।

अगले तीन दिन ऐसा रहेगा मौसम

29 दिसंबर को कोहरा और ठंड का असर जारी रहेगा। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में घना कोहरा छाने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज सर्दी और कोल्ड वेव का असर रहेगा। वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी के आसार हैं। 30 दिसंबर को कोहरे में हल्की कमी आएगी, लेकिन ठंड बरकरार रहेगी। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में सुबह घना कोहरा छा सकता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मौसम ज्यादातर शुष्क, लेकिन ऊंचे इलाकों में तेज सर्दी रहेगी। 31 दिसंबर को मौसम में बदलाव के संकेत हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ में हल्का कोहरा छा सकता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। वहीं कई इलाकों में हल्की बारिश, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार, जिससे ठंड और बढ़ेगी।

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा

बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

एक उपनिरीक्षक, दो सहायक उपनिरीक्षक, दो प्रधान आरक्षक और एक आरक्षक निलंबित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कोतवाली मे पदस्थ 6 पुलिस कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए। पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने यह कार्यवाही कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने ने पर की है। जानकारी के मुताबिक 25 दिसंबर को पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण किए थे। इस दौरान वे कोतवाली की सफाई अव्यवस्था को देखकर नाराज हो गये और उन्होंने उप निरीक्षक धर्मेंद्रसिह जोनवार, दो सहायक उप निरीक्षक जिनमें मंजू सिंह दाहिया, उप निरीक्षक रामकिशोर राहंगडाले, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार मर्सकोले, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार बघेल और आरक्षक कमल यदुवंशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए। और सभी को कोतवाली में ही अटैच किए हैं।

पारिवारिक तनाव में युवक ने खाया चूहा मार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा में 19 वर्षीय युवक अविनाश पिता लक्ष्मी चंद आसरे ने पारिवारिक मानसिक तनाव में आकर चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अविनाश आसरे आईटीआई में इलेक्ट्रिकल की पढ़ाई कर रहा है। जो पारिवारिक तनाव चल रहा था। 27 दिसंबर की शाम 6ः00 बजे अविनाश आसरे ने पारिवारिक तनाव में आकर अपने घर में रखी चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया। जिसे उसके दोस्त आशीष खैरवार ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया है।

शहर के निकट जंगलों से सटे गाँवों में चहलकदमी करते बाघ ने दहशत का नया पटकथा लिखा

10 से ज़्यादा गांवों में बाघ का मूवमेंट, दहशत के बीच मुनादी

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़। बालाघाट

बीते दो दिन पहले दक्षिण वन मंडल बालाघाट सामान्य अंतर्गत वन परिक्षेत्र वारासिवनी के जंगलों से सटे 10 से ज़्यादा गांवों में इन दिनों दहशत तारी है. यहाँ शाम होते ही सन्नाटा छा जाता है. किसानों ने सारे कामों पर ब्रेक लगा दिया है. येन कृषि कार्यों के रबी सीजन में बाघ के आ जाने से गाँव वाले बेहद डरे हुए है।

गाँव वाले बताते हैँ कि गांवों में इन दिनों बाघ का मुवमेंट बना हुआ है। बीते दिनों शुक्रवार को बाघ सुबह छह बजे परिक्षेत्र सहायक वृत्त कनकी बीट गर्रा के वन कक्ष क्रमांक 509 के निकट ग्राम बरबसपुर टोला में देखा गया। इस बाघ के दिखने के बाद से ग्रामीणों में भयंकर दहशत बनी है और वे खेत, और अन्य कार्यों में नहीं जा रहे है।

हमारे सूत्रों ने बताया है कि इस इलाके में वन विभाग ने पूरे गांवों में कोटवारों से मुनादी करवाकर सभी ग्रामीणों को अतिरिक्त सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

वन विभाग की जानकारी के मुताबिक शनिवार को 20 वनकर्मियों का दल बाघ के पगमार्क के आधार पर उसका लोकेशन ट्रेस करते रहा। किन्तु इस बीच जंगल से सटे किसी भी भू भाग पर बाघ दिखाई नहीं दिया, लेकिन कोई घटना न हो जाए, इसलिए वन विभाग सतत रूप से सर्चिंग कर रहा है।

वन विभाग के कर्मचारी लोगों को मूवमेंट वाले क्षेत्र में नहीं जाने की सलाह देने में लगा है. वहीं अब ग्रामीण भी बेहद पशोपेश में हैँ यह उनका आवश्यक कृषि कार्यों का मौसम भी है।

बताया गया है कि वन से सटे ग्राम बरबसपुर, बरबसपुर टोला, जोड़ापाट, कायदी, तुमाड़ी, बनियाटोला, बुधाटोला, कोपे, नयाटोला, पाथरी, लवादा, बेहरई, कनकी, गर्रा सहित आसपास के जो गांव जंगल से लगे हैं। ये जंगल भी अब दहशत के केंद्र बिंदु बन गए हैँ.

शिकार की तलाश में बाघ बरबसपुर तक आया

जानकारी के मुताबिक वारासिवनी-लालबर्रा वन परिक्षेत्र से जुड़े होने के चलते वन्य प्राणी अधिक संख्या में है। यही वजह है कि बाघ विचरण करते हुए शिकार की तलाश में शुक्रवार को बरबसपुर टोला गांव में आया।वन विभाग ने हालांकि, सूचना मिलने पर वन परिक्षेत्र अधिकारी क्षत्रपाल सिंह जादौन वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अपने वन अमले के साथ मौके पर पहुंचकर देर रात्रि तक सर्चिंग की गई। दूसरे दिन शनिवार को भी इन्हीं गांवों में वनकर्मियों के दल ने सुबह से पैदल गश्त कर बाघ को ढूंढने का प्रयास किया गया। इस दौरान ड्रोन और ट्रैप कैमरों का भी सहारा लिया। समझाइस के तौर इस बीच खेत जाने वाले किसान और गांव के लोगों को बाघ दिखाई देने पर तत्काल सूचना गया। साथ ही बाघ के मूवमेंट वाले क्षेत्र में सुबह व शाम के समय नहीं जाने की सलाह दी गई।

ट्रैप कैमरे में कैद होने पर लगेगा किस क्षेत्र का है बाघ. इस सन्दर्भ में वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि यह बाघ किस क्षेत्र का है ट्रैप कैमरे कैद होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल में परिक्षेत्र का वन अमला बाघ का हलचल जानने का प्रयास कर रहा है ताकि किसी ग्रामीण को नुकसान न हो। इसके अलावा बाघ को भी कोई हानि नहीं पहुंचा पाए, इसे गंभीरता से लेकर सुबह छह बजे से ही वन अमला इन गांवों में गश्ती कर रहा है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी क्षत्रपाल सिंह जादौन के मुताबिक वन विभाग ने अपने कर्मचारियों का समूह को बाघ के मूवमेंट वाले गाँव बरबसपुर टोला सहित आसपास के गांवों में सर्चिंग कर रहा है। इसमें ड्रोन, ट्रैप कैमरे की मदद ली जा रही है। साथ ही जहां बाघ का मूवमेंट बना है, उस क्षेत्र में गांव के लोगों को सुबह शाम बाहर या जंगल की तरफ खेतोँ में नहीं जाने की सलाह दे रहे है। मूवमेंट वाले क्षेत्र के गांवों में मुनादी भी करवाये जा रहे हैँ।

प्रकारान्तर से कहा जा सकता है कि बाघ जैसे बेहद खतरनाक प्राणी का रिहायशी इलाकों में मूवमेंट होना चिंताजनक है वह भी बालाघाट शहर मुख्यालय के 7-8 किलोमीटर की परिधि वाले गाँवों में उसकी मौजूदगी प्रशासन के साथ ग्रामीणों के लिए भी चिंताजनक है. अतीत में बालाघाट जिले के सोनेवानी अभ्यारण से सटे अनेक ग्रामो में ग्रामीणों को शिकार बना चुका है।

मोटरसाइकिल में सवार पिता-पुत्री घायल

बेलगाम ऑटो मोटरसाइकिल से टकराई : ग्रामीण थाने के समनापुर रोड पर हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले समनापुर रोड पर स्थित ग्राम ठाकुर टोला में बेलगाम ऑटो ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस दुर्घटना में ऑटो की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार बाप बेटी घायल हो गए ।दोनों घायल रविंद्र पिता हेमराज चौधरी 42 वर्ष और उनकी बेटी हिमानी पिता रविंद्र चौधरी 20 वर्ष ग्राम लवेरी चौकी चरेगांव थाना लामता निवासी है। जिन्हे जिला अस्पताल से नगर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लवेरी निवासी रविंद्र चौधरी खेती किसानी के अलावा भटेरा चौकी बालाघाट में अपने परिवार के साथ किराए से रहकर वे बालाघाट नगर मे नल फिटिंग का भी काम करते हैं। जिन्होंने अपने गांव लवेरी में नल फिटिंग का काम काम लिए थे। 28 दिसंबर को 1ः00 बजे करीब रविंद्र चौधरी अपनी बेटी हिमानी चौधरी के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव लवेरी जा रहे थे। तभी समनापुर रोड

ग्राम ठाकुर टोला के पास समनापुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही आटो ने रविंद्र चौधरी की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी।ऑटो की जबरदस्त ठोकर से रविंद्र चौधरी और उनकी बेटी हिमानी चौधरी मोटर साइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। इस दुर्घटना में रविंद्र चौधरी का बाया पैर और उनकी बेटी का भी पैर फैक्चर हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया किन्तु जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराये बिना ही दोनों बाप बेटी को तुरंत ही अन्य एंबुलेंस से बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में ले जाकर भर्ती किया गया है।

स्कूल से घर लौट रहे नाबालिग छात्र की डंडे से पिटाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घुबड़गोंदी चौक में स्कूल से घर जा रहे एक छात्र को डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायल 17 वर्षीय नाबालिक छात्र खैरलांजी थाना क्षेत्र का ही निवासी है।जिसका इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया वही उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस में नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे घुबड़गोंदी। निवासी के विरुद्ध इस अनुसूचित जाति के छात्र को अश्लील जातिगत गालियां देने और मारपीट करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरलांजी थाना क्षेत्र के निवासी यह 17 वर्षीय नाबालिक छात्र उच्चतम माध्यमिक विद्यालय घुबड़गोंदी में कक्षा ग्यारहवीं में पढ़ाई करता है। इस छात्रा का नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे के साथ पूर्व से कोई विवाद चल रहा था। 27 दिसंबर को दोपहर 3ः00 बजे करीब यह छात्र अपनी चचेरी बहन के साथ घुब ?गोंदी स्कूल से अपने घर ग्राम जा रहे थे। तभी ग्राम घुबड़गोंदी में स्कूल के आगे चौक में इस छात्र को नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे मिला और पुराने विवाद को लेकर नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे इस छात्र को अश्लील जातिगत गालियां देने लगा।इस छात्र ने नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे को गालियां देने से मना किया। तभी नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे ने इस छात्र को डंडे से बेरहमीपूर्वक मारपीट करने लगा। इस छात्र की चचेरी बहन और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और बीच बचाव किये। नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे द्वारा की गई मारपीट में घायल यह छात्र अपने घर पहुंचा और घटना के संबंध में अपने परिवार वालों को बताया। जिसके बाद यह छात्र अपने मां के साथ रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचा। खैरलांजी पुलिस ने इस छात्र का इलाज और मुलाहिजा वही के शासकीय अस्पताल में करवाये और इस छात्र द्वारा की गई रिपोर्ट पर नवीन उर्फ प्रथमेश लिल्हारे ग्राम घुबड़गोंदी निवासी के विरुद्ध इस छात्र को जातिगत गालियां देकर मारपीट करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। जिसकी विवेचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा की जा रही है।

आज 5 सरपंचों एवं 1 पंच के निर्वाचन के लिए होगा मतदान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन (उत्तरार्द्व)- 2025 के अंतर्गत बालाघाट जिले में 05 सरपंचों एवं 01 पंच के निर्वाचन के लिए 29 दिसम्बर को मतदान कराया जाएगा। मतदान कराने के लिए मतदान दल 28 दिसंबर को अपने निर्धारित मतदान केन्द्रों पर पहुंच गए हैं। मतदान 29 दिसंबर को प्रात: 07 बजे से दोपहर 03 बजे तक कराया जाएगा।

सरपंच के लिए ईव्हीएम मशीनों से तथा पंच पद के लिए बैलेट पेपर से मतदान कराया जाएगा। पंच पद के परिणाम की घोषणा मतदान के तुरंत पश्चात की जायेगी। सरपंच पद के निर्वाचन के परिणाम की घोषणा दिनांक 02 जनवरी 2026 को की जायेगी।

बालाघाट जिले की बिरसा विकासखंड की ग्राम पंचायत पल्हेरा, वारासिवनी विकासखंड की ग्राम पंचायत झालीवाड़ा, खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत कचेखनी, लालबर्रा विकासखंड की ग्राम पंचायत रमपुरी एवं परसवाड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत उकवा में सरपंच के रिक्त पद एवं विकासखंड बालाघाट की ग्राम पंचायत भरवेली में वार्ड क्रमांक 03 में पंच पद के लिए मतदान कराया जा रहा है।

सरपंच पद के लिए विकासखंड वारासिवनी की ग्राम पंचायत झालीवाडा में 02 प्रत्याशी, विकासखंड परसवाडा की ग्राम पंचायत उकवा में 04 प्रत्याशी, विकासखंड खैरलांजी की ग्राम पंचायत कचेखनी में 03 प्रत्याशी, विकासखंड लालबर्रा की ग्राम पंचायत रमपुरी में 03 प्रत्याशी एवं विकासखंड बिरसा की ग्राम पंचायत पल्हेरा में 02 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इस प्रकार 05 पंचायतों में सरपंच के लिए कुल 14 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे है।विकासखंड बालाघाट की ग्राम पंचायत भरवेली में वार्ड क्रमांक 03 के लिये पंच पद के 03 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है।

जिले की पंचायतो में 42 पंचों के निर्वाचन के लिए निर्धारित समय सीमा में 19 पंचो के लिए किसी भी प्रत्याशी ने नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत नही किया है। जबकि 22 पंचो के लिए मात्र 01-01 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त होने के कारण उनका निर्वाचन निर्विरोध हो गया है।

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।
वेतन-योग्यतानुसार
सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghatexpress@gmail.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट